

रजिस्टर्ड नं० ल०-33/एस० एम० 14.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 30 दिसम्बर, 1989/9 पौष, 1911

हिमाचल प्रदेश सरकार

आवकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला, 1 जून, 1989

सं० ई० एक्स० एन०-14-7/75-पार्ट-II.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का 61) की धारा 78 के साथ पठित धारा 10 धारा 65 और धारा 71 द्वारा प्रदत्त

1286-राजपत्र/89-30-12-89--1,484.

(2987)

मूल्य: 1 रुपया।

शक्तियों का प्रयोग करत हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :-

अध्याय-1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.- (क) इन नियमों का संक्षिप्त नाम स्वापक औपधि और मनःप्रभावी पदार्थ नियम, 1989 है।

(ख) ये नियम तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.- इन नियमों में, जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ में विरुद्ध न हो,-

- (1) "अधिनियम" से स्वापक औपधि तथा मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 अभिप्रेत है ;
- (2) "मुख्य चिकित्सा अधिकारी" से जिले का मुख्य चिकित्सा अधिकारी या ऐसा अन्य अधिकारी अभिप्रेत है जो सरकार द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ;
- (3) "समाहर्ता" के अन्तर्गत पंजाब आबकारी अधिनियम, 1914 के अधीन समाहर्ता के समस्त या किन्हीं कृत्यों का पालन करने के लिए सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियुक्त कोई प्राधिकारी है ;
- (4) "उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त" से उसके प्रभारधीन जिलों या क्षेत्रों में आबकारी आयुक्त की सहायता के लिए इस रूप में नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है और आबकारी एवं कराधान विभाग के अन्य अधिकारी जो उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त की पंक्ति से नीचे कान हों, इसके अन्तर्गत है ;
- (5) "आबकारी आयुक्त" से सरकार द्वारा पंजाब आबकारी अधिनियम, 1914 (1914 का 1) की धारा 9 के अधीन नियुक्त अधिकारी अभिप्रेत है ;
- (6) "आबकारी अधिकारी" से अभिप्रेत है और उसके अन्तर्गत ऐसा प्रत्येक अधिकारी जिसको पंजाब आबकारी अधिनियम, 1914 के अधीन आबकारी अधिकारी की शक्तियां प्रदत्त की गई हों ;
- (7) "प्ररूप" से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;
- (8) "अनुज्ञप्ति" से इन नियमों के अधीन प्रदान की गई अनुज्ञप्ति अभिप्रेत है ;
- (9) "अनुज्ञप्त रसायनज्ञ" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने कांका व्युत्पाद और अफीम के व्युत्पाद कब्जे में रखने, सम्मिश्रण करने और विक्रय के लिए अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त की है ;
- (10) "अनुज्ञप्त औपध विक्रेता" से औपध डिस्पेंस करने या औपधीय कैनवीस के विक्रय या औपधीय अफीम के औपधि के रूप में प्रयोग करने के लिए तथा औपधीय अफीम के विनिर्माणार्थ दुकान चलाने के लिए अनुज्ञप्त व्यक्ति अभिप्रेत है ;
- (11) "चिकित्सा व्यवसायी" से भारतीय चिकित्सा उपाधि अधिनियम, 1916 (1916 का 0) की धारा 3 या पटियाला चिकित्सा उपाधि अधिनियम, 1999 (1999 बी 0 के 0 का 3) के अधीन विनिर्दिष्ट या अधिसूचित या भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट और दन्त चिकित्सक अधिनियम 1948 (1948 का 16) के अधीन प्राधिकरण द्वारा अनुद्घत अर्हता-धारक व्यक्ति या हिमाचल प्रदेश राज्य के एलोपैथिक या युनानी या आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों के रजिस्ट्रीकरण के लिए तात्पर्यित चिकित्सा रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, अभिप्रेत है ;
- (12) "पास" से इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया पास अभिप्रेत है ;
- (13) "परमिट" से इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया परमिट अभिप्रेत है ;
- (14) "औपध पत्र" से चिकित्सा व्यवसायी द्वारा, औपधीय अफीम या कांका व्युत्पाद या अफीम व्युत्पाद की प्रदाय के लिए रांगी का दिया गया औपध पत्र अभिप्रेत है ;
- (15) "राज्य सरकार" या "सरकार" से हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है ;
- (16) "चिकित्सा बांड" या "चिकित्सा अधिकारी" से चिकित्सा आधार पर अफीम के ओरल उपयोग के लिए

परमिट देने की सिफारिश करने के लिए सम्बद्ध जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड या नियुक्त चिकित्सा अधिकारी, अभिप्रेत है,

- (17) ऐसे अन्य शब्दों और पदों को, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में क्रमशः उनके हैं।

अध्याय-2

(अधिनियम की धारा 10 (ए) (I) और (II) और धारा 71 के अधीन विहित नियम)

पोपीस्ट्रा या अफीम का कब्जा, परिवहन अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात, भाण्डागारण, विक्रय, ऋय, उपभोग और प्रयोग।

3. परमिट के बिना कब्जा प्रतिषिद्ध.—सिवाय इन नियमों के अधीन दिए गए परमिट की शर्तों के अधीन और उनके अनुसार या स्वापक औषधि तथा मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का 61) या औषधीय और प्रसाधन निमित्तियां (उत्पाद शुल्क) अधिनियम, 1955 (1955 का 16) के अधीन दिए गए समुचित अनुज्ञप्ति या परमिट के अधीन पोपी स्ट्रा या अफीम की किसी भी मात्रा को किसी भी व्यक्ति द्वारा अपने कब्जे में रखना प्रतिषिद्ध है।

4. सरकारी अधिकारी द्वारा कब्जा.—राज्य सरकार का कोई अधिकारी, अपनी इस हैसियत में, किसी भी रूप में उस पोपी स्ट्रा या अफीम को अपने कब्जे में रख सकेगा जो अपने सरकारी कर्तव्यों का निर्वहन करते समय उसके कब्जे में आई हो; परन्तु ऐसा अधिकारी पोपी स्ट्रा या अफीम का ऐसी रीति में व्यय न करेगा जैसी उसके प्रवर अधिका-री द्वारा निर्देशित की जाए या सरकार द्वारा इस निमित्त दिए गए आदेशों या अनुदेशों द्वारा अपेक्षित हो।

5. चिकित्सा आधार पर कब्जा.—(1) केवल चिकित्सा आधार पर वैयक्तिक औरल उपभोग के लिए अपने कब्जे में अफीम रखने का इच्छुक कोई व्यक्ति, इस निमित्त परमिट प्राप्त करने के लिए सम्बन्धित जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवेदन करेगा।

(2) उप-नियम (1) के अधीन आवेदन की प्राप्ति मुख्य चिकित्सा अधिकारी ऐसी जांच करेगा जो वह आवश्यक समझे और यदि वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि आवेदित परमिट देने में कोई आपत्ति नहीं है तो वह आवश्यक आर्युक्त के आदेशों के अधीन रहते हुए, यदि कोई हो, इस निमित्त गठित, यथास्थिति, चिकित्सा बोर्ड या नियुक्त चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश अभिप्राप्त करने के पश्चात एक रुपये फीस के संदाय पर प्ररूप औषधीय अफीम-I में आवेदक को परमिट प्रदान कर सकेगा।

6. अफीम की मात्रा जिसके लिए परमिट जारी किया जाएगा—इन नियमों के नियम 5 के उप-नियम (2) के अधीन, अफीम प्ररूप-I में परमिट केवल आवश्यक आर्युक्त द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों और अनुदेशों के अनुसार यथास्थिति, चिकित्सा बोर्ड या चिकित्सा अधिकारी द्वारा सिफारिश की गई अफीम की मात्रा के लिए ही दिया जाएगा:

परन्तु परमिट धारक द्वारा एक मास में खरीदी गई अफीम की कुल मात्रा 25 ग्राम से अधिक नहीं होगी और किसी एक समय पर कब्जे में रखी गई मात्रा पांच ग्राम से अधिक या उस मात्रा से अधिक नहीं होगी जितनी आवश्यक आर्युक्त द्वारा स-य-समय पर नियत की जाए।

7. पोपी स्ट्रा कब्जे में रखने की परीसीमा.—पोपी स्ट्रा को कब्जे में रखने की परीसीमा समय-समय पर प्रत्येक मामले में आवश्यक आर्युक्त द्वारा नियत की जायेगी।

8. पोपी स्ट्रा या अफीम का परिवहन:—(I) पोपी स्ट्रा या अफीम का परिवहन करने का, इच्छुक कोई व्यक्ति जिसे कब्जे में रखने के लिए वह प्राधिकृत है, पास लन क लिए सम्बन्धित जिले के प्रभारी सहायक आवश्यक आर्युक्त एवं कराधान आर्युक्त या आवश्यक आर्युक्त एवं कराधान अधिकारी को आवेदन करेगा जो प्ररूप अफीम-IV में परिवहन पास जारी करेगा:

परन्तु ऐसी पास की वहां आवश्यकता नहीं होगी जहां अफीम का परिवहन इन नियमों के अधीन प्ररूप अफीम-I में दिये गये परमिट के अधीन अनुज्ञात है।

(2) सरकार के स्वामित्वधीन अस्पतालों या औषधालयों में स्थित डिपुओं में भण्डार करने के लिए अफीम का परिवहन समय-समय पर खजानों से, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जिले के प्रभारी सहायक आबकारी व कराधान आयुक्त या आबकारी एवं कराधान अधिकारी को सूचित की गई अपेक्षाओं के अनुसार किया जायेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्ररूप अफीम-V में परिवहन पास जारी करेगा।

9. परिवहन अवधि का विस्तारण—किसी जिले का सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या आबकारी एवं कराधान अधिकारी जिसमें से परिवहन पास के अधीन पोपी स्ट्रा या अफीम का प्रेषण ले जाया जा रहा हो, प्रेषक प्रेषित या प्रेषण के प्रभारी व्यक्ति द्वारा सम्यक कारण बताए जाने पर उस अवधि का विस्तारण कर सकेगा जिसके लिए पास प्रवृत्त रहना है।

इस प्रकार की गई अवधि का प्रत्येक विस्तारण देने वाली अधिकारी द्वारा पास पर पृष्ठांकित किया जायेगा और ऐसे प्रत्येक पृष्ठांकन पर उसके द्वारा तारीख अंकित की जाएगी और हस्ताक्षर किए जाएंगे।

10. पोपी स्ट्रा या अफीम का परीक्षण तथा उसका तोलना इत्यादि.—(1) पास के अधीन परिवहन की गई पोपी स्ट्रा या अफीम, जिले की उस तहसील की सीमाओं के भीतर पहुंचने पर जहां इसका गन्तव्य स्थान स्थित है, सीधी परीक्षण तथा तोलने के लिए परिवहन पास में इस निमित्त दक्षित कार्यालय को ले जाई जायेगी।

(2) ऐसे कार्यालय में इसके पहुंचाये जाने पर, प्रेषित या प्रेषण का प्रभारी व्यक्ति अपने कब्जे में पोपी स्ट्रा या अफीम सहित परिवहन पास की प्रति :—

(क) यदि कार्यालय जिले के मुख्यालय में स्थित हो, तो प्रभारी सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या आबकारी एवं कराधान अधिकारी या अन्य आबकारी अधिकारियों को, जो उसके द्वारा परिवहनाधीन ऐसे प्रेषण का परीक्षण तथा तोल करने के लिए, प्रतिनियुक्त किए गए हों, और

(ख) यदि कार्यालय तहसील के मुख्यालय में स्थित है, तो संबंधित आबकारी निरीक्षक और यदि कोई आबकारी निरीक्षक न हो तो तहसीलदार या अन्य अधिकारी जिसे जिले के प्रभारी सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या आबकारी एवं कराधान अधिकारी द्वारा ऐसे प्रेषण का परीक्षण तथा तोल करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया हो, को देगा।

11. परिवहन के दौरान पैकटों का खोला जाना.—किसी भी पैकट को परिवहन के दौरान, जिसमें पोपी स्ट्रा या अफीम रखी गई हो, खोला नहीं जाएगा या उसमें बिगाड़ नहीं किया जाएगा :

परन्तु इस नियम में अन्तर्विष्ट कोई भी बात, प्ररूप-अफीम-I में परमिट धारक व्यक्तियों पर लागू नहीं होगी।

12. परिवहन पर निर्वहन:—कोई भी रेलवे प्रशासन.—

(क) ऐसी पोपी स्ट्रा या अफीम का प्राप्त या उसका प्रवहन नहीं करेगा जब तक वह, सम्यक रूप से सशक्त आबकारी अधिकारी द्वारा जारी किए परिवहन पास के अन्तर्गत न हो और उसके साथ ऐसा पास न हो ; या।

(ख) पोपी स्ट्रा या अफीम का, ऐसे पास, जो एक रेल पदधारी की अभिरक्षा में है, में विनिर्दिष्ट से भिन्न मार्ग द्वारा उस स्टेशन तक जहां को पोपी स्ट्रा या अफीम उक्त रेलवे द्वारा परिवहन किया जाना है, प्रवहन नहीं करेगा।

13. शिथिलांग और अशक्त व्यक्ति की ओर से अफीम का परिवहन.—कौड़ी भी व्यक्ति, एक शिथिलांग या अशक्त व्यक्ति की ओर से, जो शारीरिक तौर पर अफीम को खरीदने, रखने और परिवहन करने के लिए अयोग्य हो, परमिट के बिना अफीम का क्रय कर सकेगा, कब्जे में रख सकेगा तथा उसका परिवहन कर सकेगा, वशत कि :—

- (क) शिथिलांग या अशक्त व्यक्ति के पास प्ररूप-अफीम-I में परमिट हो, और
- (ख) शिथिलांग या अशक्त व्यक्ति की ओर से अफीम को खरीदने, कब्जे में रखने और परिवहन करने वाले व्यक्ति के पास प्ररूप अफीम-IV में ऐसा करने के लिए उसकी ओर से लिखित प्राधिकार हो और जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने ऐसे प्राधिकार के लिए अपना पूर्व अनुमोदन दे दिया हो।

14. अन्य राज्य के परमिट धारकों द्वारा अफीम का अन्तरराज्यिक आयात.—नियम 3 में किसी बात के होते हुए भी, अफीम का व्यसनी, हिमाचल प्रदेश में आयात कर सकेगा और वह भारत में अन्य राज्य द्वारा उसके पक्ष में जारी किए गए परमिट के प्राधिकार पर प्राप्त अफीम को परमिट में प्राधिकृत मात्रा तक अपने कब्जे में रख सकेगा :

- (1) परन्तु अन्य राज्य का अफीम-परमिट धारक हिमाचल प्रदेश का भ्रमण करते समय अपने साथ, परमिट तथा उसके साथ में उस स्थान के आवकारी अधिकारी से जहां से वह आया है, एक ऐसा प्रमाण पत्र भी लाता है जिसे भ्रमण करने वाले व्यक्ति के प्रथम गन्तव्य के आवकारी अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित करवाया जायेगा।
- (2) ऐसा अफीम परमिट धारक अपने पास, परमिट में प्राधिकृत मात्रा से अधिक अफीम कब्जे में नहीं रखेगा,
- (3) ऐसी अनुज्ञा, खण्ड 1 में निर्दिष्ट प्रमाण पत्र जारी किए जाने की तारीख से एक मास से अनधिक अवधि के लिए विधिमान्य होगी और यदि अफीम परमिट धारक राज्य में अधिक देरी तक ठहराव बढ़ाता है तो वह प्रवास करने या वापस जाने वाले राज्य से जारी परमिट को अभ्यर्पित करके सम्बन्धित जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से नियमित परमिट प्राप्त करेगा।

15. डाक या बैक द्वारा आयात आदि का प्रतिषेध.—नियम 17 में अन्यथा यथा उपबन्धित के सिवाये इन नियमों की किसी भी बात से डाक या बैक के माध्यम से पोपी स्ट्रा या अफीम के अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात या परिवहन की अनुमति नहीं समझी जाएगी।

16. सरकारी कारखाने से अफीम का आयात.—गाजीपुर तथा नीमच में स्थित सरकारी अफीम कारखाना से अफीम का आयात, अधिनियम के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए नियमों द्वारा विनियमित होगा।

17. राज्य सरकार की ओर से पोपी स्ट्रा या अफीम का आयात इत्यादि.—इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, राज्य सरकार द्वारा या उसकी ओर से पोपी स्ट्रा या अफीम का आयात और निर्यात तथा परिवहन किन्हीं निबन्धनों के बिना किया जा सकेगा :

परन्तु डाक द्वारा पारगमन की स्थिति में अन्तरराज्यिक आयात अन्तरराज्यिक निर्यात या परिवहन निम्नलिखित निबन्धनों के अधीन रहते हुए होगा अर्थात :—

- (क) केवल पार्सल डाक का प्रयोग होगा ;
- (ख) पार्सल के साथ घोषणा पत्र लगाया जाएगा जिसमें प्रेषित और प्रेषक का नाम या पदनाम विस्तृत रूप में पार्सल की अन्तर्वस्तु तथा सव्यवहार को आवृत्त करने वाले इन्डेंट की संख्या तथा तारीखें दर्शित होंगी;
- (ग) प्रेषित अपनी लेखा पुस्तकों में प्रेषक का नाम या पदनाम और डाक द्वारा समय-समय पर भेजी गई पोपी स्ट्रा या अफीम की मात्रा रुपये रूप में दर्शित करेगा।

18. अफीम के बिक्री के लिए डिपो.—व्यसनियों को अफीम बेचने के लिए डिपो ऐसे स्थानों पर स्थापित किए जायेंगे जो समय-समय पर आवकारी आयुक्त द्वारा निर्देशित किए जाएं और ऐसे डिपो साधारणतया मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सीधे नियन्त्रणाधीन या तो सरकारी अस्पतालों या औषधालयों में या सरकारी कोषों में स्थित होंगे।

19. सरकारी अधिकारियों द्वारा पोपी स्ट्रा या अफीम का विक्रय.—सरकार की ओर से पोपी स्ट्रा या अफीम का विक्रय आवकारी आयुक्त द्वारा सम्पन्न रूप में प्राधिकृत किसी सरकारी अधिकारी द्वारा समय-समय पर इस निमित्त उसके द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार किया जा सकेगा।

20. अफीम का डिपुओं को प्रदाय.—सरकार के स्वामित्वाधीन अस्पतालों या औषधालयों में स्थित डिपुओं में विक्रय के लिए अपेक्षित अफीम को आवकारी आयुक्त द्वारा सरकारी कोषों से इस प्रयोजन लिए के विनिर्दिष्ट सरकारी खजानों से, सरकार द्वारा निर्धारित वाढ्य खजाना निर्मम मूल्य क संदाय पर प्राप्त किया जाएगा। सरकारी खजाना, गाजीपुर तथा नीमच में स्थित सरकारी कारखाने से या ऐसे अन्य स्रोतों से जो राज्य सरकार द्वारा निर्देशित किए जाएं, अफीम प्राप्त करेंगे।

21. डिपुओं से भिन्न स्थानों पर विक्रय का प्रतिबंध.—अफीम व्यसनियों को नियम 18 के अधीन स्थापित डिपु से निम्न किसी अन्य स्थान पर नहीं बेची जायेगी और बिक्री का विस्तृत दैनिक लेखा प्ररूप अफीम-II में रखे गए रजिस्टर में रखा जायेगा सम्बन्धित डिपु का प्रभारी अधिकारी उस जिले के जिलमंडिरो चन रहा हो प्रभारी सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या आवकारी एवं कराधान अधिकारी की प्ररूप अफीम-III में अफीम की प्राप्ति, निर्मम तथा उसका बकाया दशति हुए आने वाले मास की दस तारीख तक मासिक विवरणी अवश्य अप्रेषित करेगा।

22. अफीम और पोपी स्ट्रा का क्रय.—अफीम का क्रय केवल गाजीपुर और नीमच में स्थित सरकारी अफीम कारखानों से केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा :

परन्तु रजिस्ट्रीकृत अफीम व्यसनी अफीम की अपनी नियत मात्रा इस प्रयोजन के लिए आवकारी आयुक्त द्वारा केवल विनिर्दिष्ट सरकारी खजानों से या डिपुओं से ही खरीदेगा :

परन्तु यह और कि पोपी स्ट्रा का क्रय आवकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित स्रोतों से केवल इस निमित्त प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा ही किया जायेगा।

23. पोपी स्ट्रा या अफीम का उपभोग या प्रयोग.—इन नियमों में उपबन्धित सीमा के सिवाय, चिकित्सा या वैज्ञानिक प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजनों के लिए पोपी स्ट्रा या अफीम का उपभोग या प्रयोग हिमाचल प्रदेश में प्रतिषिद्ध है।

24. डिपुओं द्वारा अनुज्ञप्ति या परमिट प्राप्त करना अनपेक्षित.—पूर्वगामी नियमों में किसी बात के होते हुए भी, नियम 18 के अधीन स्थापित डिपुओं द्वारा या उनकी ओर से अफीम के क्रय कब्जे और विक्रय के लिए कोई अनुज्ञप्ति या परमिट आवश्यक नहीं होगा।

पोपी स्ट्रा या अफीम के परिवहन, अन्तरराज्यिक आयात तथा अन्तरराज्यिक निर्यात सम्बन्धी साधारण उपबन्ध

25. प्रेषण की पैकिंग.—इन नियमों के अधीन, परिवहन, अन्तरराज्यिक आयात और अन्तरराज्यिक निर्यात किए जाने वाली पोपी स्ट्रा या अफीम का प्रत्येक प्रेषण ठीक प्रकार से पैक सुदृढ़ता से, सुरक्षित और मोहरबन्द किया जाएगा तारीक, सील या पैकिंग सामान को क्षति पहुंचाये बिना इसकी अन्तर्वस्तु बिगाड़ी या निकाली न जा सक।

26. प्रेषण का निरीक्षण.—(1) प्रत्येक आवकारी एवं कराधान आयुक्त और प्रथम या द्वितीय वर्ग का प्रत्येक आवकारी अधिकारी अपनी अधिकारिता के भीतर, पोपी स्ट्रा या अफीम के निरीक्षण के लिए उस समय तक निरुद्ध करने जो आवश्यक हो और प्रेषण का निरीक्षण करने तथा ऐसे पास को प्रस्तुत करने की मांग करने, जिसके अन्तर्गत ऐसी पोपी स्ट्रा या अफीम का परिवहन या अन्तरराज्यिक आयात या अन्तरराज्यिक निर्यात किया जा रहा है, के लिए प्राधिकृत है।

(2) यदि उक्त उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन निरीक्षण पर, पास में विनिर्दिष्ट पोपी स्ट्रा

या अफीम की मात्रा और किसी पार्सल या पैकेज में अन्तर्विष्ट वास्तविक मात्रा में, जिसमें पास सम्बन्धित हो, कोई बहुलता या कमी पाई जाती है और उसका प्रेषक, प्रेषित या उसका प्रभारी व्यक्ति ऐसी बहुलता या कमी के लिए सन्तोषप्रद लेखा न दे सकता हो तो इस तथ्य की सूचना, जिलों का प्रभार रखने वाले या उस क्षेत्र के जिसमें निरीक्षण किया गया हो, उप-आवकारी और कराधान आयुक्त को तुरन्त दी जाएगी और उप-आवकारी और कराधान आयुक्त प्रदेश के लम्बित रखने तक, विषयगत पार्सल या पैकेज निरीक्षण अधिकारी द्वारा निरुद्ध किए जाएंगे।

(3) जिस समय नियम 10 (2) के उपबन्धों के अधीन किए गए वजन या नियम 10 (1) के उपबन्धों के अधीन किए गए परीक्षण तथा नियम 26 (2) के अधीन किए गए निरीक्षण के दौरान पोपी स्ट्रा या अफीम की किसी मात्रा, पास में विनिर्दिष्ट मात्रा और किसी पार्सल या पैकेज में अन्तर्विष्ट वास्तविक मात्रा जिसमें पास सम्बन्धित हो, क बीच, कोई कमी पाई जाती है, ऐसी दशा में सूख जाने के कारण हुई कमी के लिए घटाव की ओर ऐसी छूट दी जाएगी जो समय-समय पर इस निमित्त आवकारी आयुक्त द्वारा निर्धारित की जाए।

27. पोपी स्ट्रा या अफीम की रेल द्वारा अभिवहन के दौरान अभिग्रहण.—रेल द्वारा अभिवहन के दौरान पोपी स्ट्रा या अफीम का कोई प्रेषण जो इन नियमों के अधीन, जारी किए गए पास के अन्तर्गत नहीं आता है या पोपी स्ट्रा या अफीम सम्बन्धी तत्समय प्रवृत्त किन्हीं अन्य नियम या विधि के अनुसार उसका परिवहन नहीं किया जा रहा है, तो यथा-स्थिति रेलवे पुलिस या आवकारी अधिकारी द्वारा ऐसे प्रेषण का अभिग्रहण या उसे निरुद्ध किया जायेगा।

28. परमिट की अवधि.—कोई भी परमिट इस अध्याय के उपबन्धों के अधीन उसके प्रारम्भ होने की तारीख से आगामी 31 मार्च की कालावधि से परे के लिए, प्रदान नहीं किया जायेगा।

अध्याय-3

[अधिनियम की धारा 10(1)(ए)(II) और 10(2) के अधीन विहित नियम]

कैनविस पौधों की खेती और कैनविस (चर्स को छोड़कर) का उत्पादन विनिर्माण, कब्जा, परिवहन, अन्तर-राज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक, निर्यात, विक्रय, क्रय, उपभोग या प्रयोग।

29. कैनविस पौधे की खेती.—कैनविस पौधे की खेती, अधिनियम में यथा उपबन्धित, ऐसे निर्वन्धनों एवं शर्तों के अध्यधीन ऐसे क्षेत्रों में की जायेगी जिन्हें सरकार समय-समय पर इस निमित्त जारी किए गए आदेशों द्वारा विनिर्दिष्ट करें।

30. कैनविस का उत्पादन और विनिर्माण.—कैनविस (चर्स को छोड़कर) का उत्पादन एवं विनिर्माण समय-समय पर इस निमित्त सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अध्यधीन होगा।

31. गांजा के अन्तरराज्यिक आयात या अन्तरराज्यिक निर्यात, कब्जा आदि का प्रतिषेध.—इन नियमों के नियम 30 के अधीन सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के सिवाय किसी व्यक्ति द्वारा गांजे का हिमाचल प्रदेश में आयात तथा उससे बाहर निर्यात, कब्जा, परिवहन, विक्रय, उपभोग या प्रयोग प्रतिषेध है।

32. चर्स का अन्तरराज्यिक आयात या अन्तरराज्यिक निर्यात आदि का प्रतिषेध.—किसी व्यक्ति द्वारा, चर्स या इसकी विनिर्मित या अधिमिश्रण का, हिमाचल प्रदेश में आयात तथा उसे बाहर निर्यात, कब्जा, परिवहन, विक्रय, क्रय, उपभोग अथवा प्रयोग प्रतिषेध है।

33. चर्स और गांजा को छोड़ कर कैनविस को कब्जे, परिवहन आदि.—कैनविस (चर्स और गांजा को छोड़कर) के कब्जे, परिवहन, अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात, विक्रय, क्रय, उपभोग अथवा प्रयोग के

प्रयोजनों के लिए मांग से सम्बन्धित पंजाब एक्साईज ऐक्ट, 1914 (1914 का 1) के अधीन समय-समय पर बनाए गए नियम तथा जारी किए गए आदेश, यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

अध्याय-4

[अधिनियम की धारा 10(1)(ए)(5) के अधीन विहित नियम]

निर्मित अफीम तथा कोका पत्ते के सिवाय विनिर्मित औषधियों तथा किसी निर्मित जिसमें विनिर्मित औषधि हो, का कब्जा, परिवहन, क्रय, विक्रय, अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात, प्रयोग या उपभोग

34. विनिर्मित औषधियों का कब्जा.—कोई भी व्यक्ति औषधीय प्रयोग के लिए, औषधीय कानवस या औषधीय अफीम की ऐसी मात्रा को जो उसे अनुज्ञप्त औषधी विक्रेता द्वारा बेची जाए, अपने कब्जे में रख सकगा। वह (निर्मित अफीम के सिवाय) अन्य विनिर्मित औषधियों की ऐसी मात्राओं को भी अपने कब्जे में रख सकगा जो उसे, इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार उसके प्रयोग के लिए एक समय पर योजित की गई है और बची गई है।

35. विधिमान्य रूप में कब्जाधीन विनिर्मित औषधियों का आयात तथा परिवहन.—(1) इन नियमों के उपबन्धों के अधीन, कोई भी व्यक्ति विनिर्मित औषधियों की ऐसी मात्राओं का, जिनको वह इन नियमों के अधीन विधिमान्य रूप में अग्न कब्जे में रख सकता है, अन्तरराज्यिक आयात तथा परिवहन कर सकगा।

(2) उप-नियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, कोई भी व्यक्ति निर्मित अफीम की किसी भी मात्रा का जो अन्तरराज्यिक आयात या परिवहन नहीं करेगा।

36. कोका पत्तों के कब्जे आदि का प्रतिषेध.—अधिनियम की धारा 9 और उसके अधीन बनाए गये नियमों के उपबन्धों के अध्याधीन, हिमाचल प्रदेश में कोका पत्तों का कब्जा, परिवहन, क्रय, विक्रय, अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात, प्रयोग का उपभोग प्रतिषिद्ध है।

37. विनिर्मित औषधियों के आयात, निर्यात या परिवहन पर निर्वन्धन.—आवकारी आयुक्त के आदेश द्वारा प्राधिकृत इस निमित्त कोई व्यक्ति निर्मित अफीम के सिवाय, विनिर्मित औषधियों की ऐसी मात्रा और ऐसी रीति में जो उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए, का अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात अथवा परिवहन कर सकगा।

(2) कोई भी व्यक्ति जिसे, निर्मित अफीम के सिवाय, विनिर्मित औषधियों के, अन्तरराज्यिक, निर्यात, अन्तरराज्यिक आयात अथवा परिवहन के लिए इन नियमों के अधीन पास प्रदान किया गया हो, वह इन औषधियों की ऐसी मात्राओं का, ऐसी रीति से जो पास में विनिर्दिष्ट की जाए अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात अथवा परिवहन कर सकगा।

(3) प्रत्येक व्यक्ति निर्मित अफीम के सिवाय, विनिर्मित औषधियों का, अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात या परिवहन करते हुए ऐसे साधारण या विशेष निदेशों का पालन करगा जो आवकारी आयुक्त द्वारा दिये जाएं।

38. डाक द्वारा या बैंक के माध्यम से आयात आदि पर प्रतिषेध.—नियम 39 में यथा अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, इन नियमों की कोई भी बात, डाक द्वारा या बैंक के माध्यम से विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात या परिवहन, को अनुज्ञप्त करने वाली नहीं समझी जायेगी।

39. सरकार द्वारा या उसकी ओर से विनिर्मित औषधियों का आयात आदि.—इन नियमों में किसी भी बात के होते हुए भी निर्मित अफीम के सिवाय, सरकार द्वारा या उसकी ओर से विनिर्मित औषधियों का अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात या परिवहन, निर्वन्धनों के बिना किया जा सकगा ;

परन्तु डाक द्वारा अभिवहन की स्थिति में, अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात या परिवहन निम्न-लिखित निर्बंधनों के अध्वधीन होगा अर्थात्:—

(क) केवल पार्सल डाक का प्रयोग किया जा सकेगा।

(ख) पार्सल के साथ घोषणा-पत्र लगाया जाएगा जिसमें प्रेषित तथा प्रेषक का नाम या पदनाम, विस्तृत रूप में पार्सल की अन्तर्वस्तु तथा सव्यवहार को आवंटित करने वाले इन्डेंट संख्या और तारीख दर्शाते की जाएगी।

(ग) प्रेषित अपनी लेखा पुस्तिकाओं में प्रेषक का नाम या पदनाम तथा समय-समय पर डाक द्वारा उसे भेजी गई औषधियों की मात्रा स्पष्ट रूप में दर्शित करेगा।

40. कृतिपय निर्मितियों या स्वापक पदार्थों का कब्जा आदि जिन्हें विनिर्मित औषधियों घोषित नहीं किया गया है.—समस्त विनिर्मितियों जिनमें 0.2 प्रतिशत से अधिक मारफीन या कोई डायसिटल मारफीन या 0.1 प्रतिशत कोकाइन न हो और कोई स्वापक पदार्थ या निर्मित जिन्हें किसी अन्तरराष्ट्रीय कन्वेंशन के अधीन निष्कर्ष के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार द्वारा, शासकीय राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्मित औषधियों न घोषित किया गया हो, उनका अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात, परिवहन, कब्जा, क्रय, विक्रय, उपयोग या प्रयोग बिना निर्बंधन के किया जा सकेगा।

41. अनुज्ञप्त रसायनज्ञ द्वारा, कोडीयन, डायोनीयन आदि का सीमित कब्जा आदि.—स्वापक औषधियों के विभिन्न विनिर्मितियों में प्रसंस्करण के लिए अशिक्षित सुविधाएं रखने वाले अनुज्ञप्त रसायनज्ञ द्वारा कोडीयन, डायोनीयन और उनके अपने-अपने लवणों के अन्तरराज्यिक आयात, अन्तरराज्यिक निर्यात, परिवहन, कब्जा या विक्रय के लिए इन नियमों के उपबन्ध तब तक लागू नहीं होंगे जब तक कि किसी एक समय पर, सव्यवहार या कब्जे में अन्तर्वर्तित मात्रा, 500 ग्राम से अधिक न हो।

42. परमिट के लिए आवेदनों का प्ररूप.—निर्मित अफीम के सिवाय, विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक आयात या परिवहन के लिए सभी आवेदन, प्ररूप-विनिर्मित औषधि-I में होंगे।

43. विनिर्मित औषधियों के आयात और परिवहन के लिए अनुज्ञप्त रसायनज्ञ को परमिट प्रदान करना.—उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, या जिले का प्रभारी आबकारी अधिकारी जिसे उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त अपने विवेक से, आदेश द्वारा प्राधिकृत करें, निर्मित अफीम के सिवाय, विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक आयात तथा परिवहन के लिए, अनुज्ञप्त औषधि विक्रेता या अनुज्ञप्त रसायनज्ञ को, ऐसी मात्रा से अनधिक जिसे वे अपने कब्जे में रखने के लिए हकदार हैं, के लिए प्ररूप-I, विनिर्मित-औषधि-II में परमिट प्रदान कर सकेगा।

44. विनिर्मित औषधियों के निर्यात तथा परिवहन के लिए, अनुज्ञप्त औषधि विक्रेता या रसायनज्ञ को पास प्रदान करना.—उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, या जिले का प्रभारी आबकारी जिस उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त अपने विवेक से, आदेश द्वारा प्राधिकृत करें, निर्मित अफीम के सिवाय, विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक निर्यात, तथा परिवहन के लिए, अनुज्ञप्त औषधि विक्रेता या अनुज्ञप्त रसायनज्ञ को, ऐसी मात्रा से अनधिक जिसे वे अपने कब्जे में रखने के लिए हकदार हैं, के लिए क्रमशः प्ररूप-विनिर्मित-औषधि-III तथा विनिर्मित औषधि-4 में पास प्रदान कर सकेगा।

परन्तु निर्यात तथा परिवहन पास, गन्तव्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित परमिट प्रस्तुत किए बिना, प्रदान नहीं किये जाएंगे :

स्वष्टीकरण.—राज्य में मुख्य चिकित्सा अधिकारी या सिविल पशु चिकित्सा विभागाध्यक्ष द्वारा, अफीम व्युत्पादों या कोका व्युत्पादों के लिए प्रतिहस्ताक्षरित इन्डेंट, इस नियम के प्रयोजन के लिए परमिट समझा जाएगा तथा उसका और प्रतिहस्ताक्षरित किया जाना अपेक्षित नहीं होगा।

4.5. चिकित्सा व्यवसायियों द्वारा विनिर्मित औषधियों का कब्जा.—1. चिकित्सा व्यवसायी, निमित्त अफीम क सिवाय, अपने व्यवसाय के उपयोग के लिए, किन्तु विक्रय के प्रयोजनार्थ नहीं, विनिर्मित औषधियों की निम्नलिखित मात्राएँ कब्जे में रख सकेगा अर्थात्:—

(1) मारफिन (सभी रूप में)	2 ग्राम
(2) कोडीयन (सभी रूप में)	2 ग्राम
(3) कोकायन (सभी रूप में)	2 ग्राम
(4) मेथाडीन (सभी रूप में)	1 ग्राम
(5) पेथीडीन (सभी रूप में)	2 ग्राम
(6) अफीम	30 ग्राम
(7) अन्य विनिर्मित औषधियों	100 औंसत खुराकों के समतुल्य मात्रा जो समय-समय पर नियन्त्रक औषध (भारत) द्वारा निर्यात की जाये :

परन्तु स्वदेशी चिकित्सा पद्धति का चिकित्सा व्यवसायी केवल उन्हीं विनिर्मित औषधियों को कब्जे में रख सकेगा जो स्वदेशी चिकित्सा पद्धति में सम्मिलित हैं :

परन्तु यह और कि उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त आवकारी आयुक्त के पूर्व अनुमोदन से ऐसे व्यवसायी को, यथापूर्वोक्त से अधिकतर मात्रा को अपने कब्जे में रखने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण.—(क) पद “अपने व्यवसाय में उपयोग के लिए” के अन्तर्गत केवल, चिकित्सा व्यवसायी द्वारा या उसकी उपस्थिति में, इंजेक्शन, शल्य आपरेशनों में या अन्य आधुनिक मामलों में औषधियों का वास्तविक सीधा दिया जाना ।

(ख) चिकित्सा व्यवसायी द्वारा उसके औषधालय से विनिर्मित औषधियों के सभी अन्य निगम विक्रय माने जायेंगे ।

2. (1) कोई चिकित्सा व्यवसायी जो उप-नियम (1) के अधीन अनुज्ञप्ति के बिना विनिर्मित औषधियों को कब्जे में रखने के लिए अनुमत हो, अपना प्रदाय केवल अनुज्ञप्त रसायन या औषध-विक्रेता से ही प्राप्त करेगा और प्रत्येक औषधि की प्राप्ति और उसके व्यय को भी दर्शाने वाला रजिस्टर रखेगा । रजिस्टर प्ररूप, विनिर्मित औषधि-8 में होगा ।

(2) प्रत्येक विनिर्मित औषधि या निमित्त के लिए पृथक रजिस्टर रखा जाएगा या रजिस्टर का एक पृथक भाग आवंटित किया जाएगा ।

(3) रजिस्टर में प्रतिष्ठित उसी दिन अवश्य की जाएगी जिस दिन विनिर्मित औषधि प्राप्त की जाती है या दी जाती है । यह आवश्यक नहीं है कि चिकित्सा व्यवसायी, उसके द्वारा या उसके पर्यवेक्षणाधीन दी गई विनिर्मित औषधियों का विवरण रजिस्टर में वैयक्तिक रूप में दर्ज करें । किन्तु प्रतिष्ठित प्रविष्टि की तारीख को या उसके अगल दिन अवश्य सत्यापित की जाएगी जब कोई चिकित्सा व्यवसायी एक से अधिक परिसरों में व्यवसाय करता है तो प्रत्येक परिसर में रखी गई विनिर्मित औषधियों का एक पृथक लेखा रखा जाएगा ।

(4) प्रत्येक की आने वाली प्रविष्टि और ऐसी प्रविष्टि में की जाने वाली प्रत्येक शुद्धि अवश्यमेव स्याही में ही की जायेगी और रजिस्टर में की गई किसी प्रविष्टि की रद्दीकरण अभिलोप या परिवर्तन नहीं किया जाएगा और किसी प्रविष्टि में की गई कोई भी शुद्धि अवश्यमेव हाशिया टिप्पणी या पाद टिप्पणी द्वारा की जाएगी जो उस तारीख को अवश्य विनिर्दिष्ट करेगी जिसको वह शुद्धि की गई है ।

(5) चिकित्सा व्यवसायी के कब्जे में विनिर्मित औषधियों का स्टॉक और उससे सम्बन्धित लेखा, स्वास्थ्य विभाग के ऐसे अधिकारी जो मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद की पंक्ति के नीचे का न हो, तथा आवकारी अधिकारी जो निरीक्षक से नीचे की पंक्ति का न हो, के निरीक्षणार्थ खूना रहगा। उप आवकारी एवं कराधान आयुक्त द्वारा यदि अपेक्षित हो, तो चिकित्सा व्यवसायी विनिर्मित औषधियों में व्यवहार सम्बन्धी ऐसी सूचना जो उससे मांगी जाए, प्रस्तुत करगा।

(6) यदि चिकित्सा व्यवसायी द्वारा, विनिर्मित औषधियों के परिदान के लिए संदेश वाहक भेजा जाता है तो ऐसे संदेश वाहक को उक्त व्यवसायी द्वारा, उसकी ओर से औषधियों को प्राप्त करने के लिए संदेश वाहक का नाम विनिर्दिष्ट करते हुए हस्ताक्षरित लिखित प्राधिकार दिया जाएगा। किसी भी अनुज्ञप्त रसायनज्ञ और औषध विक्रेता द्वारा ऐसे संदेश वाहक को जो उक्त रूप में प्राधिकृत न हो, औषधियों के परिदान की मनाही है। आगत मामलों में जब चिकित्सा व्यवसायी, हस्ताक्षरित आदेश भेजने में असमर्थ हो, तो उक्त अनुज्ञप्तिधारी, उस चिकित्सा व्यवसायी, जो उससे परिचित हो, के मौखिक संदेश पर कार्यवाई कर सकेगा वशत कि औषधियों के परिदान पर वह चिकित्सा व्यवसायी से एक हस्ताक्षरित आदेश प्राप्त करता है अथवा उससे वचन लेता है कि हस्ताक्षरित आदेश चौबीस घंटों के भीतर प्रस्तुत कर दिया जाएगा।

(7) चिकित्सा अधिकारी औषधियों को ताले में बन्द रखेगा। जिसकी चाबी अपने पास रखेगा।

(8) रोगी के निवास स्थान को, औषधियां ले जाते समय चिकित्सा व्यवसायी, विनिर्मित औषधियों की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए पूर्ण सतर्कताएं बरतगा। विनिर्मित औषधियों की चोरी एवं नुकसानों के बारे में सूचना तुरन्त मूलभूत निकटतम आवकारी या पुलिस पदधारी को देगा।

(9) सभी अभिलेख जिनके अन्तर्गत रजिस्टर और दैनिक पंजी भी है, उनमें अन्तिम प्रतिष्ठि की तारीख से दो वर्ष से अन्यून अवधि के लिए अवश्य रखे जाएंगे।

3. चिकित्सा व्यवसायी जो, निर्मित अफीम के सिवाय, विनिर्मित औषधियों को अपने व्यवसाय में उपयोग के लिए किन्तु विक्रय के लिए नहीं, अपने कब्जे में रखना चाहता है या रोगी को देना चाहता है अपने आप को, सम्बन्धित जिले के प्रभारी सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त अथवा आवकारी एवं कराधान अधिकारी को आवदन करने पर, रजिस्ट्रीत करवायेगा। ऐसे रजिस्ट्रीकरण का पूरा विवरण प्ररूप विनिर्मित औषधि-IV में रखे गए रजिस्टर में रखा जाएगा। ऐसे रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई फीस प्रभारित नहीं की जाएगी। जिले के प्रभारी सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त अथवा आवकारी एवं कराधान अधिकारी, चिकित्सा व्यवसायी क रजिस्ट्रीकरण की तुरन्त पश्चात्, उसे "रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र" "प्ररूप" विनिर्मित औषधि-10 में जारी करेगा, जिसे वह किसी भी आवकारी अधिकारी द्वारा मांग करने पर निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा।

46. (1) चिकित्सा व्यवसायी द्वारा विनिर्मित औषधियों का मिलाया जाना.—(1) चिकित्सा व्यवसायी, अपने चिकित्सा व्यवसाय में उपयोग के लिए उन विनिर्मित औषधियों को मिला सकेगा जिनको वह विधिमान्य रूप में कब्जे में रखन के लिए हकदार है और जो उसके व्यवसायों में उपयोग के लिए उपेक्षित है।

(2) चिकित्सा व्यवसायी को किन्हीं विनिर्मित औषधियों को वितरित करना और बेचना चाहता हो, उसे इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्ति अवश्य प्राप्त करनी होगी।

(3) औषधियों को देशी पद्धति का चिकित्सा व्यवसायी केवल वही विनिर्मित औषधियां वितरित कर सकेगा जो औषधियों की देशी पद्धति में सम्मिलित हो।

47. चिकित्सा व्यवसायी द्वारा विनिर्मित औषधियों का आयात और परिवहन.—(1) चिकित्सा व्यवसायी, निर्मित अफीम के सिवाय, विनिर्मित औषधियों की उन मात्राओं का अन्तरराज्यिक आयात और परिवहन कर सकेगा जिन्हें वह विधिमान्य रूप से कब्जे में रख सकता हो, इसके सिवाय कोई भी चिकित्सा व्यवसायी हिमाचल प्रदेश के बाहर से कोका व्युत्पाद का आयात नहीं कर सकेगा। विनिर्मित औषधियों का डाक द्वारा आयात पूर्ण रूप से प्रतिषिद्ध है।

(2) उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, साधारण या विशेष आदेश द्वारा, अस्पताल या औषधालय के प्रबन्ध या पर्यवेक्षण में रत चिकित्सा व्यवसायी को, निमित्त अफीम के सिवाए विनिर्मित औषधियों की ऐसी मात्राओं के और ऐसी रीति में जो उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए अन्तरराज्य औषधि परिवहन के लिए, प्राधिकृत कर सकेगा।

(3) उप-नियम (2) के अधीन प्राधिकृत व्यवसायी, निमित्त अफीम के सिवाए, विनिर्मित औषधियों की अपनी वार्षिक अपेक्षाओं को दर्शाते हुए आवेदन, सिविल अस्पताल या औषधालयों की दशा में, निदेशक स्वास्थ्य सेवायें हिमाचल प्रदेश को, सैनिक अस्पतालों की दशा में, सैनिक अस्पतालों के प्रभारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को और पशु चिकित्सालय की दशा में, निदेशक पशुपालन हिमाचल प्रदेश, को करेगा जो इस आवेदन को अपनी सिफारिश सहित उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त को अग्रेषित करेगा।

(4) उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त तब मामले को आबकारी आयुक्त को निर्दिष्ट करेगा जो वर्ष के दौरान निमित्त अफीम के सिवाए, विनिर्मित औषधियों की विनिर्दिष्ट मात्रा को कब्जे में रखने के लिए व्यवसायी को प्राधिकृत करने के लिए आवश्यक मंजूरी जारी करेगा।

(5) मंजूरी की प्राप्ति पर, चिकित्सा व्यवसायी, निमित्त अफीम के सिवाए समय-समय पर उसमें विनिर्दिष्ट विनिर्मित औषधियों की सीमाओं तक अपनी अपेक्षाएं प्राप्त करेगा, किन्तु यदि किसी समय विनिर्दिष्ट मात्रा से उसकी अपेक्षाएं बढ़नी सम्भाव्य हैं तो वह उप-नियम (3) वर्जित रीति में अतिरिक्त मात्रा के लिए आवेदन करेगा। वार्षिक इन्डेंट उसी फर्म से प्राप्त किया जाएगा जिससे प्रथम उपेक्षा प्राप्त की गई है, और जांच को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रत्येक प्राप्ति एवं निर्गम प्ररूप विनिर्मित औषधि-8 में रखे रजिस्टर में अंकित किया जायेगा।

48. चिकित्सा व्यवसायी को परमिट प्रदान करना.—उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, या जिले का प्रभारी आबकारी अधिकारी जिससे उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त अपने विवेक से आदेश द्वारा प्राधिकृत करें, चिकित्सा व्यवसायी को, औषधीय कैनबिस, औषधीय अफीम और अफीम व्युत्पाद के अन्तरराज्यिक आयात या परिवहन के लिए, प्ररूप विनिर्मित-औषधि-II में परमिट प्रदान कर सकेगा।

49. औषध विक्रेता को अनुज्ञप्ति प्रदान करना और उसकी शर्तें.—(1) आबकारी आयुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त विशेष रूप में सशक्त कोई अन्य अधिकारी, राज्य औषध नियन्त्रक हिमाचल प्रदेश को सिफारिशों पर किसी व्यक्ति को, प्ररूप विनिर्मित औषधि-5 में 200 रुपये की फीस के संदाय पर और इस नियम के, उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधधीन, औषध-विक्रेता की अनुज्ञप्ति प्रदान कर सकेगा।

परन्तु प्ररूप विनिर्मित औषधि-5 में कोई भी अनुज्ञप्ति ऐसे व्यक्ति को प्रदान नहीं की जायेगी जो औषध अधिनियम, 1940 (1940 का 23) के अधीन बनाए गए औषध नियम, 1945 के अन्तर्गत अपक्षित अनुज्ञप्ति न रखता हो।

(2) प्ररूप विनिर्मित औषधि-5 में औषध विक्रेता की अनुज्ञप्ति निम्नलिखित शर्तों के अधधीन रहते हुए प्रदान की जाएगी अर्थात:—

(1) अनुज्ञप्तिधारी अधिनियम तथा इन नियमों और अधिनियम के अधधीन समय-समय पर बनाए जाने वाले किन्हीं अन्य नियमों के उपबन्धों द्वारा आबद्ध होगा।

(2) अनुज्ञप्तिधारी, अपने कारोबार को चलाने के लिए नियोजित प्रत्येक व्यक्ति और नौकरों के कार्यों तथा चूकों के लिए ऐसे ही उत्तरदायी होगा मानों कि यह कार्य और चूकें उसने स्वयं की हो।

(3) अनुज्ञप्तिधारी, फार्मोसी ऐक्ट, 1948 (1948 का 7) के अधधीन रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी

या औषध वितरक के सिवाए किसी निमित्त औषधि को चिकित्सा व्यवसायी या जिसके विक्रय के लिए वह प्राधिकृत है, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वितरित करने या व्यवहृत करने की अनुमति नहीं देगा।

- (4) अनुज्ञप्तिधारी केवल औषधीय प्रयोजनों के लिए ही निम्नलिखित औषधियों के विक्रय के लिए प्राधिकृत होगा,—

- (क) औषधीय कैनविस,
- (ख) औषधीय अफीम, और
- (ग) निमित्तियाँ, जिनमें औषधीय कैनविस या औषधीय अफीम अन्तर्विष्ट हों।

- (5) अनुज्ञप्तिधारी, ऐसी मात्रा से अधिक जो उसकी अनुज्ञप्ति में दर्शित हो, किसी औषधीय कैनविस, औषधीय अफीम को अपने कब्जे में नहीं रखेगा तथा उन्हें अनुज्ञप्ति में वर्णित परिसरों के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान में नहीं रखेगा। वह अफीम की ऐसी मात्रा को भी अपने कब्जे में रख सकेगा जो उसकी अनुज्ञप्ति में, औषधीय अफीम के विनिर्माण के लिए विनिर्दिष्ट की गई है।

- (6) अनुज्ञप्तिधारी, उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त या आबकारी आयुक्त द्वारा इस निमित्त सशक्त किसी अन्य अधिकारी से प्ररूप-विनिर्मित औषधि-II में परमिट प्राप्त करने के पश्चात् अपने प्रदाय या तो हिमाचल प्रदेश में अनुज्ञप्त विक्रेता से या किसी अन्य राज्य में अनुज्ञप्त विक्रेता से आयात द्वारा प्राप्त करेगा। उक्त अनुज्ञप्तिधारी को प्रदाय का आयात डाक द्वारा पूर्णतः प्रतिषिद्ध है।

- (7) अनुज्ञप्तिधारी, ऐसी सामग्रियों से, जिन्हें वह कब्जे में रखने के लिए विधिमान्य रूप में हकदार है, औषधीय अफीम का विनिर्माण करने तथा औषधीय कैनविस या औषधीय अफीम रखने वाली किसी निमित्त का योग करने, के लिए प्राधिकृत है।

- (8) अनुज्ञप्तिधारी सभी संव्यवहारों का सही लेखा तैयार रखेगा और ऐसे लेख में प्रत्येक प्राप्ति के विषय में, प्रदाय का स्रोत तथा प्राप्त मात्रा और निर्गमों के विषय में प्रतिदिन निर्गमित मात्रा, मूल औषध पत्र जिन पर यह निर्गमित किए गए हैं उन व्यक्तियों से रसीदें जिनकी औषध पत्रों के अतिरिक्त निर्गम किए गए थे, दर्शित होंगे ऐसे लेखा उसमें अन्तिम प्रविष्टि की तारीख से 2 वर्ष से अन्यून अवधि के लिए परिरक्षित रखा जाएगा और यह लेखा किसी भी आबकारी अधिकारी द्वारा, जो अनुज्ञप्त परिसरों का निरीक्षण करता है हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए।

- (9) औषधियों को रखने वाले किसी भी पैकेज या बोतल पर विक्रय से पूर्व उनमें रखी गई औषधियों की मात्रा अंकित की जाएगी।

- (10) औषधियाँ रखने वाली निमित्त अधिमिश्रण सत या अन्य पदार्थ—

(क) पाउडर, घोल या विलेय की स्थिति में पैकेज या बोतल में उनकी कुल मात्रा सहित तथा पाउडर, घोल या विलेय में औषधियों की प्रतिशतता; और

(ख) टेबलेट या अन्य वस्तुओं की स्थिति में, प्रत्येक वस्तु में औषधियों की मात्रा सहित और पैकेज या बोतल में वस्तुओं की संख्या केवल साफ रूप में चिह्नित पैकेज या बोतल में ही बेचे जाएंगे।

- (11) शुद्ध अफीम, औषधीय कैनविस तथा औषधीय अफीम के समस्त स्टॉक तथा समस्त लेख और अनुज्ञप्ति के अधीन संव्यवहार के अभिलेख आबकारी एवं कराधान के किसी अधिकारी द्वारा जो निरीक्षक से नीचे की पंक्ति का न हो तथा औषध नियंत्रण विभाग हिमाचल प्रदेश के किसी अधिकारी द्वारा जो औषध निरीक्षक से नीचे की पंक्ति का न हो, निरीक्षणार्थ खुले रहेंगे।

- (12) अनुज्ञप्तिधारी, आबकारी आयुक्त या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी की मांग पर अपनी अनुज्ञप्ति को, संशोधन के लिए या नई अनुज्ञप्ति जारी किये जाने के लिए, उनको देगा।
- (13) अनुज्ञप्तिधारी, प्रत्येक तिमाही के प्रथम दिन को गत तिमाही के दौरान उसके द्वारा प्राप्त अफीम, औषधीय कैनविस, औषधीय अफीम तथा उसके कब्जे में शेष मात्रा को दर्शाते हुए शुद्ध तिमाही विवरणी, सम्बन्धित जिले के प्रभारी सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त/आबकारी एवं कराधान आयुक्त। आबकारी एवं कराधान अधिकारी तथा औषध नियन्त्रण विभाग हिमाचल प्रदेश के औषध निरीक्षक को प्रस्तुत करेगा।
- (14) यदि अनुज्ञप्ति की समाप्ति या उसके रद्द किए जाने पर, अफीम, औषधीय कैनविस, औषधीय अफीम का कोई स्टॉक अनुज्ञप्तिधारी के कब्जे में शेष रह जाता हो, तो वह ऐसे स्टॉकों को तुरन्त, उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त को या ऐसे अन्य प्राधिकृत अधिकारी को जो इस निमित्त आबकारी आयुक्त द्वारा प्राधिकृत किया जाए, अर्पित करेगा। यदि उक्त स्टॉकों का कोई प्रभाग, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मानवीय उपभोग के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया जाता है तो उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त ऐसे प्रभाग को तुरन्त नष्ट करवा देगा और अनुज्ञप्तिधारी, औषधियों के ऐसे प्रभाग के नाशकरण से हुई क्षति के लिए किसी प्रकार का दावा करने के लिए हकदार नहीं होगा।
- (15) यदि औषधियों का कोई प्रभाग मानवीय उपभोग के लिए उपयुक्त है, तो उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, ऐसी अफीम, औषधीय कैनविस, या औषधीय अफीम की कोई मात्रा, जो ऐसी मात्रा से अधिक न हो जिसे अन्तरिति द्वारा दो मास के भीतर बेचा जाना संभाव्य है, आगन्ता औषध विक्रेता को, जो पूर्ववर्ती अनुज्ञप्तिधारी का स्थान ले रहा हो, यदि पश्चात् कथित ने ये उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त को अर्पित कर दी हों, या जिले के किसी अन्य अनुज्ञप्त विक्रेता को हस्ताक्षरित करेगा।
- (16) अनुज्ञप्तिधारी, उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त से, अफीम औषधीय कैनविस और औषधीय अफीम के किसी प्रभाग को जो उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त की राय में दो मास के प्रदाय से अधिक न हो, ऐसे मूल्य पर जो उसके द्वारा अवधारित किया जाए, स्वीकार करने के लिए आबद्ध होगा। कोमत पूर्ववर्ती अनुज्ञप्तिधारी को संदत्त की जाएगी यदि उसने विषयगत औषधियां उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त को अर्पित कर दी हों; और
- (17) अनुज्ञप्त औषध-विक्रेता, औषधीय कैनविस और औषधीय अफीम की मात्रा का, जो उसकी अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट की जाए, अन्तरराज्यिक आयात या अन्तरराज्यिक निर्यात या परिवहन कर सकेगा।
- (3) (I) आबकारी आयुक्त, प्रत्येक अनुज्ञप्ति के बारे में, औषधीय कैनविस या औषधीय अफीम की अधिकतम मात्रा, जिसे अनुज्ञप्तिधारी एक समय पर बेचने या औषधी या अफीम के विनिर्माण के लिए अपने कब्जे में रख सकेगा, नियत करेगा और उसे अनुज्ञप्ति में अभिलिखित करेगा।
- (II) अनुज्ञप्त औषध-विक्रेता, उसकी अनुज्ञप्ति की शर्तों के अधीन रहते हुए, औषधीय कैनविस या औषधीय अफीम, केवल औषधीय प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को बेच सकेगा : —
- (क) चिकित्सा व्यवसायी, जो या तो अनुज्ञप्त औषध विक्रेता से परिचित है या जिसका परिचय अनुज्ञप्तिधारी से परिचित किसी व्यक्ति द्वारा करवाया गया है, और वह या तो व्यक्तिगत रूप में रजिस्टर को हस्ताक्षरित करता है, या अपना नाम, पता और अपेक्षित वस्तु का नाम एवं मात्रा को दर्शाते हुए, लिखित या हस्ताक्षरित आदेश भेजता है। पश्चात् कथित स्थिति में, अनुज्ञप्तिधारी, हस्ताक्षरों और अर्हताओं की विशुद्धता के बारे में अपनी संतुष्टि अवश्य करेगा वास्तविक आपात स्थिति में अनुज्ञप्तिधारी, मौखिक संदेश पर कार्रवाई करेगा और औषध भेजेगा बशर्ते कि अनुज्ञप्तिधारी की आदेश की विशुद्धता के बारे में संतुष्टि हो जाती है और वितरण पर वह चिकित्सा व्यवसायी से हस्ताक्षरित आदेश प्राप्त करता है या बचनबन्ध प्राप्त करता है कि हस्ताक्षरित आदेश चौबीस घंटों के भीतर प्रस्तुत करेगा। यदि ऐसा हस्ताक्षरित आदेश चौबीस घंटों के भीतर प्राप्त नहीं होता है तो अनुज्ञप्तिधारी संयवहार का पूर्ण विवरण की सूचना तुरन्त आबकारी अधिकारी को देगा जो आबकारी निरीक्षक से नीचे की पंक्ति का न हो;
- (ख) इन नियमों के अधीन या किसी अन्य राज्य में तत्समय प्रवृत्त किन्हीं नियमों के अधीन अनुज्ञप्त औषध-विक्रेता;
- (ग) इन नियमों के अधीन प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति; और
- (घ) चिकित्सा व्यवसायी का औषध-पत्र रखने वाला कोई व्यक्ति।

(3) ऐसी औषधियों के लिए सभी औषध-पत्र विनिर्मित औषधि-प्ररूप-7 में रखे जाएंगे और अनुज्ञप्तिधारी यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होगा कि औषध-पत्र जिसके प्राधिकार से ऐसी औषधियां बेची जानी हैं, उसी प्ररूप में बनाए जाते हैं।

(4) अनुज्ञप्तिधारी, औषधियों को केवल ऐसी माताओं में और ऐसे व्यक्तियों के लिए ही बेचेगा जो औषध-पत्र में विनिर्दिष्ट की जाएं।

50. रसायनज्ञ को अनुज्ञप्ति प्रदान करना और उसकी शर्तें.—(1) आबकारी आयुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त विशेष रूप से सशक्त कोई अन्य अधिकारी, राज्य औषध नियन्त्रक, हिमाचल प्रदेश की सफाई पर किसी व्यक्ति को दो सौ रुपये की फीस के संदाय पर, इस नियम के उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, रसायनज्ञ की अनुज्ञप्ति विनिर्मित औषध प्ररूप VI में प्रदान करेगा :

परन्तु प्ररूप विनिर्मित औषधि प्ररूप VI में कोई भी अनुज्ञप्ति ऐसे व्यक्ति को प्रदान नहीं की जाएगी जो औषध अधिनियम 1940, (1940 का 23) के अधीन बनाए गए औषधनियम, 1945 के अन्तर्गत अपेक्षित अनुज्ञप्तियां न रखता हो :

परन्तु यह और कि आबकारी आयुक्त की विशेष मंजूरी के सिवाए, ऐसी अनुज्ञप्ति, रसायनज्ञ को 120 ग्राम से अधिक अफीम व्युत्पाद (अफीम के सिवाए) या 120 ग्राम से अधिक कोका व्युत्पाद की कब्जे में रखने के लिए प्राधिकृत नहीं करेगा।

- (2) विनिर्मित औषधि प्ररूप— में रसायनज्ञ को अनुज्ञप्ति, निम्नलिखित शर्तों पर प्रदान की जाएगी:—
- (1) अनुज्ञप्तिधारी, अधिनियम, और इन नियमों तथा समय-समय पर अधिनियम के अधीन बनाए जाने वाले नियमों के उपबन्धों द्वारा आवद्ध होगा।
- (2) अनुज्ञप्तिधारी, उसके द्वारा, अपना कारोबार चलाने में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति और उसके सभी नौकरों की कार्यवाहियों या चूकों के लिए ऐसे ही उत्तरदायी होगा मानो ये कार्यवाहियां या चूकें उसने स्वयं की हों।
- (3) अनुज्ञप्तिधारी, फारमसी ऐक्ट, 1948 (1948 का 7) के अधीन रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी या औषध वितरक के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किसी विनिर्मित औषधि को जिसे वह बेचने के लिए प्राधिकृत है, वितरित या व्यवहृत करने की अनुमति नहीं देगा।

(4) अनुज्ञप्तिधारी, निम्नलिखित औषधियों को बेचने के लिये प्राधिकृत है :—

- (क) कोका व्युत्पाद,
- (ख) फेनथरीन अलकालॉयड्स (प्रत्येक दिखाई जाए),
- (ग) डायसेटाईल मारफिन (हेरोइन),
- (घ) सभी निमित्तियां जिन में मारफिन की प्रतिशतता 0.2 प्रतिशत से अधिक या जिनमें कोई डायसेटाईल मारफिन हो।
- (ङ) पोपी स्ट्रॉ अनसट्रेट, और कोई अन्य स्वापक पदार्थ या निमित्त जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्मित औषधि घोषित की गई हो।

(5) अनुज्ञप्तिधारी, कोका व्युत्पाद या अफीम व्युत्पाद, जिसे इसके पश्चात् “औषधियां” कहा गया है, अपनी अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट मात्रा, से अधिक मात्रा, अनुज्ञप्ति में वर्णित परिसरों के सिवाय नहीं बेचेगा या नहीं रखेगा।

(6) अनुज्ञप्तिधारी, उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त से विनिर्मित औषधि प्ररूप-II में परमिट प्राप्त करने के पश्चात् अपने प्रदाय या तो हिमाचल प्रदेश में अनुज्ञप्त विक्रेता से या किसी अन्य राज्य में अनुज्ञप्त विक्रेता से आयात द्वारा प्राप्त करेगा। उक्त औषधियों का डाक द्वारा आयात पूर्ण रूप से प्रतिषिद्ध है।

(7) अनुज्ञप्तिधारी, ऐसी सामग्रियों से, जिन्हें वह कब्जे में रखने का विधिमाम्य रूप से हकदार है, किसी विनिर्मित का जिसमें मारफिन, डायसिटाइल मारफिन या कोसीन अन्तर्विष्ट हो योग करने के लिए प्राधिकृत है। वह औषध पत्र में, औषध पत्र देने वाले व्यक्ति, फर्म या निर्गमित निकाय का नाम परिसरों का पता और तारीख जहाँ पर यह दिया गया है, भी दर्ज किया जाएगा।

(8) औषध पत्र के अतिरिक्त, प्रत्येक विक्रय की स्थिति में, अनुज्ञप्तिधारी अपने गंतव्य तक प्रेषण के अन्तराष्ट्रियक आयात या परिवहन के लिए यथास्थिति विनिर्मित औषधि प्ररूप-III में पास प्राप्त करेगा।

(9) अनुज्ञप्तिधारी, सभी संव्यवहारों का सही लेखा रखेगा और ऐसे लेखों में, प्रत्येक प्राप्ति के विषय में, स्रोत का स्वाय तथा प्राप्त मात्रा और निर्गमित मात्रा के प्रत्येक निर्गम के विषय में, उस व्यक्ति का नाम और पता जिसको निर्गम किया गया है, दर्शित करेगा। वह प्राप्तियों के अपने लेखों की पुष्टि में अन्तराष्ट्रियक तिर्याक या परिवहन पास तथा निर्गमों के अपने लेखों के बारे में, औषधियों का मूल औषध पत्र जिस पर उनका निर्गम किया गया है, औषध-पत्र के अतिरिक्त निर्गमों की स्थिति में उस व्यक्ति से प्राप्तियाँ, जिसे निर्गम किए गए थे दायर करेगा।

(10) (क) कोकड्यन, मारफिन, या डायसिटाइल मारफिन, रखने वाली सभी निर्मितियों की दशा में इन निर्मितियों की बोतलों, फाईलें, पैकेज, या इन निर्मितियों के अन्य आधानों तथा उन पर चिपकाए गए लेबल या तो स्पष्टतया प्रत्येक आधान में विद्यमान, औषधियों की वास्तविक मात्रा दर्शित करेंगे, या पर्याप्त विवरण जिनसे, ऐसी मात्रा की गणना स्वतः तात्कालिक सुलभ हो, दर्शित करेंगे।

(ख) औषधियाँ रखने वाले प्रत्येक पैकेज या बोतल पर, विक्रय से पूर्व इनमें रखी गई औषधियों की मात्रा अंकित की जाएगी।

(ग) इन औषधियों की निर्मित अधिमिश्रण, सतत या इन्हें रखने वाला कोई अन्य पदार्थ, केवल पैकेज या बोतल में ही बेचा जाएगा जिन पर स्पष्टतया निम्नलिखित अंकित होगा :—

(क) (क) पाउडर, घोल या विलेप की स्थिति में, पैकेज या बोतल में उनकी कुल मात्रा तथा पाउडर, घोल या विलेप में औषधियों की प्रतिशतता।

(ख) (ख) टिकियों (टेबलायड) या निर्मितियों की इसी प्रकार की अन्य आकृतियों की दशा में, प्रत्येक टिकियाँ या निर्मित की इसी प्रकार की अन्य आकृतियों पर, औषधियों की मात्रा, तथा पैकेज अथवा बोतल में, रखी गई, टिकियों, (टेबलायड) या निर्मित की इसी प्रकार की अन्य आकृतियों, की संख्या।

(11) कोकाइन, मारफिन या डायसिटयल मारफिन तथा उनकी निर्मितियाँ और अनुज्ञप्ति के अधीन सभी लेख और संव्यवहारों के अभिलेख आवकारी, विभाग के किसी अधिकारी द्वारा जो निरीक्षक से नीचे की पंक्ति का न हो तथा औषध नियन्त्रण विभाग के किसी अधिकारी द्वारा जो औषध निरीक्षक से नीचे की पंक्ति का न हो, निरीक्षणार्थ खुले रखे जाएंगे।

(12) अनुज्ञप्तिधारी, आवकारी आयुक्त या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी की मांग पर अपनी अनुज्ञप्ति को संशोधन या नई अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए उनको देगा।

(13) अनुज्ञप्तिधारी, प्रत्येक तिमाही के प्रथम दिन को, यत तिमाही के दौरान उसके द्वारा प्राप्त औषधियों, की मात्रा और बची गई औषधियों की मात्रा और उसके कब्जे में रही औषध मात्रा को दर्शाते हुए शुद्ध, तिमाही विवरणी सम्बन्धित जिले के प्रभारी सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या आवकारी एवं कराधान अधिकारी तथा हिमाचल प्रदेश औषध नियन्त्रक विभाग के औषध निरीक्षक को प्रस्तुत करेगा।

- (14) यदि अनुज्ञप्ति की समाप्ति या उसके रद्द किए जाने पर औपधियों का कोई स्टॉक, अनुज्ञप्तिधारी के कब्जे में शेष रह जाता हो, तो ऐसे स्टॉकों को तुरन्त उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त को अर्पित करेगा। यदि, इन स्टॉकों का कोई प्रभाग, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा, मानवीय उपभोग के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया जाता है, तो उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त ऐसे प्रभाग को तुरन्त नष्ट करवा देगा और अनुज्ञप्तिधारी, औपधियों के ऐसे प्रभाग के नाशकरण में हुई क्षति के लिए, किसी प्रतिकर के दावा का हकदार नहीं होगा।
 - (15) यदि औपधियों का कोई प्रभाग मानवीय उपभोग के लिए उपयुक्त है तो उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त औपधियों की मात्रा, जो ऐसी मात्रा से अधिक न हो जिसे अन्तर्राष्ट्रिय द्वारा, दो मास के भीतर बेचा जाना सम्भाव्य है, आगन्ता अनुज्ञप्त विक्रेता को, जो पूर्ववर्ती अनुज्ञप्तिधारी का स्थान ले रहा हो यदि पश्चात कथित ने उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त को, विपयगत औपधियों, अर्पित कर दी हों, या जिले के किसी अन्य अनुज्ञप्त विक्रेता को, दे देगा।
 - (16) अनुज्ञप्तिधारी, उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त से, औपधियों के किसी प्रभाग को जो उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त की राय में, दो मास के प्रदाय से अधिक न हो, ऐसे मूल्य पर, जो उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त द्वारा अवतारित की जाए, स्वीकार करने के लिए आवद्ध होगा। यह कीमत उस अनुज्ञप्तिधारी का संदत्त की जाएगी जिमने, उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त को, विपयगत औपधियाँ अर्पित कर दी हों।
 - (17) अनुज्ञप्त रसायनज्ञ (निमित्त अफीम के सिवाय) अफीम व्युत्पाद तथा कोका व्युत्पाद को ऐसी मात्रा जो उसकी अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट की जाए, का अन्तरराष्ट्रिय आयात, अन्तरराष्ट्रिय निर्यात या परिवहन कर सकेगा।
- (3) (1) आवकारी आयुक्त प्रत्येक ऐसी अनुज्ञप्ति के बारे में, अफीम व्युत्पाद या कोका व्युत्पाद की अधिकतम मात्रा जिसे अनुज्ञप्तिधारी एक समय पर बेचने या मारफ़ीन, डाएसिटार्डिल मारफ़ीन तथा कोकीन के विनिर्माण या निर्यात के लिए रख सकेगा, नियत करेगा और उसे अनुज्ञप्ति में अभिलिखित करेगा।
- (2) अनुज्ञप्त औषध विक्रेता अपनी अनुज्ञप्ति की शर्तों के अधीन रहते हुए, अफीम व्युत्पाद या कोका व्युत्पाद निम्नलिखित की बेच सकेगा:—
- (क) चिकित्सा व्यवसायी, जो या तो अनुज्ञप्त औषध विक्रेता से परिचित है या जिसका परिचय अनुज्ञप्तिधारी से परिचित किसी व्यक्ति द्वारा करवाया गया है और वह या तो व्यक्तिगत रूप में रजिस्टर हस्ताक्षरित करता है या अपने नाम पता और अपेक्षित वस्तु एवं मात्रा को दर्शाते हुए, लिखित या हस्ताक्षरित आदेश भेजता है। पश्चात कथित स्थिति में, अनुज्ञप्तिधारी चिकित्सा व्यवसायी के हस्ताक्षर और अर्हता की विशुद्धता के बारे में अपनी संतुष्टि अवश्य करेगा। वास्तविक आपात स्थिति में, अनुज्ञप्तिधारी मौखिक संदेश पर कार्यवाही कर सकेगा, और औपधियाँ बेच सकेगा बशर्ते कि अनुज्ञप्तिधारी का आदेश कि विशुद्धता के बारे में संतुष्टि हो जाती है और वितरण पर वह चिकित्सा व्यवसायी से हस्ताक्षरित आदेश प्राप्त करता है या कचनबन्ध प्राप्त करता है कि हस्ताक्षरित आदेश 24 घण्टे के भीतर प्रस्तुत कर दिया जाएगा। यदि ऐसा हस्ताक्षरित आदेश 24 घण्टों के भीतर प्राप्त नहीं होता है तो अनुज्ञप्तिधारी संव्यवहार के पूर्ण विवरण की सूचना आवकारी अधिकारी को तुरन्त देगा जो आवकारी निरीक्षक की पंक्ति के नीचे का नहो।
 - (ख) इन नियमों के या किसी अन्य राज्य में तत्समय प्रवृत्त किन्हीं नियमों के अधीन अनुज्ञप्त रसायनज्ञ,
 - (ग) इन नियमों के अधीन प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति, और
 - (घ) विनिर्मित औषधि प्ररूप में औषध पत्र रखने वाला कोई व्यक्ति निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए:—

(क) (क) अफीम व्युत्पाद या कोका व्युत्पाद की केवल ऐसी मात्रा और ऐसे प्रयोग के लिए बेच सकेगा जो औषध पत्र में विनिर्दिष्ट किया जाए।

(ख) (ख) यदि चिकित्सा व्यवसायी द्वारा औषध पत्र का, यह दर्शाते हुए कि औषध पत्र दोहराया जाना है, और कितने समय के लिए और कितनी बार के लिए दोहराया जाना है, उपरिलेखन किया जाता है, तो ऐसे औषध पत्र पर केवल एक ही बार अफीम व्युत्पाद या कोका व्युत्पाद बेचेगा और औषध-पत्र को अपने पास रखेगा :

परन्तु वह औषध पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति को पहले चेतावनी देगा कि जब तक कि यथा-पूर्वोक्त उपरिलेखन नहीं होता है वह औषध-पत्र को अपने पास रखेगा,

(ग) (ग) यदि औषध-पत्र का यथा-पूर्वोक्त उपरिलेखन कर दिया जाता है तो वह औषध पत्र में विक्रय की तारीख दर्ज करेगा तथा औषध पत्र पर मोहर लगाकर हस्ताक्षर करेगा :

परन्तु यदि यह प्रतीत हो कि अफीम व्युत्पाद का, औषध-पत्र पर छः बार या इतनी बार जिसके लिए औषध पत्र का दोहराया जाना अपेक्षित है, पहले ही विक्रय किया जा चुका है या कि औषध पत्र के पिछली बार दिये जाने पर औषध-पत्र में विनिर्दिष्ट अन्तराल समाप्त नहीं हुआ है, वह ऐसी औषध पत्र पर औषधियां तब तक नहीं बेचेगा जब तक कि इसका चिकित्सा व्यवसायी द्वारा और उपरिलेखन नहीं कर दिया जाता है, और

(घ) (घ) कोई अन्य शर्त जो कि उसकी अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट की जाए।

51. अनुज्ञप्ति, परमिट या पास का प्रदान करना. — (1) इन नियमों के किसी नियम के अधीन अनुज्ञप्ति, परमिट या पास प्रदान करने के लिए सशक्त कोई अधिकारी, स्वविवेकानुसार यथास्थिति या तो आवेदित अनुज्ञप्ति, परमिट या पास प्रदान कर सकेगा या लिखित रूप में आदेश द्वारा ऐसी अनुज्ञप्ति, परमिट या पास को रद्द कर सकेगा।

(2) किसी व्यक्ति को जिसका किसी अनुज्ञप्ति, परमिट या पास के लिए आवेदन अस्वीकृत कर दिया गया हो, उसे ऐसे अस्वीकृति के कारण जानने का अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

52. अनुज्ञप्ति को अवधि. — अनुज्ञप्ति, जारी किए जाने की तारीख से, अगले 31 मार्च तक प्रवृत्त रहेगी, जिस दिन इसका अवसान हो जाएगा यदि उसका नवीकरण न हो।

53. अनुज्ञप्ति का नवीकरण. — (1) अनुज्ञप्ति के लिए प्रत्येक आवेदन, उस वर्ष, जिसके लिए अनुज्ञप्ति अपेक्षित है, के प्रारम्भ से कम से कम दो मास पूर्व सम्बन्धित जिले के, सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या आवकारी एवं कराधान अधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा और ऐसे आवेदन के साथ ऐसी अनुज्ञप्ति के प्रदान करने के लिए विहित फीस के संदाय को दर्शित करने वाला खजाना चालान लगाया जाएगा।

(2) अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए सशक्त अधिकारी, अनुज्ञप्ति का नवीकरण कर सकेगा या आवेदक को, सूचनाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात् उसे बतलाए गए पर्याप्त हेतु पर, अनुज्ञप्ति को नवीकृत करने से इन्कार कर सकेगा।

54. अनुज्ञप्ति या परमिट का प्रतिसंहरण या निलम्बन (1) इन नियमों के अधीन प्रदान की गई कोई अनुज्ञप्ति या परमिट, अनुज्ञापन, प्राधिकारी द्वारा प्रतिसंहरित या निलम्बित किया जा सकेगा यदि अनुज्ञप्तिधारक या उसका द्वारा नियोजित कोई व्यक्ति, अनुज्ञप्ति, की शर्तों या इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है या अधिनियम या औषध अधिनियम, 1940 या आवकारी, राजस्व संबंधी तत्समय प्रवृत्त किसी विधि या भारतीय दण्ड संहिता के अधीन किसी अपराध के लिए सिद्धादोष ठहराया जाता है :

परन्तु अनुज्ञप्ति का ऐसा प्रतिसंहरण या निलम्बन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि अनुज्ञप्ति धारक को, की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध कारण बताने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान नहीं कर दिया जाता

(2) ऐसा प्रत्येक आदेश, लिखित रूप में होगा और निलम्बन अथवा प्रतिसंहरण के कारण विनिर्दिष्ट करेगा और अनुज्ञप्तिधारी को संसूचित किए जाएंगे।

55. अनुज्ञप्ति या परमिट का अन्तर्गामीय होना —(1) इन नियमों के अधीन प्रदान की गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति या परमिट, उसमें निर्मित व्यक्ति की, व्यक्तिगत रूप में प्रदान की गई समझी जाएगी और यह अन्तर्गामीय होगी।

(2) यदि किसी अनुज्ञप्तिधारी या परमिट धारक की अपनी अनुज्ञप्ति या परमिट की अवधि से पूर्व या दौरान मृत्यु हो जाती है तो उसकी अनुज्ञप्ति या परमिट का तुरन्त पर्यवसान हो जाएगा :

परन्तु आवकारी आयुक्त, स्वविवेकानुसार, मृत, अनुज्ञप्ति धारक या परमिट धारक के विधिक प्रतिनिधि के पक्ष में पूर्वोक्त अनुज्ञप्ति या परमिट को प्रवृत्त बने रहने की अनुमति दे सकेगा।

56. निदेश देने की शक्ति. —आवकारी आयुक्त, अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते इन नियमों के उपबन्धों के कार्यान्वयन के प्रयोजनार्थ समय-समय पर ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह उचित समझे।

अध्याय-5

[अधिनियम की धारा 10 (1) VI के अधीन विहित नियम] व्यसनियों द्वारा निर्मित अफीम का विनिर्माण तथा कब्जा

57. निर्मित अफीम का विनिर्माण.—कोई व्यक्ति जो इन नियमों के नियम 5 के अधीन प्ररूप अफीम-I में परमिट प्रदान किए गए परमिट का धारक है निर्मित अफीम के कब्जे सम्बन्धी निम्नलिखित नियम 58 में विहितमात्रा की सीमा के अधीन रहत हुए व्यक्तिगत प्रयोग क लिए किन्तु अन्य प्रयोजन के लिए नहीं, निर्मित अफीम का विनिर्माण कर सकेगा:

वशतें कि ऐसा विनिर्माण अपने व्यक्तिगत उपभोग के लिए उसके द्वारा विधिमान्य रूप से कब्जे में रखी अफीम से किया जाता है।

58. निर्मित अफीम का कब्जा.—कोई व्यक्ति, किसी भी समय एक ग्राम से अधिक निर्मित अफीम की मात्रा या जो मात्रा समय-समय पर आवकारी आयुक्त द्वारा नियत की जाए, अपने कब्जे में रख सकगा।

अध्याय-6

(अधिनियम की धारा 65 के अधीन विहित नियम) अधिहृत वस्तुओं या चीजों का व्ययन और पुरस्कारों का संदाय।

59. अधिहृत वस्तुओं का उपायुक्त को परिदत्त किया जाना.—अधिनियम के उपबन्धों के अधीन अधिहृत सभी वस्तुएं या चीजें, उस जिले के उपायुक्त को परिदत्त की जाएगी जिसमें ऐसे अधिहरण का आदेश पारित किया गया है।

60. अधिहृत अफीम या पोपी स्ट्रा का प्रेषण.—(1) समस्त अधिहृत अफीम या पोपी स्ट्रा, माल गाड़ी द्वारा सरकारी अफीम कारखाना गाजीपुर को भेजी जाएगी, जिसका भाड़ा दो भागों में, प्रत्येक वर्ष के प्रथम जून

तथा प्रथम दिसम्बर को संदत्त किया जाएगा परन्तु भेजी जाने वाली निम्नतम मात्रा यथा संभव 4.670 किलो ग्राम से कम नहीं होगी और जहाँ कम मात्रा प्राप्त है ऐसी दशा में अफीम का प्रेषण वर्ष में केवल एक बार ही किया जाता आवश्यक होगा।

(2) परिवहन और पैकिंग प्रभार का बिल पृथक रूप में, महाप्रबन्धक सरकारी अफीम कारखाना गाजीपुर को प्रस्तुत किया जाएगा, जो "इन्फोरियर ओपीएम क्लास बी" का यथालाभ दर के अनुसार परिकलित विनिषिद्ध अफीम या अफीम पोपी का मूल्य सहित पुस्तक अन्तरण द्वारा सम्यक अनुक्रम में उसकी प्रतिपूर्ति हिमाचल प्रदेश सरकार को करेगा।

(3) अफीम या अफीम पोपी की तस्करी की स्थिति में जहाँ पर अफीम या अफीम पोपी.—

(क) अन्तरराज्यिक आयात या अन्तरराज्यिक निर्यात से सम्बन्धित है, जिससे उनका उदगम निर्धारित करने में कोई संदेह उत्पन्न होता है, या

(ख) में संदेह पैदा होता है कि यह अन्तरराष्ट्रीय स्वरूप के मामलों से सम्बन्धित है और इस प्रकार से अभिहृत अफीम की मात्रा 15 किलोग्राम या उस से अधिक है, या

(ख) का स्वीकार्य रूप से भारतीय उदगम में है, इस प्रकार से अभिहृत अफीम या अफीम पोपी की मात्रा 50 किलोग्राम या इस से अधिक है तो प्रत्येक मामले में अफीम या अफीम पोपी के अभिहृत किए जाने के समय, 2 किलोग्राम अफीम या अफीम पोपी का नमूना लिया जाएगा और यह राज्य सरकार के रसायन परीक्षक को भेजा जाएगा।

61. पोपी कैप्सूल और पोपी का बीज व्ययन.—(1) पोपी के अभिहृत कैप्सूल (पेपेर सामनीकर्म-एल0) चाहे वे अपने मूल स्वरूप में हों या नहीं, कुचले हुए या चूर्णकृत हों, और चाहे उनसे रस निकाला गया हो या नहीं, यदि हिमाचल प्रदेश में अनुज्ञप्त आयुर्वेदिक यूनानी तथा ताबी, चिकित्सा, व्यवसायियों द्वारा उनका अपने-अपने औषध पद्धतियों में सम्मिलित औषधियों के विनिर्माण के लिए, कच्चे में रखा जाना अपेक्षित न हों तो जिले के उपायुक्त के इस सम्बन्ध में आदेश प्राप्त करने के पश्चात्, उनमें से पोपी बीज (खश-खश) को अलग सुरक्षित निकाल कर सम्बन्धित जिले के एक आधिकारी एवं कराधान अधिकारी की उपस्थिति में, जला कर नष्ट किए जाएंगे।

(2) उक्त रूप में सुरक्षित निकाले गए पोपी बीज (खश-खश) की आधिकारी आयुक्त के आदेशों के अनुसार व्ययन किया जाएगा।

62. अन्य वस्तुओं या चीजों का व्ययन.—इन नियमों के नियम 59 से 61 में उल्लिखित वस्तुओं या चीजों के अतिरिक्त, अधिनियम के अधीन अभिहृत वस्तुओं या चीजों का व्ययन, विनिर्मित औषधियों की स्थिति में, हिमाचल प्रदेश के औषध-नियंत्रक के परामर्श से और अन्य वस्तुओं या चीजों की स्थिति में, आधिकारी आयुक्त के परामर्श से, विधिक उपयोगिता अभिनिश्चित करने के पश्चात् सम्बन्धित जिले के उपायुक्त द्वारा किया जाएगा।

63. पुरस्कारों का प्रदान तथा संदाय.—अधिनियम या इसके तदधीन बनाए गए नियमों के अन्तर्गत अपराधों के सम्बन्ध में, पुरस्कार, निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रदान तथा संदत्त किए जा सकेंगे,—

(1) सफल छापे के पश्चात् या विचारण या अपील के परिणाम के पश्चात्, जहाँ उपायुक्त इस बात से संतुष्ट है कि मामला असली था तथा उसके द्वारा दी गई सूचना पर पता चला था भेदिया को भेदिया का कथन तथापि, छापा मारे जाने से पूर्व सूचना प्राप्त करने वाले अधिकारी द्वारा अभिलिखित किया जाएगा और यह तथार्थित, सहायक आधिकारी एवं कराधान आयुक्त या आधिकारी एवं कराधान अधिकारी की अभिरक्षा में रखा जाएगा, जो इसे पुरस्कार के संवितरण के समय, सत्यापित करेगा।

(2) आधिकारी एवं कराधान विभाग, पुलिस विभाग तथा औषध नियंत्रण विभाग के अतिरिक्त उन सरकारी कर्मचारियों को, जो मामले का पता लगाने और दोषसिद्धि के लिए, आधिकारी एवं कराधान विभाग, को सक्रीय सहयोग देते हैं, उसे पुरस्कार देने से पूर्व, जिले का उपायुक्त, उसके विभाग के सम्बन्धित विभागाध्यक्ष, अभिनिश्चित करेगा कि ऐसे पुरस्कार को दिए जाने पर उसे कोई आक्षेप नहीं है, और

(3) किसी एक मामले में असाधारण दक्षता, पुख्तरता परिश्रम, कर्तव्यपरायणता, या उत्साह दिखाने पर, आवश्यकारी अधिकारियों या पदधारियों को ।

64. पुरस्कार, प्रदान/मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी.—(1) नियम 63 के अधीन पुरस्कार—

(1) जिले के उपायुक्त द्वारा, जहां किसी एक मामले में, एक व्यक्ति को संदेय पुरस्कार की राशि दो सौ रुपये से अधिक हो,

(2) आवश्यकारी आयुक्त द्वारा, जहां किसी एक मामले में एक व्यक्ति को संदेय पुरस्कार की राशि दो सौ रुपये से अधिक हो, प्रदान किए जा सकेंगे :

परन्तु जहां पर ऐसा पुरस्कार एक हजार रुपये से अधिक हो तो पुरस्कार राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से प्रदान किया जाएगा :

परन्तु यह और कि जहां पर नायब तहसीलदार या उप-निरीक्षक पुलिस या आवश्यकारी एवं कराधान निरीक्षक से उच्चतर पद के पदधारी के लिए पुरस्कार दिए जाने का प्रस्ताव हो तथा एक मामले में ऐसे व्यक्ति को संदेय पुरस्कार की राशि एक हजार रुपये से अधिक हो तो पुरस्कार राज्य सरकार के वित्त विभाग के परामर्श से प्रदान किया जाएगा ।

65. भेदिया को पुरस्कार का संवितरण.—किसी भेदिए को संदेय कोई पुरस्कार, जिसका कथन सहायक आवश्यकारी एवं कराधान आयुक्त या आवश्यकारी एवं कराधान अधिकारी का अभिरक्षा में है, जिले के उपायुक्त को रसीद पर, वास्तविक प्राप्तकर्ता की उपस्थिति अपेक्षित किए बिना या उससे रसीद लिए बिना, संवितरित किया जा सकेगा ।

अध्याय-7

[अधिनियम की धारा 78 (2) (सी) के साथ पठित धारा (10) (बी) के अधीन विहित नियम]

प्रकीर्ण ————— आवश्यकारी रोध ।

66. आवश्यकारी चौकियों की स्थापना.—आवश्यकारी आयुक्त, किसी स्वायत्त औषध मन्त्र प्रभावो पदार्थ को तस्करी रोकने के लिए किसी सड़क या किसी फेरी पर ऐसे स्थान या स्थानों पर आवश्यकारी चौकियां स्थापित कर सकेगा जो वह उचित समझे और आवश्यकारी निरीक्षकों या उच्चतर अधिकारियों की ऐसी चौकियों का प्रभारी प्रतिनियुक्त कर सकेगा ।

67. तलाशी और निरोध.—किसी यान का चालक या लदे हुए पशु को ले जाने वाला, कोई व्यक्ति आवश्यकारी चौकी में पहुंचने पर अपने यान या लदे हुए पशु को तब तक रोके रखेगा जब तक कि आवश्यकारी अधिकारी उसकी तलाशी नहीं ले लता है अतः तुरन्त तलाशी लगा चौकी का प्रभारी आवश्यकारी अधिकारी दान या पशु को साधारणतया आगे जाने की अनुमति दे देगा, जब तक कि उसके पास अधिनियम तथा उसके तदधीन बनाए गए नियमों के किन्हीं उपबन्धों या अधिनियम की धारा 43 के अधीन किन्हीं शक्तियों का प्रयोग करने का कोई कारण न हो ।

68. संदेय निरोध के लिए परिवाद.—आवश्यकारी अधिकारी द्वारा, संदेय निरोध के परिवाद, इस प्रयोजनार्थ रखी गई पुस्तक में अभिलिखित किए जाएंगे । परीवाद यदि कोई हो कि यह पुस्तक प्रत्येक मास के अन्त में जिला मजिस्ट्रेट को परिवादों के निरीक्षण के लिए यदि कोई हो प्रस्तुत की जाएगी ।

अध्याय-8

[अधिनियम की धारा 78(2) (सी) के अधीन बनाए गए नियम]

अपील, पुनरीक्षण तथा पुनर्विलोकन

69. अपील.—(1) आवकारी अधिकारी के आदेश के विरुद्ध अपील (क) उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त को की जा सकेगी जब आदेश एक ऐसे आवकारी अधिकारी द्वारा किया गया हो जो उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त से नीचे की पंक्ति का है और ऐसा अधिकारी उसके प्रभारधीन हो।

(ख) जब आदेश उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त द्वारा किया गया हो, तो ऐसे आदेश के विरुद्ध अपील आवकारी आयुक्त को की जा सकेगी :

- (1) परन्तु जब प्रथम अपील पर मूल आदेश की पुष्टि कर दी जाती है तो उसके विरुद्ध और अपील नहीं की जा सकेगी; और
- (2) जब कोई ऐसा आदेश उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त द्वारा उपस्थित या उल्टा कर दिया जाता है तो इसके विरुद्ध आवकारी आयुक्त को आगे अपील करने पर यदि कोई हो, आवकारी आयुक्त द्वारा इस पर पारित आदेश अन्तिम होगा।

(2) आवकारी आयुक्त के मूल आदेश के विरुद्ध अपील सरकार द्वारा इस प्रयोजनार्थ नियुक्त वित्तायुक्त को की जा सकेगी, जिसका आदेश अन्तिम होगा।

70. परिमिता की अवधि और अपील का आपन.—अपील का प्रत्येक आपन:—

- (क) ऐसे आदेश की तारीख से, जिसके विरुद्ध अपील की जानी हो, 30 दिन के भीतर प्रस्तुत किया जायेगा; और
- (ख) के साथ आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, मूल रूप में या ऐसे आदेश का अधिप्रमाणित प्रति को प्रस्तुत करने में की गई चूक, अपीलीय प्राधिकारी के समाधानार्थ स्पष्ट न कर दी गई हो। ऐसे आदेश की अधिप्रमाणित प्रति प्राप्त करने के लिए लगे समय का, उप-नियम (1) के अधीन विहित परिमिता की अवधि से अपवर्जन किया जायेगा।

71.—(1) आवकारी आयुक्त किसी भी समय स्वप्रेरणा से या उसको लिए गए आवेदन पर, किसी कार्यवाही, जो कि उसके अधीनस्थ अधिकारी के समक्ष लम्बित हो या उसके द्वारा उसका व्ययन किया जा चुका हो, के अभिलेख को ऐसा कार्यवाही या उस में किए किसी आदेश की वैधता या औचित्य के बारे में अपनी सन्तुष्टि करने के प्रयोजनार्थ, मंगवा सकेगा तथा उसके सम्बन्ध में ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जसा वह उचित समझे :

परन्तु, उक्त आवेदन, द्वास्थिति, कार्यवाही करने या आदेश पारित करने की तारीख से नब्बे दिन की अवधि के भीतर किया जायेगा।

(2) वित्त आयुक्त, किसी भी समय, स्वप्रेरणा से या उसे लिए गए आवेदन पर, आदेश पारित करने की तारीख से नब्बे दिन की अवधि के भीतर, उप-नियम (1) के अधीन विनिश्चित किसी मामले का अभिलेख मंगवा और यदि उसकी राय में अन्तिम आदेश में किसी विधि के प्रश्न पर गलत निर्णय अन्तर्विष्ट हो, तो मामले में वह ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जो उचित समझे :

परन्तु ऐसा आदेश करने से पूर्व दोनों पक्षकारों को सुनवाई करा अवसर प्रदान किया जायेगा।

72. पुनर्विलोकन.—(क) वित्त आयुक्त, या आवकारी आयुक्त या उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त, द्वारा पारित आदेश से अपने आपको व्यथित समझने वाले किसी व्यक्ति द्वारा किए गए आवेदन पर, यथारिप्ति, वे ऐसे आदेश का पुनर्विलोकन कर सकेंगे, और ऐसे पुनर्विलोकन पर, इन नियमों के अधीन उसके द्वारा या उसके पद-पूर्ववर्ती द्वारा पारित आदेश की उपांतरित, उल्टा या उसकी पुष्टि कर सकेंगे :

परन्तु आदेश के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन तब तक ग्रहण नहीं किया जावेगा, जब तक यह आदेश की तारीख से तीन दिन के भीतर नहीं किया जाता है या जब तक कि आवेदक उक्त पुनर्विलोकन अधिकारी की मन्तुष्टि नहीं करवा देता है कि अवधि के भीतर आवेदन न करने के लिए उसके पास पर्याप्त कारण था ;

(ख) आदेश तब तक उपांतरित या उल्टा नहीं किया जायेगा जब तक कि आदेश के समर्थन में, उसमें प्रभावित होने वाले पक्षकारों को उप-संज्ञात होने तथा सुनवाई का व्यक्तिगत नोटिस नहीं दे दिया जाता है ;

(ग) आदेश, जिनके विरुद्ध अपील की गई हो, का पुनर्विलोकन नहीं किया जावेगा :

परन्तु किसी भी अनुज्ञप्ति, पास या परमिट को पुनर्विलोकन से प्रदान करने वाले आदेश पर उसे रह नहीं किया जायेगा ।

(2) पुनर्विलोकन को इन्कार करने वाले या पुनर्विलोकन पर प्रवर्ती आदेश की पुष्टि करने वाले आदेश के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जायेगी ।

73. अशुद्धियों का शुद्धिकरण.—प्रत्येक अधिकारी, अपीलार्थ प्राधिकारी, पुनराक्षण प्राधिकारी, अपने आदेशों में, लेखन, अशुद्धियों को ठीक कर सकेगा ।

74. निरसन और व्यावृत्ति.—(1) प्रथम नवम्बर, 1966, से तुरन्त पूर्व हिमाचल प्रदेश में सभाविष्ट क्षेत्र में यथा प्रवृत्त पंजाब ओपीयम आर्डर, 1937, पंजाब ओपीयम लाईसेंस परमिट एण्ड पास रूलज, 1939, पंजाब ओपीयम ऑक्शन एण्ड मिसलेनियस रूलज, 1939, पंजाब ओपीयम कन्फिस्केशन एण्ड रिवाइड रूलज, 1934, हिमाचल प्रदेश मैन्यूफैक्चर इंग्ज रूलज, 1965, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 को, हिमाचल प्रदेश में विलीन क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त पंजाब ओपीयम आर्डर, 1956, पंजाब ओपीयम प्रोहिबिशन रूलज, 1959, पंजाब मैन्यूफैक्चर इंग्ज रूलज, 1959, पंजाब ओपीयम, कन्फिस्केशन एण्ड रिवाइड रूलज, 1954 तथा ओपीयम ऐक्ट, 1857, (1857 का 13) ओपीयम ऐक्ट, 1878 (1878 का 1) और डेन्जरस इंग्ज ऐक्ट, 1930 के अधीन जारी किया गया कोई आदेश या निदेश एतद्वारा निरसित किए जाते हैं ।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी यह है कि उप-नियम (1) द्वारा निरसित, नियमों, आदेशों या निदेशों के अधीन की गई या की गई तात्पर्यित कोई भी बात या कार्यवाही जब तक यह अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हो, ऐसी बात या कार्यवाही इन नियमों के तत्स्थायी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जायेगी ।

एस0 एस0 सिद्ध,
सचिव ।

अपीम प्ररूप—1

[नियम 5(2) देखें]

परमिट संख्या

हिमाचल प्रदेश राज्य में वैयक्तिक उपभोग के लिए अपने पास अपीम रखने के लिए परमिट ।

अ-परमिट धारक की विशिष्टियाँ:—

- (1) परमिट धारक का नाम
- (2) पिता/पति का नाम
- (3) दृश्यमान आयु
- (4) पूरा पता
- (5) व्यवसाय

आ-चिकित्सा प्रमाण पत्र के प्रति निदेश यदि कोई हो

- (1) चिकित्सा बोर्ड या चिकित्सा अधिकारी का नाम और पता, जिसने प्रमाण पत्र प्रदान करने की सिफारिश की हो
- (2) प्रमाण पत्र की तारीख
- (3) अफीम की मात्रा जिसकी प्रतिभास के लिए सिफारिश की गई है
- (4) चिकित्सा बोर्ड या चिकित्सा अधिकारी द्वारा यथा सत्यापित परमिट धारक का वैयक्तिक पहचान चिह्न

यह परमिट हिमाचल प्रदेश स्वापक औषधि तथा मनःप्रभावी पदार्थ नियम, 1989 के उपबन्धों के अनुसार तथा अधीन रहते हुए मुपुत्र निवासी तहसील जिला (जिसे इस में इस के पश्चात् परमिट धारक निर्दिष्ट किया गया है) को रुपये की फीस से संदाय पर, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अफीम क्रय करने, अपने कब्जे में रखने, परिवहन करने और उपभोग करने के लिए प्राधिकृत करते हुए प्रदान किया जाता है:—

शर्तें

1. यह परमिट तारीख से तक (इसमें दोनों दिन सम्मिलित) प्रवृत्त रहेगा।

2. (1) परमिट धारक एक मास के दौरान ग्राम से अधिक अफीम क्रय नहीं करेगा।

परन्तु यह मात्रा परमिट के चालू रहने के दौरान घटाई जा सकेगी।

(2) परमिट धारक एक समय में ग्राम से अधिक अफीम अपने कब्जे में नहीं रखेगा।

3. (1) परमिट धारक, हिमाचल प्रदेश स्वापक औषधि तथा मनः प्रभावी पदार्थ नियम, 1989 के नियम 18 के अधीन स्थापित डिपो के सिवाये, किसी अन्य स्थान से अफीम की अपनी पूर्ति अभिप्राप्त नहीं करेगा।

(2) परमिट धारक, उस द्वारा क्रय की गई अफीम को डिपो से ले जाने से पूर्व, क्रय के व्योरे को, यथास्थिति, मुख्य चिकित्सा अधिकारी या डिपो के प्रभारी अधिकारी से परमिट के पिछले पृष्ठ पर दर्ज करवायेगा।

(3) परमिट धारक, द्वारा, इस परमिट के अधीन अभिप्राप्त से भिन्न अफीम का परिवहन, कब्जा या उपभोग नहीं किया जायेगा।

4. इस परमिट के अधीन क्रय की गई अफीम ना ही परमिट-धारक से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा प्रयोग की जायेगी और न ही यह परमिट धारक द्वारा उस से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए प्रयोग की जायेगी, जिसके लिए यह परमिट प्रदान किया गया है।
5. इस परमिट के अधीन प्रदान की गई अफीम का क्रय करने, परिवहन करने, और अपने कब्जे में रखने के विशेषाधिकार का विस्तार, केवल वहां तक है जहां तक वे परमिट धारक द्वारा इस के उपभोग से आनुषंगिक है।
6. परमिट अनन्तरणीय होगा और यह कराधान आयुक्त द्वारा इस की किसी भी शर्तों के भंग किए जाने पर या किसी अन्य आधार पर जो लिखित किया जायेगा, मिलम्बित या रद्द किया जा सकेगा।
7. यदि परमिट इसके चालू रहने के दौरान रद्द किया जाता है या इसके अवसान पर नवीकृत नहीं किया जाता है तो उपभोग न की गई अफीम का सारा स्टॉक तत्काल सम्बन्धित मुख्य चिकित्सा अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी को अमर्यापित किया जायेगा, और उसके लिए वह किसी भी प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।

19 के वें दिन प्रदान किया गया।

परमिट धारक के हस्ताक्षर या
बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान।

परमिट प्रदान करने वाले प्राधिकार
के हस्ताक्षर और पदनाम।

(परमिट का पिछला पृष्ठ)

परमिट धारक द्वारा तारीख से तक अफीम के क्रय के ब्योरे।

तारीख	चालू मास में क्रय की जाने के लिए अनुज्ञात अफीम की कुल मात्रा	क्रय की गई अफीम की मात्रा	चालू मास के प्रथम दिन से क्रय की गई अफीम की मात्रा का क्रमिक जोड़	चालू मास में क्रय की गई मात्रा और क्रमिक जोड़ (स्तम्भ-4) के बीच अन्तर	डिपो के प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर और डिपो का नाम
1	2	3	4	5	6

अफीम प्ररूप-2

(नियम 21 देखें)

..... (स्थान तहसील जिला में स्थित) सरकार द्वारा प्रबन्धित डिपो में अफीम के दैनिक बिक्रय और स्टॉक के लेखे रखने के लिए रजिस्टर।

तारीख	प्रारम्भिक अतिशेष	प्राप्त स्टॉक	कुल	परमिट का प्रवर्ग संख्या और तारीख
	किलोग्राम ग्राम	किलोग्राम ग्राम	किलोग्राम ग्राम	
1	2	3	4	5

तारीख	प्रत्येक परमिट के अधीन जारी की गई अफीम की मात्रा (ग्राम)	दिन के दौरान किया गया कुल निगमन	अन्त अतिशेष	डिपो के प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर
		किलोग्राम ग्राम	किलोग्राम ग्राम	
1	6	7	8	9

अफीम प्ररूप-3

(नियम 21 देखें)

..... (स्थान) तहसील जिला में स्थित सरकार द्वारा प्रबन्धित डिपो की मास के लिए अफीम की प्राप्ति, विक्रय और अतिशेष की मासिक विवरणी जो जिले के प्रभारी सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त, या आवकारी एवं कराधान अधिकारी को भेजी जायेगी।

प्रारम्भिक अतिशेष	प्राप्त स्टॉक	कुल	मास के दौरान अफीम अंत अतिशेष	टिप्पणियां
किलोग्राम ग्राम	किलोग्राम ग्राम	किलोग्राम ग्राम	प्ररूप-1 में परमिट धारकों को डिपो से किलोग्राम ग्राम जारी की गई अफीम	डिपो के प्रभारी के हस्ताक्षर
1	2	3	4	5

डिपो के प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम।

अफीम प्रारूप—4

[नियम 8(1) देखें]

अफीम के परिवहन के लिए पास

1. पास संख्या
2. तारीख
3. अफीम के परिवहन के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और पता
4. पैकेजों की संख्या, परिवहन की जाने वाली अफीम की मात्रा और विवरण
5. स्थान जहाँ से अफीम का परिवहन किया जायेगा
6. स्थान जहाँ को अफीम का परिवहन किया जायेगा
7. परेषित का नाम और उस का पूरा पता
8. मार्ग जिस द्वारा अफीम का परिवहन किया जायेगा
9. वह अवधि जिसके लिए पास प्रवृत्त रहेगा
10. टिप्पणियाँ

स्थान
तारीख

जिले का प्रभारी
सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त एवं
आवकारी एवं कराधान अधिकारी ।

टिप्पणी.—परेषित परिमाण की अभिवहन में तोड़फोड़ नहीं की जायेगी ।

अफीम प्रारूप—5

[नियम 8(2) देखें]

सरकारी कोष से सरकार द्वारा प्रबन्धित अन्य डिपुओं को अफीम के परिवहन के लिये पास

1. पास संख्या
2. तारीख
3. अफीम परिवहन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और पदनाम
4. परिवहन किए जाने वाले अफीम की मात्रा
5. कोष का नाम और अवस्थान जहाँ से परिवहन किया गया
6. डिपो का नाम और अवस्थान जहाँ को परिवहन किया गया
7. पास की विविमान्यता की अवधि

8. टिप्पणियां

स्थान

तारीख

जिले का प्रभारी आवाकारी एवं
कराधान आयुक्त या प्रभारी आवाकारी एवं
कराधान अधिकारी,

टिप्पणी.—परेषित परिमाण की अभिवहन में तोड़फोड़ नहीं की जायेगी।

अफीम प्ररूप—6

[नियम 13 (ख) देखें]

प्राधिकार का प्ररूप

मैं एदद्वारा श्री को अपनी ओर से, मेरे परमिट संख्या पर
अफीम क्रय करने, अपन कब्जे में रखने और परिवहन करने के लिए नियुक्त करता हूँ।

अधिकर्ता का पहचान चिन्ह 1.

2.

अधिकर्ता के हस्ताक्षर या निशान अंगूठा प्राधिकार
देने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर या निशान अंगूठा।सम्बन्धित चिकित्सा अधिकारी या परमिट प्रदान करने के
लिए प्राधिकृत अधिकारी की उपस्थिति में अधिकर्ता के
हस्ताक्षर या निशान अंगूठा।

अनुमोदन

मुख्य चिकित्सा अधिकारी या परमिट प्रदान करने
के लिए प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर।

स्थान

तारीख

विनिर्मित औषधि प्ररूप—I

(नियम 42 देखें)

हिमाचल प्रदेश में, निर्मित अफीम विनिर्मित औषधि के अन्तरराज्यिक आयात/परिवहन के परमिट के लिए,
आवेदन।

1. आवेदक का नाम और पता

2. उपर्युक्त नामित व्यक्ति

(1) (क) जिला में अनुज्ञप्त औषध विक्रेता/अनुज्ञप्त रसायनज्ञ होते हुए वह निम्नलिखित की अपने कब्जे में रखने के लिये अनुज्ञप्त है:—

- (1) औषधीय कैनविस
- (2) औषधीय अफीम
- (3) कोका व्युत्पाद
- (4) अफीम व्युत्पाद
- (5) पोपी स्ट्रॉ सान्द्रीकृत
- (6) अन्य विनिर्मित औषधियां (नाम)

(ख) उसे सरकारी सेवक अर्थात् होते हुए अपनी पदीय हैसियत, में निमित्त अफीम से भिन्न, विनिर्मित औषधियों अपेक्षित है।

(2) और उसके पास निम्नलिखित विनिर्मित औषधियां हैं:—

- (1) औषधीय कैनविस
- (2) औषधीय अफीम
- (3) कोका व्युत्पाद
- (4) अफीम व्युत्पाद
- (5) पोपी स्ट्रॉ सान्द्रीकृत
- (6) अन्य विनिर्मित औषधियां (नाम)

(3) मैसज से, जो ऐसी औषधियों का जिला या राज्य में विक्रय करने के लिए अनुज्ञप्त है, भू-मार्ग द्वारा, निमित्त अफीम से भिन्न, निम्नलिखित विनिर्मित औषधियों का अन्तरराज्यिक आयात/परिवहन करना चाहता है:—

- (1) औषधीय कैनविस
- (2) औषधीय अफीम
- (3) कोका व्युत्पाद
- (4) अफीम व्युत्पाद
- (5) पोपी स्ट्रॉ सान्द्रीकृत
- (6) अन्य विनिर्मित औषधियां (नाम)

हस्ताक्षर (आवेदक) ।

टिप्पणी.—इस आवेदन की दो प्रतियां जिले के प्रभारी सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या आवकारी एवं कराधान अधिकारी को प्रस्तुत की जायेगी। जिले का प्रभारी सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या आवकारी एवं कराधान अधिकारी, पैरा 2(1) को और यदि वह आवश्यक समझ तो पैरा 2(2) को भी, सत्यापित करने के पश्चात् पृष्ठान्त पर हस्ताक्षर करवा और दोनों प्रतियों को उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त को प्रेषित करवा। उनमें से एक प्रति परमिट क साथ लौटाई जाएगी और दूसरी प्रति, अथास्थिति, सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या आवकारी और कराधान अधिकारी के कार्यालय में फाइल में लगाई जाएगी।

कार्यालय सहायक आधिकारी एवं कराधान आयुक्त/आधिकारी एवं कराधान अधिकारी,
जिला

ज्ञापन सं. तारीख

उपर्युक्त आवेदन क्षेत्र के उप-आधिकारी एवं कराधान आयुक्त को
परमिट प्रदान करने के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

जिला का
सहायक आधिकारी तथा कराधान आयुक्त/
आधिकारी एवं कराधान अधिकारी
..... ।

कार्यालय, उप-आधिकारी तथा कराधान आयुक्त

संख्या तारीख

उपर्युक्त आवेदन में वर्णित निमित्त से भिन्न, विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक आयात/परिवहन
के लिए परमिट संख्या (जिला) को
हसके साथ अर्पित है।

उप-आधिकारी एवं कराधान आयुक्त, ।

विनिर्मित औषधीय प्ररूप-[]
(नियम 43 देखें)

(जारी करने वाले कार्यालय द्वारा रखा जाना)

हिमाचल प्रदेश में निमित्त से भिन्न विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक आयात/परिवहन के लिए परमिट
और पास (पृष्ठ पीठ पर) ।

परमिट के अन्तर्गत आने वाली औषधियों के किसी राज्य से निर्यात से पूर्व परमिट, निर्यात किये जाने वाले
जिले के कलैक्टर को पेश किया जाएगा और अगले पृष्ठ पर दिया गया पास ऐसे अधिकारी द्वारा अवश्य पूरा
और हस्ताक्षरित किया जाएगा।

परमिट संख्या निम्नलिखित के अन्तरराज्यिक निर्यात/परिवहन के लिए:—

औषधीय अफीम

औषधीय कैनविस

कोका व्युत्पाद

अफीम व्युत्पाद

पोपी स्टू-सांझीकृत

अन्य विनिर्मित औषधि (नाम)

यह परमिट (क) को अ-मार्ग द्वारा,

औषधीय अफीम

श्रीपद्मीय कैनविस
कोका व्युत्पाद
अफीम व्युत्पाद
पोपी स्ट्रॉ सांद्रीकृत

अन्य विनिर्मित श्रीपद्मी (नाम) की नीचे तथा विनिर्दिष्ट
मात्रा को (ख) में
आयात/परिवहन करने के लिए प्रदान किया गया है; अर्थात्

अर्थात् श्रीपद्मीयों के प्रत्येक वर्ग का वर्णन	वजन या मात्रा कि०ग्राम, मि० ग्रा०	टिप्पणी
--	---	---------

यह परमिट इसके जारी किए जाने की तारीख में दो मास के भीतर प्रयोग किया जाएगा ।

अगले पृष्ठ पर दिये गये पास और इस परमिट की एक प्रति—

1. श्रीपद्मीय अफीम
2. कोका व्युत्पाद
3. अफीम व्युत्पाद
4. पोपी स्ट्रॉ सांद्रीकृत
5. अन्य विनिर्मित श्रीपद्मी (नाम)
को प्रेषण के गन्तव्य स्थान पर पहुंचने पर (ग) को सीपी
जाएगी ।

अभिवहन के समय प्रेषण के मास की तोड़-फोड़ नहीं की जाएगी ।

तारीख उप-आवकारी एवं कराधान
आयुक्त

- (क) यहां प्रेषित का नाम और पदनाम लिखें ।
(ख) यहां परिक्षेत्र और जिला लिखें ।
(ग) यहां उन व्यक्तियों के पदीय पदनाम लिखें जिन्हें पास परिदत्त किया जाएगा ।

विनिर्मित श्रीपद्मी प्ररूप-II (पिछला पृष्ठ)

(नियम 43 देख)

(मूल प्रणिका)

निम्नलिखित के अन्तर्राज्यिक निर्यात के लिए पास

अफीम
श्रीपद्मीय कैनविस
श्रीपद्मीय अफीम
कोका व्युत्पाद
अफीम व्युत्पाद
पोपी स्ट्रॉ सांद्रीकृत
अन्य विनिर्मित श्रीपद्मी (नाम)

(क) (ख) द्वारा (घ) में (ग) के
प्रभारी द्वारा परिवहन किया जाएगा ।

तारीख

सीमा शुल्क कलेक्टर

जिला कलेक्टर

- (क) यहां तारीख और समय विनिर्दिष्ट करें ।
(ख) यहां मार्ग और वाहन के ढंग का वर्णन करें ।
(ग) यहां व्यक्ति का नाम दें, यदि कोई हो ।
(घ) यहां पैकिजों की संख्या और विवरण दें ।

विनिर्मित औषधि प्ररूप-II

(नियम 43 व 48 देखें)

..... (दूसरी प्रति)

..... (आवात कर्ता को दिया जाना)

हिमाचल प्रदेश में निर्मित अफीम से भिन्न, विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक आयात/परिवहन के लिए परमिट और पास (पृष्ठ पीठ पर) ।

परमिट के अन्तर्गत आने वाली औषधियों के किसी राज्य से निर्यात से पूर्व परमिट निर्यात किये जाने वाले जिले के कलेक्टर को पेश किया जाएगा और पृष्ठ पीठ पर दिया गया पास ऐसे अधिकारी द्वारा अवश्य पूरा और हस्ताक्षरित किया जाएगा ।

परमिट संख्या निम्नलिखित के अन्तरराज्यिक निर्यात/परिवहन के लिए:—

औषधीय अफीम

औषधीय कैनविस

कोका व्युत्पाद

अफीम व्युत्पाद

पोपी स्ट्रॉ सांद्रीकृत

अन्य विनिर्मित औषधि (नाम)

यह परमिट (क) को भू मार्ग द्वारा,

औषधीय अफीम

औषधीय कैनविस

कोका व्युत्पाद

अफीम व्युत्पाद

पोपी स्ट्रॉ सांद्रीकृत

अन्य विनिर्मित औषधि (नाम) को नीचे यथा विनिर्दिष्ट

मात्रा के लिए (ख) से

..... में अन्तरराज्यिक आयात/परिवहन करने के लिए प्रदान किया गया है, अर्थात्

औषधियों के प्रत्येक वर्ग का वर्णन

वजन या मात्रा

टिप्पणियां

किलो ग्राम 0, ग्राम, मि 0 ग्राम 0

यह परमिट इसके जारी किए जाने की तारीख से दो मास के भीतर प्रयोग किया जाएगा ।
पृष्ठ पीठ पर दिए गए पास और इस परमिट की एक प्रति,

1. औषधीय अफीम
2. कोका व्युत्पाद
3. अफीम व्युत्पाद
4. पोपी स्ट्रा सांद्रीकृत
5. अन्य विनिर्मित औषध (नाम)

के प्रेषण के गन्तव्य स्थान पर पहुंचने पर (ग) को सीपी जाएगी अभिवहन के समय प्रेषण के माल की तोड़ फोड़ नहीं की जाएगी ।

तारीख

उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त ।

- (क) यहां प्रेषित का नाम और पदनाम लिखें ।
(ख) यहां परिक्षेत्र और जिला लिखें ।
(ग) यहां उन व्यक्तियों के पदीय पदनाम लिखें जिन्हें पास परित्त किया जाएगा ।

विनिर्मित औषध प्ररूप-II-(पृष्ठ पीठ)

(नियम 43 दखें)

(दूसरी प्रति)

निम्नलिखित के अन्तरराज्यिक निर्यात के लिए पास

अफीम

औषधीय कैनबिस

औषधीय अफीम

कोका व्युत्पाद

अफीम व्युत्पाद

पोपी स्ट्रा सांद्रीकृत

अन्य विनिर्मित औषध (नाम)

यह पास से (क) तक प्रवृत्त रहेगा ।

इसके अन्तर्गत आने वाली अफीम

औषधीय कैनबिस

औषधीय अफीम

कोका व्युत्पाद

अफीम व्युत्पाद

पोपी स्ट्रा सांद्रीकृत

अन्य विनिर्मित औषध (नाम)

की (ख) द्वारा (घ) में (ग)

. के प्रभारी द्वारा परिवहन किया

जाएगा ।

तारीख

सीमा शुल्क कलैक्टर/

कलैक्टर

जिला

- (क) यहां तारीख और समय विनिर्दिष्ट करें।
 (ख) यहां मार्ग और वाहन के ढंग का वर्णन करें।
 (ग) यहां व्यक्ति का नाम, यदि कोई हो।
 (घ) यहां पंक्तिजों की संख्या और विवरण दें।

विनिर्मित औषधि प्ररूप-II

(नियम 43 देखें)

(दूसरी प्रति)

(निर्यात किए जाने वाले जिले के कलैक्टर को भेजा जाएगा)

हिमाचल प्रदेश में निमित्त अफीम से भिन्न विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक आयात/परिवहन के लिए परमिट और पास (पृष्ठ पीठ पर)।

परमिट के अन्तर्गत आने वाला औषधियों के किसी राज्य से निर्यात से पूर्व परमिट, निर्यात किये जाने वाले जिले के कलैक्टर को पेश किया जाएगा और पृष्ठ पीठ पर दिया गया निर्यात पास ऐसे अधिकारी द्वारा अवश्य पूरा और हस्ताक्षरित किया जायेगा।

परमिट संख्या निम्नलिखित के अन्तरराज्यिक निर्यात/परिवहन के लिए —

औषधीय अफीम

औषधीय कैनबिस

कोका व्युत्पाद

अफीम व्युत्पाद

पापी स्ट्रॉ सांद्रीकृत

अन्य विनिर्मित औषधि (नाम)

यह परमिट (क) को भू-मार्ग द्वारा,

औषधीय अफीम

औषधीय कैनबिस

कोका व्युत्पाद

अफीम व्युत्पाद

पापी स्ट्रॉ सांद्रीकृत

अन्य विनिर्मित औषधि (नाम) को नीचे यथाविनिर्दिष्ट मात्रा को

..... (ख) से में अन्तरराज्यिक

आयात/परिवहन करने के लिए प्रदान किया गया है। अर्थात्,

औषधियों के प्रत्येक वर्ग का वर्णन

वजन या मात्रा

टिप्पणियां

किलोग्राम, ग्राम, मि० ग्राम

यह परमिट इसके जारी किये जाने की तारीख से दो मास के भीतर प्रयोग किया जायेगा।

पृष्ठ पीठ पर दिये गए पास और इस परमिट की एक प्रति,

1. औषधीय अफीम
2. कोका व्युत्पाद
3. अफीम व्युत्पाद

4. पोपी स्ट्रा सांद्रीकृत

5. अन्य विनिर्मित औषधि (नाम)

क प्रेषण के गन्तव्य स्थान पर पहुंचने पर (ग) को सौंपी जायेगी ।

अभिवहन के समय प्रेषण के माल की तोड़ फोड़ नहीं की जायेगी ।

तारीख

उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त ।

(क) यहाँ प्रेषित का नाम और पदनाम लिखें ।

(ख) यहाँ परिक्षेत्र और जिला लिखें ।

(ग) यहाँ उन व्यक्तियों के पदोप पदनाम लिखें जिन्हें पास परिदत्त किया जाएगा ।

विनिर्मित औषधि प्रारूप-II (पृष्ठ पीठ)

(नियम 43 देखें)

(तीसरी प्रति)

निम्नलिखित के अन्तरराज्यिक निर्यात के लिए पास

अफीम

औषधीय कैनिक्स

औषधीय अफीम

कोका व्युत्पाद

अफीम व्युत्पाद

पोपी स्ट्रा सांद्रीकृत

अन्य विनिर्मित औषधि (नाम)

यह पास से (क) तक प्रवृत्त रहेगा ।

इसके अन्तर्गत आने वाली

अफीम

औषधीय कैनिक्स

औषधीय अफीम

कोका व्युत्पाद

अफीम व्युत्पाद

पोपी स्ट्रा सांद्रीकृत

अन्य विनिर्मित औषधि (नाम)

को (ख) द्वारा (घ) में (ग)

के प्रभारी द्वारा परिवहन किया जाएगा ।

तारीख

सीमा शुल्क कलेक्टर

कलेक्टर

जिला

(क) यहाँ तारीख और समय विनिर्दिष्ट करें ।

(ख) यहाँ मार्ग और वाहन के ढंग का वर्णन करें ।

(ग) यहाँ व्यक्ति का नाम दें, यदि कोई हो ।

(घ) यहाँ पैकियों की संख्या और विवरण दें ।

विनिर्मित औषध प्ररूप-III

(नियम 44 देखें)

(मूल पर्णिका)

(कार्यालय में रखा जायेगा)

निर्मित अफीम से भिन्न, विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक निर्यात के लिए पास ।

संख्या.....तारीख.....19.....

(क) अनुज्ञप्त औषध विक्रेता/अनुज्ञप्त रसायनज्ञ को,

(ख) औषधाय कैनबिस/औषधीय अफीम/कोका व्युत्पाद/अफीम व्युत्पाद/पोपी स्ट्रा

सांद्रीकृत/अन्य विनिर्मित औषध (नाम) कब्जे में रखने के लिए प्राधिकृत

है, एतद्वारा उसके अनुज्ञप्त परिसर से के अनुज्ञप्त परिसर

की (ख) का अन्तरराज्यिक निर्यात करने के लिए प्राधिकृत किया जाता

है ।

यह पास उन औषधियों के प्रेषण के साथ ले जाया जाएगा जिनके अन्तरराज्यिक निर्यात किया जाना आशायित है, और यह तक चालू है ।

इस पास की एक प्रति अनुज्ञप्त परिसर में फाईल में रखी जानी अनिवार्य है ।

पास प्रदान करने वाले अधिकारी के
हस्ताक्षर और पूरा पदनाम ।

(क) यहां नाम और पूरा पता विनिर्दिष्ट करें ।

(ख) यहां मात्रा/वजन विनिर्दिष्ट करें ।

विनिर्मित औषध प्ररूप-III

(नियम 44 देखें)

(दूसरी प्रति)

(निर्यात कर्ता को दी जाएगी)

निर्मित अफीम से भिन्न, विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक निर्यात के लिए पास ।

संख्या.....तारीख.....19.....

(क) अनुज्ञप्त औषध विक्रेता/अनुज्ञप्त रसायनज्ञ को,

(ख) औषधीय कैनबिस/औषधीय अफीम/कोका व्युत्पाद/अफीम व्युत्पाद/पोपी स्ट्रा

सांद्रीकृत/अन्य विनिर्मित औषध (नाम) कब्जे

में रखने के लिए प्राधिकृत है, एतद्वारा उसके अनुज्ञप्त परिसर से

..... के अनुज्ञप्त परिसर को (ख)

का अन्तरराज्यिक निर्यात करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

यह पास उन औषधियों के प्रेषण के साथ ले जाया जायगा जिनके अन्तरराज्यिक निर्यात किया जाना आशयित है, और यह तक चालू है।

इस पास की एक प्रति अनुज्ञप्त परिसर में फाईल में रखी जानी अनिवार्य है।

पास प्रदान करने वाले अधिकारी के
हस्ताक्षर और पूरा पदनाम।

(क) यहां नाम और पूरा पता विनिर्दिष्ट करें।

(ख) यहां मात्रा/वजन विनिर्दिष्ट करें।

विनिर्मित औषध प्ररूप-III

(नियम 44 देखिए)

(तीसरी प्रति)

(गंतव्य के जिला कलैक्टर को भेजी जाएगी)

निर्मित अफीम से भिन्न, विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक निर्यात के लिए पास

संख्या तारीख 19.

(क) अनुज्ञप्त औषध विक्रेता/अनुज्ञप्त रमायनज्ञ को, जो

(ख) औषधीय कैनविस/औषधीय अफीम/कोका व्युत्पाद/अफीम

व्युत्पाद/पोपी स्ट्रॉ सांन्दीकृत/अन्य विनिर्मित औषध (नाम)

कब्जे में रखने के लिए प्राधिकृत है, एतद्वारा उसके अनुज्ञप्त परिसर से

. के अनुज्ञप्त परिसर को

(घ) का अन्तरराज्यिक निर्यात करने के

लिए प्राधिकृत किया जाता है।

यह पास उन औषधियों के प्रेषण के साथ ले जाया जाएगा जिनके अन्तरराज्यिक निर्यात किया जाना आशयित है, और यह तक चालू है।

इस पास की एक प्रति अनुज्ञप्त परिसर में फाईल में रखी जानी अनिवार्य है।

पास प्रदान करने वाले अधिकारी के
हस्ताक्षर और पूरा पदनाम।

(क) यहां नाम और पूरा पता विनिर्दिष्ट करें।

(ख) यहां मात्रा/वजन विनिर्दिष्ट करें।

विनिर्मित औषध प्ररूप-IV

(नियम 44 देखें)

(मूल पधिका)

(कार्यालय में रखी जाएगी)

निर्मित अफीम के भिन्न, विनिर्मित औषधियों के परिवहन के लिए पास।

संख्या तारीख 19

- (क) अनुज्ञप्त औषध विक्रेता अनुज्ञप्त रसायनज्ञ को, जो
 (ख) का अन्तरराज्यिक निर्यात करने के लिए
 प्राधिकृत किया जाता है।

इस पास की एक प्रति उन औषधियों के प्रेषण के साथ ले जाई जाएगी जिनका परिवहन किया जाना आणयित
 है, और यह तक चालू है।

इस पास की एक प्रति अनुज्ञप्त परिसर में फाईल में रखी जानी अनिवार्य है।

(पास प्रदान करने वाले अधिकारी के
 हस्ताक्षर और पूरा पदनाम)

(क) यहां नाम और पूरा पता विनिर्दिष्ट करें।

(ख) यहां माता/वजन विनिर्दिष्ट करें।

विनिर्मित औषध प्ररूप-IV

(नियम 44 देखें)

(दुसरी प्रति)

(कार्यालय में रखी जाएगी)

निर्मित अफीम के भिन्न, विनिर्मित औषधियों के परिवहन के लिए पास।

संख्या तारीख 19

- (क) अनुज्ञप्त औषध विक्रेता/अनुज्ञप्त रसायनज्ञ को, जो
 (ख) का अन्तरराज्यिक निर्यात करने के लिए
 प्राधिकृत किया जाता है।

इस पास की एक प्रति उन औषधियों के प्रेषण के साथ ले जाई जाएगी जिनका परिवहन किया जाना

आशयित है, और यह तक चालू है।

उस पास की एक प्रति अनुज्ञप्त परिमर में फाईल में रखी जानी अनिवार्य है।

(पास प्रदान करने वाले अधिकारी
के हस्ताक्षर और पूरा पदनाम)

(क) यहाँ नाम और पूरा पता विनिर्दिष्ट करें।

(ख) यहाँ मात्रा/वजन विनिर्दिष्ट करें।

विनिर्मित औषध प्रत्य-III

(नियम 44 देखिए)

(तीसरी प्रति)

(गंनव्य के जिला कर्नकटर को भेजी जाएगी)

निर्मित अफीम में भिन्न, विनिर्मित औषधियों के अन्तरराज्यिक नियमित के लिए पास

संख्या तारीख 19

(क) अनुज्ञप्त औषध विक्रेता/अनुज्ञप्त रसायनज्ञ को,

(ख) औषधीय कैनविम/औषधीय अफीम/कोका व्युत्पाद/अफीम

जो व्युत्पाद/पोपी स्ट्रॉ सांस्त्रीकृत/अन्य विनिर्मित औषध (नाम)

कब्जे में रखने के लिए प्राधिकृत है, एतद्वारा उसके अनुज्ञप्त परिमर से

. के अनुज्ञप्त परिमर को

(ख) का अन्तरराज्यिक निर्यात करने के लिए प्राधिकृत

किया जाता है।

यह पास उन औषधियों के प्रेषण के साध ले जाया जाएगा जिनके अन्तरराज्यिक निर्यात किया जाना आशयित है, और यह तक चालू है।

इस पास की एक प्रति अनुज्ञप्त परिमर में फाईल में रखी जानी अनिवार्य है।

पास प्रदान करने वाले अधिकारी के
हस्ताक्षर और पूरा पदनाम

(क) यहां नाम और पूरा पता विनिर्दिष्ट करें।

(ख) यहां मात्रा/वजन विनिर्दिष्ट करें।

विनिर्मित औषध प्ररूप-IV

(नियम 44 देखें)

(तीसरी प्रति)

(गन्तव्य के जिला के प्रभारी सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या आवकारी एवं कराधान अधिकारी को भेजा जाएगा) ।

निर्मित अफीम से भिन्न, विनिर्मित औषधियों के परिवहन के लिए पास ।

संख्या तारीख 19...

(क) अनुज्ञप्त औषध विक्रेता/अनुज्ञप्त रसायनज्ञ को; जो

(ख) औषधीय कैंबिस औषधीय अफीम/कोका व्युत्पाद/ अफीम व्युत्पाद/पोपी स्ट्रॉ सान्द्राकृत/अन्य विनिर्मित औषध (नाम) कब्जे में रखन के लिए प्राधिकृत है, एतद्वारा उसके अनुज्ञप्त परिसर से के अनुज्ञप्त परिसर को

(ख) का अन्तरराज्यिक निर्यात करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

इस पास की एक प्रति उन औषधियों के प्रेषण के साथ ले जाई जाएगी जिसको परिवहन किया जाना आशयित है, और यह तक चालू है ।

इस पास की एक प्रति अनुज्ञप्ति परिसर में रखी जाएगी ।

(पास प्रदान करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर और पूरा पदनाम)

(क) यहां नाम और पूरा पता विनिर्दिष्ट करें ।

(ख) यहां मात्रा/वजन विनिर्दिष्ट करें ।

विनिर्मित औषध प्ररूप-V

(नियम 49 देखें)

औषध विक्रेता को अनुज्ञप्ति

जिला ।

अनुज्ञप्ति की संख्या

अनुज्ञप्तिधारी का नाम और विवरण ।

विक्रय परिसर का परिक्षेत्र

उपरिवागिन व्यक्ति को, और जिसे हमें इसके पश्चात् अनुज्ञप्तिधारी कहा गया है, आवकारी आयुक्त द्वारा, इसमें इसके पश्चात् निर्दिष्ट "औषधियों" को अपने कब्जे में रखने और विक्रय करने के लिए, इस अनुज्ञप्ति की तारीख से मार्च 19... के 31 वें दिन तक, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, एतद्वारा प्राधिकृत किया जाता है :—

- (1) अनुज्ञप्तिधारी स्वयंके औषधियां और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 और तदधीन विरचित नियमों के उपबन्धों द्वारा आबद्ध होगा।
- (2) अनुज्ञप्तिधारी, अपने व्यवसाय को चलाने के लिए, उस द्वारा नियोजित प्रत्येक व्यक्ति और उसके सभी कर्मचारियों के कृत्यों और लोपों के लिए उत्तरदायी होगा मानों कि उक्त कृत्य और लोप उस द्वारा स्वयं किए गए हों।
- (3) अनुज्ञप्तिधारी किसी ऐसी औषध की, जिसका विक्रय करने के लिए वह प्राधिकृत है, चिकित्सा व्यवसायी या औषधि अधिनियम, 1948 (1948 का 7) के अधीन रजिस्ट्रीकृत औषध विक्रेता से भिन्न, किसी व्यक्ति को इसके वितरण या क्रय विक्रय की अनुज्ञा नहीं देगा।
- (4) अनुज्ञप्ति धारी को केवल औषधीय प्रयोजनों के लिए, निम्नलिखित औषधियों का विक्रय करने के लिए प्राधिकृत है :—

(क) औषधीय अफीम

(ग) औषधीय कैनेबिस या औषधीय अफीम युक्त निर्मिति।

- (5) अनुज्ञप्तिधारी, किसी भी समय निम्नलिखित से अधिक मात्रा में औषधियों को अपने कब्जे में और ऊपर वर्णित परिमरों के सिवाय किसी स्थान पर, नहीं रखेगा :—

कैनेबिस

अफीम

औषधि का नाम

मात्रा

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)
- (5)
- (6)
- (7)
- (8)
- (9)

- (6) अनुज्ञप्तिधारी, उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त से विनिर्मित औषधि प्ररूप-II में आवश्यक परमिट अभिप्राप्त करने के पश्चात् औषधियों को, या तो हिमाचल प्रदेश में अनुज्ञप्त विक्रेता से या किसी अन्य राज्य के अनुज्ञप्त विक्रेता से आयात द्वारा अभिप्राप्त करेगा। डाकद्वारा उसकी अपूर्तियों का आयात पूर्ण रूप से प्रतिषिद्ध है।

- (7) अनुज्ञप्तिधारी, उस सामग्री से जिसकी वह वैध रूप से अपने कब्जे में रखने का हकदार है, औषधीय अफीम विनिमित्त करने और औषधीय कैनविस या औषधीय अफीम से युक्त किसी निमित्त को समिश्रण करने के लिए प्राधिकृत है।
- (8) अनुज्ञप्तिधारी, समस्त संव्यवहारों का सही लेखा रखेगा। ऐसे लेखों में, प्रत्येक प्राप्ति के बारे में, आपूर्ति का स्रोत और प्राप्त की गई मात्रा, और निर्यात के बारे में, प्रत्येक दिन जारी की गई मात्रा, से दर्शित की जाएगी। ऐसा लेखा, लेख में अन्तिम प्रविष्टि की तारीख से दो वर्ष से अन्यान्य अवधि के लिए परिरक्षित रखा जाएगा और उस आवकारी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा जो अनुप्राप्त परिसर का निरीक्षण करता है।
- (9) औषधियुक्त किसी पैकेज या बोतल पर, विक्रय से पहले, औषधि की मात्रा अंकित की जाएगी।
- (10) औषधियुक्त निमित्त अधिमिश्रण, निष्कर्ष या अन्य औषधियुक्त पदार्थ कवल पैकेज या बोतल में बेची जाएगी जिस पर स्पष्ट रूप से यह अंकित किया जाएगा :—
 - (क) चूर्ण, घोल या मलहम होने की दशा में पैकेज या बोतल में उसकी कुल मात्रा सहित और चूर्ण, घोल या मलहम में औषधियों की प्रतिशतता, और
 - (ख) गोणियों या अन्य वस्तुओं की दशा में, प्रत्येक वस्तु में औषध की कुल मात्रा सहित, और पैकेज या बोतल में वस्तुओं की संख्या।
- (11) इस अनुज्ञप्ति के अधीन, औषधियों के समस्त स्टाफ और संव्यवहारों के समस्त लेखों और अभिलेख आवकारी एवं कराधान विभाग के किसी भी अधिकारी द्वारा जो आवकारी और कराधान निरीक्षक से नीचे की पंक्ति का न हो और औषध नियन्त्रण विभाग के किसी भी अधिकारी द्वारा, जो औषध निरीक्षक से नीचे की पंक्ति का न हो, निरीक्षणार्थ खुले रहेंगे।
- (12) अनुज्ञप्तिधारी, आवकारी आयुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अध्यापका करने पर, अपनी अनुज्ञप्ति, संशोधन या नयी अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए परिदत्त करेगा।
- (13) अनुज्ञप्तिधारी प्रत्येक तिमाही के प्रथम दिन, उस द्वारा प्राप्त की गई औषधियों की मात्रा और उसके कब्जे में शेष मात्रा को दर्शाते हुए, सम्बन्धित जिले के प्रभारी सहायक आवकारी एवं कराधान आयुक्त या आवकारी एवं कराधान अधिकारी और हिमाचल प्रदेश औषध नियन्त्रण विभाग के औषध निरीक्षक, सही तिमाही विवरणी प्रस्तुत करेगा।
- (14) यदि इस अनुज्ञप्ति की समाप्ति या रद्दकरण पर, अफीम, औषधीय कैनविस या औषधीय अफीम का कोई स्टाक या अनुज्ञप्तिधारी के कब्जे में रह जाता है तो वह तुरन्त ऐसे स्टाक को आवकारी आयुक्त को अर्पित करेगा। यदि ऐसे स्टाक का कोई प्रभाग, जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा, मानवीय उपभोग के लिए अनुपयुक्त घोषित किया जाता है, तो उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त उस प्रभाग को तुरन्त नष्ट करवाएगा और अनुज्ञप्तिधारी ऐसी औषधि के ऐसे प्रभाग को नष्ट किए जाने के परिणाम-स्वरूप हुई किसी क्षति के प्रतिकर का दावा करने का हकदार नहीं होगा।
- (15) यदि औषधियों का कोई प्रभाग मानवीय उपभोग के लिए उपयुक्त हो तो उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त उस अफीम, औषधीय कैनविस या औषधीय अफीम की किसी भी मात्रा को, जो अन्तरित द्वारा दो मास के भीतर विक्रय की जाने वाली सम्भाव्य मात्रा से अधिक न हो, बनने वाले अनुज्ञप्त विक्रेता को

जो पूर्व अनुज्ञप्तिधारी का स्थान ले रहा है, के हवाले कर देगा, यदि पश्चातवर्ती ने प्रश्नगत औषधियाँ उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त, या जिले के किसी अन्य अनुज्ञप्त विक्रेता को अर्पित की हों।

- (16) अनुज्ञप्तिधारी, औषधियों के किसी ऐसे प्रभाग को, आवकारी आयुक्त या उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त से, जो उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त की राय में दो मास की आपूर्ति से अधिक न हो, ऐसी कीमत पर जो उस द्वारा अवधारित की जाएगी, प्रतिग्रहण करने के लिए बाध्य होगा। यह कीमत पूर्ववर्ती अनुज्ञप्तिधारी को संदत्त की जाएगी, यदि उसने प्रश्नगत औषधियों उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त को अर्पित की हों।

परिसर की सीमाओं को दर्शित करने वाली अनुसूची।

1. मली और मकान संख्या या अन्य विशिष्टियाँ

2. में सीमाबद्ध

उत्तर

पूर्व

दक्षिण

पश्चिम

स्थान

तारीख

आवकारी आयुक्त,
हिमाचल प्रदेश।

टिप्पणी.—इस अनुज्ञप्तिपत्र की एक प्रति, अनुज्ञप्तिधारी को दी जाएगी और एक प्रति उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त द्वारा अपने पास रखी जाएगी।

विनिमित्त औषध प्ररूप-6

(नियम 50 देखें)

रसायनज्ञ की अनुज्ञप्ति

जिला

अनुज्ञप्ति संख्या

नाम और अनुज्ञप्ति का विवरण

विक्रय परिसर का परिक्षेत्र

यह नामित व्यक्ति को और जिसे इसमें इसके पश्चात अनुज्ञप्तिधारी कहा गया है, एतद्वारा :—

(क) कोका व्युत्पाद।

(ख) फनयथरी एलकलॉयड्स (प्रत्येक को उपदर्शित करें)

(ग) डायामिटिलमोर्फन (हिरोइन)

(घ) 0.2 प्रतिशत से अधिक मारफिन से या डायामिटिलमोर्फन से युक्त सभी निमित्तियाँ।

(ड) पोपी स्ट्रॉ सांद्रोक्त

(ध) कोई अन्य स्वायत्त पदार्थ निर्मित जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्मित औषधि घोषित की गई हो ;

को जिसे इसमें पश्चात् "औषधि" निर्दिष्ट किया गया है, इस अनुज्ञप्ति की तारीख से 19 के मार्च के 31वें दिन अपने कब्जे में रखने और विक्रय करने के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए प्राधिकृत है:—

1. अनुज्ञप्तिधारी स्वायत्त औषधियाँ और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 और उसके अधीन विरचित नियमों के उपबन्धों द्वारा आबद्ध होगा।

2. अनुज्ञप्तिधारी अपने कारगर को चलाने के लिए नियोजित प्रत्येक व्यक्ति और उसके सभी कर्मचारियों के, कुत्तों और लोपों के लिए उत्तरदायी होगा, मानों कि उक्त कुत्त और लोप उस द्वारा स्वयं किए गए हों।

3. अनुज्ञप्तिधारी किसी ऐसी औषधि को, जिसका विक्रय करने के लिए वह प्राधिकृत है; फारमसी ऐक्ट, 1948 (1948 का 7) के अधीन रजिस्ट्रीकृत औषधि विक्रेता या चिकित्सा व्यवसायी से भिन्न किसी व्यक्ति को इसका वितरण या क्रय विक्रय की अनुमति नहीं देगा।

4. अनुज्ञप्तिधारी, निम्नलिखित व्यक्तियों को केवल ऐसी मात्रा में ही औषधियों का विक्रय करने के लिए प्राधिकृत है। जितनी वे अपने कब्जे में रखने के हकदार हैं:—

(क) चिकित्सा व्यवसायी ;

(ख) इन नियमों या किसी राज्य में तत्समय प्रवृत्त नियमों के अधीन अनुज्ञप्त, अनुज्ञप्त रसायनज्ञ ;

(ग) हिमाचल प्रदेश स्वायत्त औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ नियम, 1989 के नियम 21 या तत्समय प्रवृत्त किन्हीं अन्य तत्स्थानी नियमों के अधीन प्राधिकृत कोई व्यक्ति ;

(घ) चिकित्सा व्यवसायी के औषध-पत्र का धारक कोई व्यक्ति :

परन्तु औषधियाँ, किसी भी ऐसे व्यक्ति को परिदत्त नहीं की जाएंगी जो अनुज्ञप्त या अन्यथा औषधियाँ अपने कब्जे में रखने के लिए प्राधिकृत नहीं है, जिसका ऐसे अनुज्ञप्त या प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से, औषधियाँ प्राप्त करने के लिए उनके द्वारा हस्ताक्षरित, लिखित प्राधिकार प्रस्तुत नहीं करता है और जब तक अनुज्ञप्तिधारक को संतुष्टि नहीं हो जाती है, का प्राधिकार बरतली है।

5. अनुज्ञप्तिधारी ऊपर वर्णित परिसर के सिवाए किसी अन्य स्थान पर औषधियों का विक्रय नहीं करेगा या नहीं रखेगा।

6. अनुज्ञप्तिधारी, किसी भी समय निम्नलिखित मात्रा से अधिक मात्रा में औषधियाँ, अपने कब्जे में नहीं रखेगा :—

(क) कोका व्युत्पाद

(ख) फैनथरीन एल्कलॉइड्स (प्रत्येक उपदर्शित करें)

(ग) डायसिटालमॉर्फिन (हेरोइन)

(घ) 0.2 प्रतिशत से अधिक मोरफिन या दायसिटो मॉर्फिन से युक्त सभी निमित्तियाँ

(ड) पोपी स्ट्रॉ सांद्रोक्त

(च) कोई अन्य स्वायत्त पदार्थ निर्मित जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्मित औषधि घोषित की गई हो
(आवकारी आयुक्त द्वारा, यहाँ मात्रा दर्ज की जाएगी)।

7. अनुज्ञप्तिधारी उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त से विनिर्मित औषध प्ररूप-II में आवश्यक परमिट अभिप्राप्त करने के पश्चात् औषधियों को अपनी आपूर्ति या सीधे आयात द्वारा अन्य राज्य से या हिमाचल प्रदेश में अन्य अनुज्ञप्त विक्रेता से अभिप्राप्त करेगा। औषधियों का डाक द्वारा आयात, पूर्ण रूप से प्रतिषिद्ध है।

8. अनुज्ञप्तिधारी उस सामग्री में जिसे वह वैध रूप से अपने कब्जे में रखने का हकदार है, मारफिन, डाय-स्टीलमारफीन या कोकीन से युक्त किसी निमित्त का सम्मिश्रण बनाने के लिए प्राधिकृत है।

9. औषध पत्र में सुस्वा देने वाले व्यक्ति, फर्म या निगमित निकाय का नाम, वह परिसर जहां और वह तारीख जिसकी वह सुस्वा दिया गया, दर्ज करने अनिवार्य है।

10. औषधियां बितरित करने के लिए सभी औषध-पत्र, विनिर्मित औषध प्ररूप 1/1 में लिखे जायेंगे और अनुज्ञप्ति-धारी का यह उतरदायित्व होगा कि औषध पत्र जिनके प्राधिकार पर औषधियों का विक्रय किया जाना है, इस प्ररूप में बनाए जाएं।

11. (1) अनुज्ञप्तिधारी, ऐसी मात्रा में और केवल ऐसे व्यक्तियों को उपभोग के लिए औषधियां ब्रेकेगा जो औषध पत्र में विनिर्दिष्ट किए जाएं:

(2) यदि औषध-पत्र में किसी चिकित्सा व्यवसायी द्वारा यह उपरिलेखन न किया गया हो कि यह दुहराई जानी है और समय के किस अन्तराल पर यह दुहराई जानी है और यह कितनी बार दोहराई जानी है तो वह ऐसे औषध-पत्र पर कवल एक बार ही औषधि विव्रय करेगा और औषध पत्र को अपने पास रखेगा:

परन्तु वह औषध-पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति को पहले चेतावनी दे देगा कि यदि इस पर अपेक्षित उपरि-लेखन नहीं होगा तो यह रख लिया जाएगा।

(3) यदि औषध पत्र पर अपेक्षित उपरिलेखन हो तो वह औषध पत्र में विक्रय की तारीख दर्ज करेगा और शर्त 9 में अधिकथित विशिष्टियों को देते हुए औषध पत्र पर हस्ताक्षर करेगा और मोहर लगाएगा:

परन्तु यदि यह प्रतीत होता है कि औषध पर औषध पहले ही छः बार या उतनी बार जितनी बार औषध दुहराई जानी है, पहले ही दो बार चुकी है या औषध पत्र में विनिर्दिष्ट अन्तराल, तबसे जब पिछली बार औषधि दी गई थी समाप्त नहीं हुआ है, तो वह ऐसे औषध पत्र पर तब तक औषधि को विक्रय नहीं करेगा जब तक चिकित्सा व्यवसायी द्वारा इस पर आगे उपरिलेखन नहीं दिया जाता।

12. औषध-पत्र पर से अन्यथा, प्रत्येक विक्रय की दशा में, अनुज्ञप्तिधारी, प्रेषण के गंतव्य तक निर्यात या परिवहन की व्यवस्था करने के लिए, यथास्थिति, विनिर्मित औषध प्ररूप-III या विनिर्मित औषध प्ररूप III में पास अधिप्राय करेगा।

13. अनुज्ञप्तिधारी समस्त संव्यवहारों का सही लेखा रखेगा। ऐसे लेखों में प्रत्येक प्राप्ति के बारे में आपूर्ति का स्रोत और प्राप्ति की गई मात्रा और प्रत्येक निर्गमन के बारे में जारी की गई मात्रा और ऐसे व्यक्ति का नाम और पता जिसे मात्रा जारी की गई है, दर्शित की जाएगी। वह अपनी प्राप्तियों के लेखों के समर्थन में निर्यात या परिवहन पास और अपने निर्गमन के लेखों के बारे में, मूल औषध-पत्र जिस पर वे बनाए गए हैं और औषध-पत्र से अन्यथा किए गए निर्गमन के बारे में उन व्यक्तियों की रसीदें जिनको निर्गमन किया गया है, फाईल में रखेगा। ऐसे लेख और दस्तावेज, लेखों में, अन्तिम प्रविष्टि की तारीख से दो वर्ष से अन्यून अवधि के लिए परिक्षित रखे जाएंगे।

14. (क): कोकन, मनोरंजन या डायसेटाईल मारफिन युक्त निमित्तियों के विषय में बोतलों, फाईलज, पैकेज या निमित्तियों के अन्य पात्र या इन पर चिपकाए गए लेबलों पर या तो स्पष्ट रूप से प्रत्येक पात्र में रखी औषधियों की वास्तविक मात्रा दर्शायी जाएगी या पर्याप्त, विशिष्टियां दी जाएंगी जिससे ऐसी मात्रा की गणना सुगमता से की जा सके।

(ख) औषधि युक्त पैकेज या बोतल की बिक्री में पहले, पैकेज या बोतल पर औषधियों की मात्रा अंकित की जाएगी।

(ग) कोई निमित्त, सम्मिश्रण, निष्कर्षण या इन औषधियों से युक्त कोई अन्य पदार्थ केवल पैकेज या बोतल में विक्रय किया जाएगा जिस पर स्पष्ट रूप से अंकित किया जाएगा —

(1) चूर्ण घोल या मरहम की दशा में उसके पैकेज या बोतल में कूल मात्रा सहित, और चूर्ण घोल या मरहम में औषधियों की प्रतिशतता, और

- (2) टैबलाईड या अन्य इसी प्रकार की निमित्तियों की दशा में प्रत्येक टैबलाईड या इसी प्रकार की अन्य निमित्तियों में औषधियों की मात्रा सहित और पैकज या बोतल में टैबलाईडज या अन्य इसी प्रकार की निमित्तियों की संख्या।

15. कोकीन, मारफिन या डायसेटाइल मारफिन और उनकी निमित्तियां या अन्य विनिर्मित औषधियों के समस्त स्टॉक, और अनुज्ञप्ति के अधीन संचयन के समस्त लेज और अभिलेख आदिकारी एवं कराधान विभाग के किसी भी अधिकारी द्वारा, जो निरीक्षक की पक्ष से नीचे का न हो, और औषध नियन्त्रण विभाग के किसी अधिकारी द्वारा जो औषध निरीक्षक की पक्ष से नीचे का न हो, निरीक्षणार्थ खुले रहेंगे।

16. अनुज्ञप्तिधारी, अधिकारी आयुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अध्यापेक्षा पर, अपनी अनुज्ञप्ति, संशोधन या नयी अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए परिदत्त करेगा।

17. अनुज्ञप्तिधारी, प्रत्येक तिमाही के प्रथम दिन को पूर्ववर्ती तिमाही के दौरान उस द्वारा प्राप्त की गई औषधियों की मात्रा, उसके द्वारा विक्रय की गई मात्रा और उसके कब्जे में शेष मात्रा को दर्शाते हुए, सम्बन्धित जिले के प्रभारी सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या आबकारी एवं कराधान अधिकारी और औषध नियन्त्रण विभाग, हिमाचल प्रदेश के औषध निरीक्षक को, सही तिमाही विवरणी प्रस्तुत करेगा।

18. यदि इस अनुज्ञप्ति की समाप्ति या रद्दकरण पर औषधियों का कोई स्टॉक अनुज्ञप्तिधारी के पास रह जाता है, तो वह तुरन्त ऐसे स्टॉक को, उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त को अभ्यर्पित करेगा यदि ऐसे स्टॉकों का कोई प्रभाग, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा माननीय उपभोग के लिए अनुपयुक्त घोषित किया जाता है, तो उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, उस प्रभाग को तुरन्त नष्ट करवायेगा और अनुज्ञप्तिधारी औषधियों के ऐसे भाग के नष्ट किये जाने के परिणामस्वरूप हुई क्षति के प्रतिकर का दावा करने का हकदार नहीं होगा।

19. यदि औषधियों का कोई प्रभाग माननीय उपभोग के लिए उपयुक्त है, तो उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, औषधियों के ऐसे प्रयोग की किसी भी मात्रा को, जो अन्तरित द्वारा दो मास के भीतर विक्रय की जाने वाली सम्भाव्य मात्रा के अधिक न हो, बनने वाले अनुज्ञप्त विक्रेता को, जो अनुज्ञप्तिधारी का स्थान ले रहा हो, के हवाले कर देगा यदि पश्चात्पूर्व प्रश्नगत औषधियों, उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, की या जिले के किसी अन्य अनुज्ञप्त विक्रेता को अभ्यर्पित की हों।

20. अनुज्ञप्तिधारी, औषधियों के किसी ऐसे भाग को, उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त से, जो उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त, की राय में दो मास की आपूर्ति से अधिक की न हो, ऐसी कीमत पर जो उस द्वारा अवधारित की जायेगी, प्राप्तिग्रहण करने के लिए बाध्य होगा। यह कीमत उस अनुज्ञप्तिधारी की मंदत की जाएगी जिसने प्रश्नगत औषधियों, उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त को अभ्यर्पित की हों।

परिवर की सीमाओं को दर्शित करने वाली अनुसूची

1. गली और मकान संख्या या अन्य विशिष्टियां

2. में सीमा वद्ध

उत्तर

दक्षिण

पूर्व

पश्चिम

स्थान

तारीख

आवकारी आयुक्त,
हिमाचल प्रदेश ।

टिप्पणी.—इस अनुज्ञप्ति की एक प्रति अनुज्ञप्तिधारी को दी जाएगी और एक प्रति उप-आवकारी एवं कराधान आयुक्त द्वारा रखी जाएगी ।

विनिर्मित औषध प्ररूप-7
(नियम 49 और 58 देखें)

(चिकित्सा व्यवसायी द्वारा प्रयोग किये जाने वाले औषधपत्र का प्ररूप)

दोहराई नहीं जायेगी

..... दिनों के अन्तराल पर दोहराई जाएगी ।

(1) उस व्यक्ति का नाम और विवरण जिसको औषध-पत्र जारी किया गया है

(2) की जाने वाली औषध का विवरण

(3) की जाने वाली औषध की मात्रा

पता

तारीख

चिकित्सा व्यवसायी का पूरा
नाम अर्हता और हस्ताक्षर

दो विकल्पों में से एक को काटिये । इस औषध-पत्र के प्राधिकार पर, इस औषध-पत्र के धारण को दस बार से अधिक, औषध का प्रदाय नहीं किया जाएगा ।

औषध का वितरण करने वाले
व्यक्ति (या फर्म) का नाम

नाम

परिसर का पता

तारीख

विनिर्मित औषध प्ररूप-8

(नियम 47 देखें)

विनिर्मित औषधियां कब्जे में रखने के लिए, अनुज्ञा प्राप्त चिकित्सा व्यवसायी रखे जाने वाले रजिस्टर का प्ररूप

तारीख और मास	उस अनुज्ञप्ति धारक का नाम और पता जिससे औषधि खरीदी गई थी	खरीदी गई मात्रा	दी गई औषधि की मात्रा	रोगी का नाम और पता	अतिशेष	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7

टिप्पणी.—प्रत्येक वर्ग की औषधि के लिए पृथक पृष्ठ आनहित किया जाएगा।

(जिले के प्रभारी सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या आबकारी एवं कराधान अधिकारी द्वारा बनाए रखने के लिए)

विनिर्मित औषध प्ररूप-9

[नियम 45 (3) देखें]

उन चिकित्सा व्यवसायियों की विशिष्टियां दर्शाने वाला रजिस्टर, जो अपने चिकित्सा व्यवसाय में प्रयोग करने के लिए, और बिक्री के लिए नहीं, निर्मित अफीम से भिन्न, विनिर्मित औषधियों को अपने कब्जे में रखने के लिए जिना के आबकारी एवं कराधान आयुक्त या आबकारी एवं कराधान अधिकारी के पास रजिस्ट्रीकृत हैं।

आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा चिकित्सा व्यवसायी की आर्बिटल रजिस्ट्रेशन संख्या	चिकित्सा व्यवसायी का नाम, पता और अन्य विशिष्टियां	चिकित्सा रजिस्ट्रेशन संख्या	बाजार/गली/मुहल्ले का नाम जहाँ दुकान स्थित है	ग्राम/कस्बा/शहर का नाम जहाँ दुकान स्थित है	तहसील और जिले का नाम	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7

विनिमित औषधि प्ररूप-10

[नियम 45 (3) देखें]

चिकित्सा व्यवसायी को जारी किया जाने वाला "रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र"

प्रमाणित किया जाता है कि.....

(1) श्री.....

(2) सुपुत्र.....

(3) परिक्षित.....

(4) चिकित्सा रजिस्ट्रेशन संख्या.....

को हिमाचल प्रदेश स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ नियम, 1989 के उपबन्धों के अनुसार इस जिले में रजिस्ट्रीकृत किया गया है और जिले के विनिमित औषध प्ररूप—X में निहित रजिस्टर में, उसकी रजिस्ट्रेशन संख्या..... है।

मोहर :-

सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त/
आबकारी एवं कराधान अधिकारी
जिला.....

टिप्पणी.—यह प्रमाण-पत्र, चिकित्सा व्यवसायी द्वारा आकारी अधिकारी की मांग पर निरीक्षण के लिए प्रस्तुत किया जायेगा।

[Authoritative English text of Notification No. EXN.14-7/75-Pt.II, dated 31st May, 1989 is hereby published in Rajpatra, Himachal Pradesh, as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

[Shimla-2, the 1st June, 1989

No. EXN-14-7/75-Pt.II.—In exercise of the powers conferred by sections 10, 65 and 71 read with section 78 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (Act No. 61 of 1985), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules, namely:—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. *Short title and commencement.*—(a) These rules may be called the Himachal Pradesh Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Rules, 1989.

(b) These rules shall come into force at once.

2. *Definitions.*—In these rules, unless there is anything repugnant to the subject or context:—

- (1) "Act" means the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985;
- (2) "Chief Medical Officer" means the Chief Medical Officer of a district or such other Officer as is authorised by the Government to perform the duties of Chief Medical Officer;
- (3) "Collector" includes any authority appointed by the Government, by notification in the official gazette, to perform all or any of the functions of the collector under the Punjab Excise Act, 1914;
- (4) "Deputy Excise and Taxation Commissioner" means the person appointed as such, to assist the Excise Commissioner, in relation to the districts or areas under his charge and also includes such other officer of the Excise and Taxation Department not below the rank of the Deputy Excise and Taxation Commissioner;
- (5) "Excise Commissioner" means the officer appointed by the State Government under section 9 of the Punjab Excise Act, 1914 (1 of 1914);
- (6) "Excise Officer" means and includes every officer invested with the powers of an Excise Officer under the Punjab Excise Act, 1914;
- (7) "form" means a form appended to these rules;
- (8) "license" means a license granted under these rules;
- (9) "licensed chemist" means a person who has obtained a licence for the possession compounding and sale of coca derivatives and opium derivatives;
- (10) "licensed druggist" means a person licensed to dispense or to keep a shop for the sale of medicinal cannabis or medicinal opium intended for use as medicine and for the manufacture of medicinal opium;
- (11) "medical practitioner" means a person holding a qualification granted by an authority specified or notified under section 3 of the Indian Medical Degrees Act, 1916 (VII of 1916) or the Patiala Medical Degrees Act, 1999 (Act, No. III of 1999 B. K.), or specified in the Schedules to the Indian Medical Council Act, 1956 (Parliament Act No. 102 of 1956) and the Dentist Act, 1948 (XVI of 1948) or a person registered in a medical register of the State of Himachal Pradesh meant for registration of persons practising Allopathic or Unani or Ayurvedic Systems of medicine;
- (12) "pass" means a pass granted under these rules;
- (13) "permit" means a permit granted under these rules;
- (14) "prescription" means prescription given by a medical practitioner to a patient for the supply of medicinal opium or coca-derivatives or opium derivatives;

- (15) "State Government" or "Government" mean the Government of Himachal Pradesh;
- (16) "the medical board" or "Medical Officer" means a Medical Board constituted, or Medical Officer appointed, by the Chief Medical Officer of the district concerned, for recommending the grant of permits for oral consumption of opium on medical grounds; and
- (17) another words and expressions used and not defined herein, but defined in the Act, shall have the same meaning as respectively assigned to them in the Act.

CHAPTER II

[Rules prescribed under section 19 (1) (a) (i) and (ii) and section 71 of the Act]

POSSESSION, TRANSPORT, INTER-STATE IMPORT, INTER-STATE EXPORT, WAREHOUSING, SALE, PURCHASE, CONSUMPTION AND USE OF POPPY STRAW OR OPIUM

3. *Possession without permit prohibited.*—The possession of poppy straw or opium in any quantity by any person except under and in accordance with the conditions of his permit, granted under these rules or under an appropriate license or permit granted, under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (C 61 of 1985) or the Medicinal and toilet Preparations (Excise Duties) Act, 1955 (16 of 1955), is prohibited.

4. *Possession by Government Officer.*—Any officer of the State Government may, as such, possess poppy straw or opium in any form, which has come into his possession in the course of his official duties:

Provided that such officer shall dispose of poppy straw or opium in such manner, as may be directed by his superior officer or required by the orders made or instructions given by the Government in this behalf.

5. *Possession on medical grounds.*—(1) Any person desiring to possess opium for personal oral consumption on medical grounds only shall make an application for a permit to the Chief Medical Officer of the district concerned in this behalf.

(2) On receipt of an application, under sub-rule (1), the Chief Medical Officer shall make such enquiries as he deems necessary and if he is satisfied that there is no objection to the grant of a permit applied for, he may, subject to the orders of the Excise Commissioner, if any, grant the applicant a permit in Form OP-II after obtaining the recommendations of the Medical Board or the Medical Officer, as the case may be, appointed in that behalf on payment of a fee of one rupee.

6. *Quantity of opium for which permit will be issued.*—A permit in Form OP-I under sub-rule (2) of rule 5 of these rules shall be granted in respect of such quantity of opium as may be recommended by the Medical Board or the Medical Officer, as the case may be, in accordance with the orders and directions issued by the Excise Commissioner, from time to time :

Provided that the aggregate quantity of opium purchased by a permit holder in a month shall not exceed 25 grams and the quantity possessed at any one time shall not exceed 5 grams or as may be fixed from time to time by the Excise Commissioner.

7. *Possession limit of poppy straw.*—The limit of possession of poppy straw shall be fixed by the Excise Commissioner in each case from time to time.

8. *Transport of poppy straw or opium.*—(1) Any person desirous of transporting poppy straw or opium which he is authorised to possess shall apply for the grant of a pass to the Assistant

Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer, the Incharge of the district concerned, who shall issue a transport pass in Form OP-IV:

Provided that no such pass shall be necessary where transport of opium is permitted under the permit in Form OP-I granted under these rules.

(2) For being stored at the depots located in Government-owned hospitals or dispensaries, opium shall be transported from the treasuries from time to time according to the requirements intimated by the Chief Medical Officer to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer, in-charge of the district, who shall issue a transport pass in Form OP-II for the purpose.

9. *Extention of transportation time.*—The Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer of any district, through which a consignment of poppy straw or opium may be passing under the cover of a transport pass, may on due cause being shown by the consignor, consignee or person-in-charge of the consignment, extend the period for which such pass is to remain in force. Every extension of time so granted shall be endorsed upon the pass by the officer granting it and every such endorsement shall be dated and signed by him.

10. *Examination and weighment etc. of poppy straw or opium.*—(1) The poppy straw or opium transported under the cover of a pass shall, on arrival within the limits of a tehsil of district in which its place of destination is situated, be taken for examination and weighing direct to the office designated in the transport pass in that behalf.

(2) On arrival at such office, the consignee or person-in-charge of the consignment shall deliver up his copy of the transport pass alongwith poppy straw or opium in his possession :—

- (a) to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer-In-charge or other Excise Officers deputed by him to examine and weigh such consignment under transport if the office be at the headquarters of district; and
- (b) to the Excise Inspector concerned if the office be at the headquarters of a tehsil and if there is no Excise Inspector, the Tehsildar or any other officer deputed by the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer, Incharge of the district to examine and weight such consignment.

11. *Opening of packets during transport.*—No packet containing poppy straw or opium shall be opened or tampered with during its tranportations :

Provided that nothing contained in this rule shall apply to persons holding a permit in Form OP-I.

12. *Restrictions on transport.*—No Railway administration shall :—

- (a) receive or convey poppy straw or opium which is not covered and accompanied by a transport pass, issued by an Excise Officer, duly empowered in this behalf; or
- (b) convey poppy straw or opium otherwise than by the route specified in such pass in the custody of a railway Official upto the station at which the poppy straw or opium is to be transport by the railway.

13. *Transport of opium on behalf of infirm and invalid person.*—Any person may, without any permit, purchase, possess and transport opium on behalf of an infirm or invalid person, who is physically unfit to purchase, possess and transport opium, provided that—

- (a) the infirm or invalid person holds a permit in Form OP-I; and
- (b) the person purchasing, possessing and transporting opium on behalf of the infirm or invalid person possesses a written authority in Form OP-VI from the infirm or invalid person so to do, on his behalf, and the Chief Medical Officer of the district has given his prior approval to such authorisation.

14. *Inter-State import of opium by permit holders of other States.*—Notwithstanding anything contained in rule 3 an opium addict may import into Himachal Pradesh and possess opium obtained by him on the authority of a permit issued in his favour by another State in India, to the extent of the quantity authorised in the permit, provided that :—

- (i) the opium permit holder of another State, when visiting the State of Himachal Pradesh, brings with him an opium permit as also a certificate from the excise authority of the place from where he comes, in evidence of the grant of such permit, which shall be got countersigned from the Excise Officer of the first destination of the visitor;
- (ii) such opium permit holder shall not have, in his possession, opium in excess of the quantity authorised in the permit;
- (iii) such permission shall be valid for a period not exceeding one month from the date of issue of the certificate referred to in clause (i), and if the opium permit holder prolongs his stay in the State he shall obtain a regular permit from the Chief Medical Officer of the district concerned on surrender of the permit issued in the State, from which he migrates or returns.

15. *Prohibition of import etc. by post or through bank.*—Save as otherwise provided in rule 17, nothing in these rules shall be deemed to permit the inter-State import, inter-State export or transport of poppy straw or opium by post or through a bank.

16. *Import of opium from Government Factory.*—The import of opium from the Government opium Factory at Gazipur and Neemuch shall be regulated by the rules made by the Central Government under the Act.

17. *Importance of poppy straw or opium on behalf of the State Government.*—Notwithstanding anything contained in these rules the inter-State import, inter-State export and transport of poppy straw or opium, by or on behalf the State Government may, be carried without any restrictions:

Provided that in the case of transit by post, the inter-State import, inter-State export or transport shall be subject to the following restrictions, namely :—

- (a) only parcel post may be used;
- (b) the parcel shall be accompanied by a declaration, stating the name of designator of the consignee and consignor, the contents of the parcel in detail and the indent number and the date covering the transaction;
- (c) the consignee shall show distinctly in his account books the name or designation of the consignor, and the quantity of poppy straw or opium sent to him from time to time by post.

18. *Depots for sale of opium.*—Depots for the sale of opium to the addict shall be established at such places as the Excise Commissioner may, from time to time direct, and such depots shall normally be located either in the Government owned Hospitals or Dispensaries under the direct control of the Chief Medical Officer or in the Government treasuries.

19. *Sale of poppy straw or opium by Government Officers.*—Poppy straw or opium may be sold on behalf of Government by any Government Officer, duly authorised in this behalf by the Excise Commissioner, in accordance with the directions issued by him from time to time.

20. *Supply of opium to the depots.*—Opium required for sale at the depots located in Government-owned Hospitals or Dispensaries shall be obtained from the Government treasuries specified for the purpose by the Excise Commissioner, on payment of ex-treasury issue price fixed by the Government. Government treasuries shall obtain opium from Government factory at Gazipur and Neemuch or from such other source as the State Government may direct.

21. *Sale at places other than depots prohibited.*—Opium shall not be sold to the addicts at any place other than the Depot established under rule 18 and a detailed day-to-day account of sales shall be maintained in the register in Form OP-II. The Officer-Incharge of the depot concerned shall forward to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer-Incharge of the district, in which the depot is operating, a monthly statement by the 10th of the following month in Form OP-III showing receipt, issue, and balance of opium.

22. *Purchase of opium and poppy straw.*—Purchase of opium shall be made only from, the Government opium Factories at Gazipur and Neemuch as per rules framed by the Central Government under the Act:

Provided that a registered opium addict shall purchase his fixed quantity opium only from the Government treasuries or depots specified for the purpose by the Excise Commissioner:

Provided further that poppy straw shall be purchased from the sources approved by the Excise Commissioner only by the persons authorised by him in this behalf.

23. *Consumption or use of poppy straw or opium.*—Consumption or use of poppy straw or opium for purpose other than medical or scientific purposes is prohibited in Himachal Pradesh, except to the extent provided in these rules.

24. *Depots not required to obtain licence or permit.*—Notwithstanding anything contained in the foregoing rules, no licence or permit shall be necessary for the purchase, possession and sale of opium by or on behalf of depot established under rule 18.

GENERAL PROVISIONS REGARDING TRANSPORT, INTER-STATE IMPORT AND INTER-STATE EXPORT OF POPPY STRAW OR OPIUM

25. *Packing of consignment.*—Every consignment of poppy straw or opium to be transported, imported inter-State, or exported inter-State under these rules shall be properly packed, and firmly secured and sealed so that it cannot be opened and its contents tampered with or extracted without breakage of or damage to the seals or the packing material.

26. *Inspection of consignment.*—(1) Every Deputy Excise and Taxation Commissioner and every Excise Officer of the first or second class is authorised to detain, so long as may be necessary for the inspection of the same and to inspect any consignment of poppy straw or opium in transit within his jurisdiction and to call for the production of the pass under which such poppy straw or opium are being transported, imported or exported inter-State.

(2) If upon any inspection made under the powers conferred by sub-rule (1) above, any excess or deficiency between the quantity of poppy straw or opium specified in the pass and the actual quantity contained in any parcel or package to which the pass relates is found to exist, and the consignor, consignee or person-in charge thereof cannot satisfactorily account for such excess or deficiency, the fact shall forthwith be reported to the Deputy Excise and Taxation Commissioner holding charge of the district or any area in which such inspection is made, and pending the orders of the Deputy Excise and Taxation Commissioner the parcel or package in question shall be detained by the inspecting officer.

(3) If at the time any quantity of poppy straw or opium, is weighed under the provisions of rule 10(2) or in the course of examination made under the provisions of rule 10(1) and inspection under rule 26 (2) any deficiency between the quantity specified in the pass and the actual quantity contained in any parcel or package to which the pass relates, is found to exist, such allowance on account of dryage shall be made in reduction of that deficiency as may, from time to time, be fixed by the Excise Commissioner in that behalf.

27. *Seizure of poppy straw or opium during transit by rail.*—Any consignment of poppy straw or opium in the course of transit by rail, which is not covered by a pass, issued under these rules, or is not being transported in accordance with any other rules or law, relating to poppy straw or opium, for the time being in force, the same shall be seized and detained by the railway police or excise officer, as the case may be.

28. *Duration of permit.*—No permit shall be granted under the provisions of this chapter for any period beyond the 31st of March, next following the date of commencement of the permit.

CHAPTER-III

(Rule prescribed under sections 10 (1) (a) (iii), and 10(2) of the Act)

CULTIVATION OF CANNABIS PLANT AND PRODUCTION, MANUFACTURE, POSSESSION, TRANSPORT, INTER-STATE IMPORT, INTER-STATE EXPORT, SALE, PURCHASE, CONSUMPTION OR USE OF CANNABIS (EXCLUDING CHARAS)

29. *Cultivation of cannabis plant.*—The cultivation of cannabis plant, as provided in the Act, shall be subject to such restrictions and conditions and in such areas, as may be specified by orders issued by the Government from time to time.

30. *Production and manufacturing of cannabis.*—Production and manufacture of cannabis (excluding charas) shall be subject to the orders issued by the Government in this behalf from time to time.

31. *Prohibition of inter-State import or export, possession, etc. of Ganja.*—The import in to and export out of Himachal Pradesh, possession, transport, sale, purchase, consumption or use of Ganja by any person is prohibited except under the orders of the Government issued under rule 30 of these rules.

32. *Prohibition of inter-State import or export etc. of Charas.*—The import into and export out of Himachal Pradesh, possession, transport, sale, purchase, consumption or use of Charas or any preparation or admixture thereof, by any person is prohibited.

33. *Possession, transport etc. of Cannabis excluding Charas and Ganja.*—For the purposes of possession, transport, inter-State import, inter-State export sale, purchase, consumption or use of cannabis (excluding Charas and Ganja), the rules framed and the orders issued in relation to Bhang, from time to time under the Punjab Excise Act, 1914 (1 of 1914) shall apply *mutatis mutandis*.

CHAPTER-IV

(Rules prescribed under section 10 (1) (a) (vi) of the Act)

POSSESSION, TRANSPORT, PURCHASE, SALE, INTER-STATE IMPORT, INTER-STATE EXPORT, USE OR CONSUMPTION OF MANUFACTURED DRUGS OTHER THAN PREPARED OPIUM AND OF COCA LEAF, AND ANY PREPARATION CONTAINING ANY MANUFACTURED DRUG

34. *Possession of manufactured drugs.*—Any person may possess such quantity of medicinal cannabis or medicinal opium which may be sold to him by a licensed druggist for medicinal use. He may also possess such quantities of other manufactured drugs (excluding prepared opium)

as have been at one time dispensed and sold for his use in accordance with the provisions of these rules.

35. *Import and transport of lawfully possessed manufactured drugs.*—(1) Subject to the provisions of these rules any person may import inter-State and transport such quantities of manufactured drugs as he may lawfully possess under these rules.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), no person shall import or transport prepared opium in any quantity whatsoever.

36. *Prohibition of possession etc. of coca leaves.*—Subject to the provisions of section 9 of the Act and rules framed thereunder, the possession, transport, purchase, sale, inter-State import, inter-State export, use, or consumption of coca-leaves is prohibited in Himachal Pradesh.

37. *Restrictions on import, export or transport of manufactured drugs.*—(1) A person authorised in this behalf, by the Excise Commissioner, by order, may import inter-State, export inter-State or transport such quantity of manufactured drugs other than prepared opium, and in such manner, as may be specified, in that order.

(2) A person to whom a pass has been granted, under these rules for inter-State import, inter-State export or transport of manufactured drugs, other than prepared opium, may import state or export State such quantities of these drugs in such manner as may be specified in the pass.

(3) Every person importing inter-state, exporting inter-state manufactured drugs, other than prepared opium, shall comply with such general or special directions as may be given by the Excise commissioner.

38. *Prohibition of import etc. by post or through Bank.*—Save as otherwise provided in rule 39, nothing in these rules shall be deemed to permit the inter-State import or inter-State export or transport of manufactured drugs by post or through bank.

39. *Import etc. of manufactured drugs by or on behalf of the Government.*—Notwithstanding anything contained in these rules, the inter-State import or inter-State export or transport of manufactured drugs, other than prepared opium, by or on behalf of the State Government may be carried out without restrictions:

Provided that in the case of transit by post, the inter-State import, inter State export or transport shall be subject to the following restrictions namely :—

- (a) only parcel post may be used ;
- (b) the parcel shall be accompanied by a declaration stating, the name or designation of the consignee and consignor, the contents of the parcel in detail and the indent number and date covering the transaction; and
- (c) the consignee shall show distinctly in his account books the name or designation of the consignor, and the quantity of the drugs sent to him from time to time by post :

40. *Possession etc. of certain preparations or narcotics substances declared not to be manufactured drugs.*—All preparations containing not more than 0.2 per cent of morphine or any diacetylmorphine or 0.1 per cent of cocaine and any narcotic substance or preparation which the Central Government may, by notification in the Official Gazette issue in pursuance of a findings under any International Convention, declare not to be manufactured drugs may be imported inter-State, exported inter-State, transported, possessed, purchased, sold, consumed or used without restriction.

41. *Limited possession etc. of Codeine, Dionion, etc. by licensed chemist.*—The provisions of these rules shall not apply to the inter-State import, inter-state export, transport possession or sale

of Codeine, Dionion, and their respective salts, by a licensed chemist having the requisite facilities for processing narcotic drugs into various preparations, unless the quantity, involved in any transaction or possessed at any one time exceeds 500 grams.

42. *Form of applications for permit.*—All applications for inter-State import or transport of manufactured drugs, other than prepared opium, shall be in Form MD-I.

43. *Grant of permits to licenced chemists for import and transport of manufactured drugs.*—The Deputy Excise and Taxation-commissioner or Excise Officer Incharge of a district whom the Deputy Excise and Taxation Commissioner may in his discretion, by order authorise, may grant to a licensed druggist or licensed chemist permits in Form MD-II for the inter-State import and transport of manufactured drugs, other than prepared opium, not exceeding the quantity which such licensed druggist or chemist is entitled to possess.

44. *Grant of passes to licenced druggist or chemists for export and transport of manufactured drugs.*—The Deputy Excise and Taxation Commissioner or Excise Officer Incharge of a district whom the Deputy Excise and Taxation Commissioner may, in his discretion, by order authorise, may grant to a licensed druggist or licensed chemist passes in Form MD-III and Form ML-IV inter-State export and transport of manufactured drugs, other than prepared opium, not exceeding respectively the quantity which such a licensed druggist or chemist is entitled to possess:

Provided that export and transport passes shall not be granted except on the production of a permit signed by the competent authority of the destination.

Explanations.—An indent, for opium derivatives or coca derivatives countersigned by the Chief Medical Officer or a Head of a Civil Veterinary Department in a State shall, for the purpose of this rule, be deemed to be a permit and shall not require further countersignature.

45. *Possession of manufactured drugs by medical practitioners.*—(1) A medical practitioner may possess the following quantities or manufactured drugs, other than prepared opium, for use in his practice and not for sale:—

(i) Morphine (in all forms)	.. 2 gms.
(ii) Codeine (in all forms)	.. 2 gms.
(iii) Cocaine (in all forms)	.. 2 gms.
(iv) Methadone (in all forms)	.. 1 gm.
(v) Pethidine (in all forms)	.. 2 gms.
(vi) opium	.. 30 gms.
(vii) Other manufactured drugs	.. Quantity equiva- lent to 100 ave- rage doses as fixed by the Drugs Controller (India) from time to time :

Provided that a medical practitioner of the indigenous systems of medicines may possess only those manufactured drugs which are included in the indigenous system of medicine :

Provided further that the Deputy Excise and Taxation Commissioner may with the

prior approval of Excise Commissioner, authorise any such practitioner to possess as aforesaid any larger quantity.

Explanation.—(a) The term “use in his practice” covers only the actual direct administration of the drugs in injections, surgical operations or other emergent cases, by or in the presence of a medical practitioner.

(b) All other issues of the manufactured drugs by a medical practitioner from his dispensary will amount to sale.

(2) (i) A medical practitioner, who is permitted to possess manufactured drugs without a license under sub-rule (1), shall obtain his supplies from a licensed chemist or druggist only and shall maintain a register showing receipts as well as disposal of each drug. The registers shall be in form MD-VIII.

(ii) A separate register or a separate part of the register shall be assigned to each of the manufactured drugs and preparations.

(iii) Entries in the register must be made, on the day on which the manufactured drug is received or dispensed. It is not necessary that the medical practitioner should personally enter in the register the particulars of manufactured drugs administered by him or under his supervision but entries must be verified by him on the date of entry or on the following date. Where a medical practitioner practises at more than one premises a separate account of manufactured drugs kept at each premises shall be maintained.

(iv) Every entry required to be made and every correction of such an entry must be made in ink and no cancellation, obliteration or alteration shall be made of any entry in the register and any correction of any entry must be made by way of marginal note or foot-note, which must specify the date on which the correction is made.

(v) The stock of manufactured drugs in the possession of medical practitioner and the accounts relating thereto shall be open to inspection by an officer of the Health Department not below the rank of Chief Medical Officer of Health and an Excise Officer not below the rank of Inspector. The medical practitioner shall, if required to do so by the Deputy Excise and Taxation Commissioner submit such information relating to the transactions in manufactured drugs as may be demanded from him.

(vi) If a messenger is sent by the medical practitioner to take delivery of the manufactured drugs, the messenger must be given an authority in writing signed by him and specifying the messenger by name, to receive the drugs on his behalf. A licensed chemist and druggist is forbidden to deliver drugs to the messenger not so authorised. In emergent cases, when the medical practitioner is unable to send a signed order, the licensee may act on the oral message of a medical practitioner known to him, provided that on delivery of the drugs he receives a signed order from the medical practitioner or an undertaking that the signed order will be furnished within twenty-four hours.

(vii) The medical practitioner shall keep the drugs under lock and key.

(viii) While carrying drugs to the residence of a patient, the medical practitioner shall take full precautions for the safe custody of manufactured drugs. Thefts and losses of manufactured drugs should be reported forthwith to the nearest excise or police official available.

(ix) All records, including registers and day book, must be kept two years from the date of the last entry therein.

(3) A medical practitioner, who wishes to possess, or dispense the manufactured drugs, other than prepared opium for use in his practice and not for sale, shall get himself registered, on an application, with the Assistant excise and Taxation Commissioner or

Excise and Taxation officers Incharge of the district concerned. The full particulars of such registration shall be maintained in the register in Form MD-IX. No fee shall be charged for such registration. The Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer Incharge of a district, shall immediately after the registration of the medical practitioner, issue him, a "Registration Certificate" in Form MD-X, which shall be produced by him, on demand by any Excise Officer, for inspection.

46. *Mixing of manufactured drugs by a medical practitioner.*—(1) A medical practitioner may mix for use in his medical practice manufactured drugs which he is lawfully entitled to possess and which are required for use in the exercise of his profession.

(2) A medical practitioner who desires to distribute and sell any manufactured drugs must procure a licence under these rules.

(3) A medical practitioner of the indigenous system (s) of medicines may prescribed only those manufactured drugs which are included in the indigenous system (s) of medicines.

47. *Import and transport of manufactured drugs by a medical practitioner.*—(1) A medical practitioner may import inter-State and transport such quantities of manufactured drugs, other than prepared opium, as he may lawfully possess, save that no medical practitioner may import coca derivatives from outside Himachal Pradesh. The import of manufactured drugs by post is absolutely prohibited.

(2) The Deputy Excise and Taxation Commissioner, may, by general or special order, authorise a medical practitioner engaged in managing or supervising a hospital or dispensary, to possess, import inter-State and transport such quantities of manufactured drugs, other than prepared opium, and in such manner as may be specified in that order.

(3) The medical practitioner, authorised under sub-rule (2), shall send an application showing his annual requirements of manufactured drugs, other than prepared opium, in the case of civil hospitals or dispensaries to the Director of Health Services, Himachal Pradesh, in the case of Military Hospitals to the Senior Medical Officer-in-Charge of Military Hospitals and in the case of veterinary hospitals to the Director of Animal Husbandry, Himachal Pradesh who shall forward it to the Deputy Excise and Taxation Commissioner with his recommendation.

(4) The Deputy Excise and Taxation Commissioner shall then refer the case to the Excise Commissioner, who will issue the necessary sanction authorising the practitioner to possess specified quantity of manufactured drugs, other than prepared opium during the year.

(5) On receipt of the sanction, the medical practitioner will obtain his requirements from time to time, up to the limits of the quantities of manufactured drugs, other than prepared opium, specified therein, but if at any time, his requirements are likely to exceed the specified quantities, he shall apply for additional quantities in like manner. The annual indent shall be obtained from the same firm, from which the first requirement is obtained, and each receipt and issue shall be noted in the register in Form MD-VIII to facilitate check.

48. *Grant of permit to a medical practitioner.*—The Deputy Excise and Taxation Commissioner or Excise Officer Incharge of a district whom the Deputy Excise and Taxation Commissioner may, in his discretion, by order authorise, may, grant to a medical practitioner, a permit in Form MD-II, for inter-State import or transport, or medicinal cannabis, medicinal opium derivatives.

49. *Grant of a druggists licence and conditions thereof.*—(1) The Excise Commissioner or any other officer specially empowered by him in this behalf, may, on the recommendations of the State Drug controller, Himachal Pradesh grant to any person a druggist's licence in Form MD-V on payment of a fee of two hundred rupees and subject to the conditions specified in sub-rule (2) of this rule :

Provided that no licence in Form MD-V shall be granted to a person, who does not hold the requisite licenses under the Drugs Rules, 1945 made under the Drugs Act, 1940 (XXIII of 1940).

(2) The druggist's license in Form MD-V shall be granted subject to the following conditions:—

- (i) The licensee shall be bound by the provisions of the Act and these rules and any other rules which may, from time to time, be made under the Act ;
- (ii) the licensee shall be responsible for the acts and omissions of every person employed by him in carrying on his business and of all his servants, as if the said acts and omissions were his own ;
- (iii) the licensee shall not permit any manufactured drug, which he is authorised to sell to be dispensed or handled by any person other than a medical practitioner or a dispense registered under the Pharmacy Act, 1948 (Act, No. VII of 1948) ; and
- (iv) the licensee shall be authorised to sell the following drugs for medicinal purposes only:—
 - (a) medicinal cannabis ;
 - (b) Medicinal opium; and
 - (c) preparations containing medicinal, cannabis or medicinal opium ;
- (v) the licensee shall not have in his possession any medicinal cannabis, medicinal opium in quantities in excess of those stated in his licence, and shall not keep the same in any place except the premises described in the licence. He may also possess such quantity of opium as is specified in the licence for the manufactured of medicinal opium ;
- (vi) the licensee shall procure his supplies either from a licensed vendor in Himachal Pradesh, or by importation from a licensed vendor in some other state, after obtaining a permit in Form MD-II from the Deputy Excise and Taxation Commissioner or any other Officer empowered by the Excise Commissioner in this behalf. The importation of his supplies by post is absolutely prohibited ;
- (vii) the licensee is authorised to manufacture medicinal opium and to compound any preparation containing medicinal cannabis or medicinal opium from the materials which he is lawfully entitled to possess.
- (viii) the licensee shall maintain correct accounts of all transactions and such accounts shall show in respect of each receipt, the source of supply and the quantity received, and in respect of issues, the quantity issued each day, the original prescriptions on which they have been issued and in the case of issues made otherwise than on a prescription, receipts from the persons to whom the issues were made. Such accounts shall be preserved at least for two years from the date of the last entry in the accounts, and should be signed by any excise officer, who inspects the licensed premises ;
- (ix) any package or bottle containing drugs shall, before sale, be marked with the quantity of the drugs in the package or bottle;
- (x) a preparation, admixture, extract or other substance containing drugs shall be sold only in a package or bottle plainly marked :—
 - (a) in the case of a powder, solution or ointment, with total quantity thereof in the package or bottle and the percentage of the drugs in the powder, solution or ointment; and
 - (b) in the case of tablets or other articles, with the quantity of drugs in each article, and the number of articles in the package or bottle ;
- (xi) all stocks of the pure opium, medicinal cannabis and medicinal opium and all accounts and records of transactions under the licence shall be open to inspection by any officer of the Excise and Taxation Department, Himachal Pradesh, not below the rank of an Inspector, and any Officer of the Drugs Control Department, Himachal Pradesh not below the rank of a Drugs Inspector;
- (xii) the licensee shall, on requisition by the Excise Commissioner or any officer duly authorised by him in this behalf, deliver up his licence for amendment or for the issue of a fresh licence ;

- (xiii) the licensee shall on the first day of every quarter submit a correct quarterly statement, showing the quantity of opium, medicinal cannabis and medicinal opium received by him during the previous quarter, the quantity sold by him and the quantity remaining in his possession, to the Assistant Excise and Taxation Commissioner/Excise and Taxation Officer Incharge of the district concerned and the Drug Inspector of the Drugs Control Department, Himachal Pradesh ;
 - (xiv) If on the expiry or cancellation of the licence, any stocks of opium medicinal cannabis, medicinal opium remain in the possession of the licensee, he shall, at once, surrender these stocks to the Deputy Excise and Taxation Commissioner, or such other officer as may be authorised by the Excise Commissioner in this behalf. If any, portion of these stocks is declared by the Chief Medical Officer to be unfit for human consumption, the Deputy Excise and Taxation Commissioner shall cause forthwith that portion to be destroyed, and the licensee shall not be entitled to claim any compensation for loss resulting from the destruction of such a portion of the drugs ;
 - (xv) If any portion of the drugs is fit for human consumption, the Deputy Excise and Taxation Commissioner shall make over such opium medicinal cannabis or medicinal opium in any quantity not exceeding that which the transferee is likely to sell within two months, to the incoming licensed vendor, who is taking the place of the previous licensee if the latter has surrendered these to the Deputy Excise and Taxation Commissioner or to any other licensed vendor of the district ;
 - (xvi) the licensee shall be bound to accept from the Deputy Excise and Taxation Commissioner any portion of opium, medicinal cannabis and medicinal opium, which in the opinion of the Deputy Excise and Taxation Commissioner does not amount to more than two months' supply, at such a price as shall be determined by the Deputy Excise and Taxation Commissioner. The price shall be paid to the previous licensee, if he has surrendered the drugs in question to the Deputy Excise and Taxation Commissioner: and
 - (xvii) a licensed druggist may import inter-State, export inter-State or transport such quantity of medicinal cannabis and medicinal opium as may be specified in his licence.
- (3) (i) The Excise Commissioner shall in respect of each licence fix and shall record in the licence, the maximum quantity of medicinal cannabis or medicinal opium, which the licensee may possess at any one time for the purpose of vend or the manufacture of medicinal opium.
- (ii) A licensed druggist may, subject to the conditions of his licence, sell medicinal cannabis or medicinal opium for medicinal purpose only to the under-mentioned persons :--
- (a) a medical practitioner who is either known to the licensed druggist, or is introduced by some one known to the licensee and either signs the register in person or sends a written or signed order stating his name, address and the name and quantity of the article required. In the latter case, the licensee must satisfy himself as to the genuineness of the signatures and qualifications of the medical practitioner. In case of real emergency the licensee may act on oral message and send the drug, provided that the licensee is satisfied with the genuineness of the order and on the delivery he receives from the medicinal practitioner the signed order or an under taking that the signed order will be furnished within twenty four hours. If such signed order is not received within twenty four hours, the licensee shall forthwith report full details of the transactions to an Excise Officer not below the rank of an Excise Inspector;
 - (b) a druggist licensed under these rules or under any rules for the time being in force in any other state ;
 - (c) any other person authorised under these rules; and
 - (d) any person holding the prescriptions of a medical practitioner.

- (iii) All prescriptions for dispensing such drug shall be written down in Form MD-VII. and the licensee shall be responsible to ensure that the prescriptions on the authority of which such drugs are to be sold, are made out in that form.
- (iv) The licensee shall sell the drugs in such quantities and for the use of such persons only as may be specified in the prescription.

50. *Grant of a chemist's licence and conditions thereof.*—(1) The Excise Commissioner or any other officer specifically empowered by him in this behalf, may on the recommendation of the State Drug Controller, Himachal Pradesh; grant a Chemist's licence in Form MD-VI, to any person, on payment of a fee of rupees two hundred and subject to the conditions specified in sub-rule (2) of this rule :

Provided that no licence in form MD-VI shall be granted to a person who does not hold the requisite licence under the Drugs Rules, 1945, made under the Drugs Act, 1940, (XXIII of 1940):

Provided further, that except with the special sanction of the Excise Commissioner, such a licence shall not authorise the chemist to possess a quantity weighing more than 120 grams of opium derivatives (other than prepared opium) or 120 grams of coca derivatives.

(2) The chemist's licence in Form MD-VI shall be granted on the following conditions:—

- (i) the licensee shall be bound by the provisions of the Act and these rules and any other rules which may, from time to time, be made under the Act;
- (ii) the licensee shall be responsible for the acts or omissions of every person employed by him in carrying on his business and of all his servants, as if the said acts or omissions were of his own.
- (iii) the licensee shall not permit any manufactured drug, which he is authorised to sell, to be dispensed or handled by any person other than a medical practitioner or a dispenser registered under the Pharmacy Act, 1948 (Act No. VII of 1948).
- (iv) the licensee is authorised to sell the following drugs :—
 - (a) coca derivatives ;
 - (b) phenanthrene alkaloids ; (medicate each) ;
 - (c) diacetylmorphine (herein) ;
 - (d) all preparations containing more than 0.2 per cent of morphine or a containing any diacetylmorphine ;
 - (e) poppy straw concentrate ; and
 - (f) any other narcotic substance or preparations declared by the Central Government to be manufactured drug ;
- (v) the licensee shall not sell or keep coca derivatives or opium derivatives, hereinafter called the "drugs" in quantities weighing more than specified in his licence or except in the premises described in the licence.
- (vi) the licensee shall procure his supplies either from a licensed vender in Himachal Pradesh or by importation from a licensed vender in some other state, after obtaining a permit in Form MD-II from the Deputy Excise and Taxation Commissioner. The importation of these drugs by post is absolutely prohibited ;
- (vii) the licensee is authorised to compound any preparation containing morphine, diacetylmorphine or cocaine from the materials which he is lawfully entitled to possess. He shall also enter in the prescription, the name of person, firm or body corporate dispensing the prescription, the address of the premises at which, and the date on which, it is dispensed ;
- (viii) in the case of every sale, otherwise than on a prescription, the licensee shall obtain a pass in Form MD-III or Form MD-IV, as the case may be, to cover the inter-State export or the transport of the consignment to its destination
- (ix) the licensee shall maintain correct accounts of all transactions. Such accounts shall

show in respect of each receipt, and, the source of supply and the quantity received, and, in respect of each issue of the quantity issued, and the name and address of the person to whom it is issued. He shall file in support of his accounts of receipt the export inter-State or transport passes, and in respect of his account of issues, the original prescription of drugs on which they have been issued and in the case of issues made other than on a prescription, receipts from the person to whom the issues were made. Such accounts and documents shall be preserved at least for two years from the date of the last entry in the accounts.

- (x) (a) In the case of preparations containing cocaine, morphine or diacetylmorphine, the bottle phialas, packages or other containers of these preparations and the labels affixed to them shall either plainly show the actual quantity of drugs present in each container, or give sufficient particulars to admit the ready calculation of such quantity.
- (b) A package or a bottle containing the drugs shall before sale be marked with the quantity of the drugs in the package or the bottle.
- (c) A preparation, admixture, extract, or any other substance containing any of these drugs shall be sold only in package or bottle plainly marked —
 - (aa) in the case of a powder, a solution or ointment with the total quantity thereof in the package or bottle, and the percentage of the drugs in the powder solution or ointment;
 - (bb) in the case of tablets or other similar form of preparations, with the quantity of the drugs in each tablet or other similar forms of preparation, and the number of tablets or other similar forms of preparation in the package or bottle.
- (xi) All stocks of cocaine, morphine, or diacetylmorphine and preparations thereof, and all accounts and records of transactions under the licence shall be open to inspection by any officer of the Excise Department not below the rank of an Inspector and any officer of the Drugs Control Department not below the rank of a Drugs Inspector.
- (xii) The licensee shall on requisition by the Excise Commissioner, or by any officer duly authorised by him in this behalf, deliver up his licence for amendment or for the issue of a fresh licence.
- (xiii) The licensee shall on the first day of every quarter submit, a correct quarterly statement showing the quantity of the drugs received by him during the previous quarter, the quantity sold by him and the quantity remaining in his possession, to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer Incharge of the district concern and the Drugs Inspector of the Drugs Control Department, Himachal Pradesh.
- (xiv) If on the expiry of cancellation of the licence, any stock of the drugs remain in the possession of the licensee, he shall at once surrender these stocks to the Deputy Excise and Taxation Commissioner. If any portion of these stocks is declared by the Chief Medical Officer to be unfit for human consumption, the Deputy Excise and Taxation Commissioner shall cause forthwith that portion to be destroyed and the licensee shall not be entitled to claim any compensation for loss resulting from the destruction of such a portion of the drugs.
- (xv) If any portion of the drugs is fit for human consumption, the Deputy Excise and Taxation Commissioner shall make over such portion of the drugs in any quantity not exceeding that which the transfers is likely to sell within two months, to the incoming licensed vendor, who is taking the place of the previous licensee, if the latter has surrendered the drugs in question to the Deputy Excise and Taxation Commissioner or to any other licensed vendor of the district.
- (xvi) The licensee shall be bound to accept from the Deputy Excise and Taxation Commissioner any portion of the drugs, which, in the opinion of the Deputy Excise and Taxation Commissioner does not amount to more than two months' supply at such a price as may be determined by the Deputy Excise and Taxation Commissioner. This price shall be paid to the licensee, who has surrendered the drugs in question to the Deputy Excise and Taxation Commissioner.

- (xvii) A licensed chemist may import inter-State, export inter-State, or transport such quantity of opium derivatives (excluding prepared opium) and coca derivatives as may be specified in his licence.

(3) (i) The Excise Commissioner, shall in respect of each such licence fix and record in the licence the maximum quantity of opium derivatives or coca derivatives which the licensee may possess at any one time for the purpose of vend as well as for the manufacture or preparations of morphine, diacetylmorphine and cocaine.

(ii) A licence chemist may, subject to the conditions of his licence, sell opium derivatives or coca derivatives to,—

- (a) a medical practitioner, who is either known to the licensed chemist or is introduced by some one known to the licensee and either signs the register in person or sends a written or signed order stating his name, address and the name and quantity of the article required. In the later case, the licensee must satisfy himself as to the genuineness of the signature and qualification of the medical practitioner. In case of a real emergent situation the licensee may act on an oral message and send the drugs, provided that the licensee is satisfied with the genuineness of the order and on the delivery he receives from the medical practitioner, the signed order or an undertaking that the signed order will be furnished within 24 hours. If such signed order is not received within 24 hours, the licensee shall forthwith report full details of the transaction to the excise officer not below the rank of an Excise Inspector;
- (b) a chemist licensed under these rules or the rules for the time being in force in any other state;
- (c) any other person authorised under these rules ; and
- (d) any person holding a prescription in Form MD-VII, subject to the following conditions, namely:—
 - (aa) he shall sell the opium derivatives or coca derivatives in such quantity and for the use of such person alone as may be specified in the prescription;
 - (bb) If the prescription does not bear a superscription by a medical practitioner stating that it is to be repeated and at what interval of time it is to be repeated, and how many times it is to be repeated, he shall sell the opium derivatives or coca derivatives once only on such a prescription and shall retain the prescription with him ;

Provided that, he shall first warn the person presenting the prescription that unless it bears such a superscription, as aforesaid, it shall be retained;

- (cc) If the prescription bears a superscription as aforesaid he shall enter in the prescription the date of sale and shall sign or seal the prescription :

Provided that, if it appears that opium derivatives or coca derivatives have already been sold on the prescription, six times or such a number of times as the prescription is required to be repeated, or the interval specified in the prescription has not elapsed since the prescription was last dispensed, he shall not sell the drugs on such prescription unless it has further been superscribed by the medical practitioner ; and

- (dd) any other condition that may be specified in his licence.

51. *Grant of licence, permit or pass.*—(1) Any officer empowered to grant a licence, permit or pass under any of these rules may, in his discretion, either grant the licence, permit or pass, as the case may be, applied for, or by an order in writing refuse to grant such a licence, permit or pass.

(2) A person whose application for any licence, permit or pass has been refused shall not be entitled to be informed of the reasons of such refusal.

52. *Duration of the licence.*—A licence shall remain in force from the date of issue till the 31st March next following, on which date it shall expire unless renewed.

53. *Renewal of licence.*—(1) Every application for renewal of licence shall be submitted to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer of the district concerned at least two months before the commencement of the year for which it is required and shall be accompanied by a treasury challan showing payment of fee prescribed for the grant of such a licence.

(2) The officer empowered to grant a licence, may renew the licence or on sufficient cause shown refuse to renew it, after giving the applicant a reasonable opportunity of being heard.

54. *Revocation or suspension of licence or permit.*—(1) Any licence or permit granted under these rules may be revoked or suspended by the licensing authority if the holder or any person employed by him is found to have committed a breach of the conditions thereof or any of the provisions of these rules, or has been convicted of an offence under the Act or the Drugs Act, 1940 or under any law for the time-being in force relating to excise, revenue or of any offence under the Indian Penal Code:

Provided that such revocation or suspension shall not be made until the holder of the licence or permit has been given a reasonable opportunity of showing cause against the action proposed to be taken.

(2) Every such order shall be in writing and shall specify the reasons for the suspension or revocation and shall be communicated to the licensee.

55. *Licence or permit non-transferable.*—(1) Every licence or permit granted under these rules shall be held to have been granted personally to the person named therein, and shall not be transferable.

(2) If any licensee or permit holder dies, before or during the currency of his licence or permit his licence or permit shall forthwith determine:

Provided that the Excise Commissioner, may, in his discretion, continue any such licence or permit in force, in favour of the legal representative of the deceased licensee or permit holder.

56. *Power to give directions.*—Subject to the provision of the Act and these rules, the Excise Commissioner, may, from time to time, give such directions as he may think fit, for the purpose of carrying out the provisions of these rules.

CHAPTER—V

(Rules prescribed under section 10 (1) (a) (vi) of the Act)

MANUFACTURE AND POSSESSION OF PREPARED OPIUM BY ADDICTS

57. *Manufacture of prepared opium.*—Subject to the limitations as to quantity prescribed in rule 58 below, relating to the possession of prepared opium, any person, holding a permit in Form OP-I, granted under rule 5 of these rules, may manufacture prepared opium for his personal use, but not for any other purpose :

Provided that such manufacture is from opium lawfully possessed by him for his personal consumption.

58. *Possession of prepared opium.*—Any person may at any time have in his possession prepared opium in any quantity not exceeding one gram or as may be fixed from time to time by the Excise Commissioner.

CHAPTER VI

(Rules prescribed under section 65 of the Act)

DISPOSAL OF ARTICLES OR THINGS CONFISCATED AND PAYMENT OF REWARDS

59. *Confiscated articles to be delivered to Deputy Commissioner.*—All articles or things confiscated under the provisions of the Act shall be delivered to the Deputy Commissioner of the District concerned in which such order is passed.

60. *Despatch of confiscated opium or poppy straw.*—(1) All confiscated opium or poppy straw shall be sent to the Government Opium Factory, Gazipur by goods train, freight to pay, in two lots on the 1st June and the 1st December, each year, provided that the minimum quantity to be sent shall, as far as possible, be not smaller than 4,670 kilograms and where a smaller quantity is available the opium need be despatched only once a year.

(2) The bill for transport and packing charges may be presented separately to the General Manager, Government Opium Factory, Gazipur, who will reimburse the same to the Government of Himachal Pradesh in due course by book transfer, along with the value of the contraband opium or the opium poppy, calculated at the rate applicable to "Inferior Opium Class B".

(3) In case of smuggling of opium or opium poppy wherein the opium or opium poppy,—

- (a) relates to illegal imports inter-State or exports inter-State which present any doubt in determining their origin;
- (b) is suspected to relate to cases of international character and the quantity of opium thus seized is fifteen kilograms or more; or
- (c) is admittedly of Indian origin, the quantity of opium or opium poppy thus seized is fifty kilograms or more ;

a sample of two kilograms of opium or opium poppy in each case shall be drawn at the time of opium or opium poppy is confiscated and shall be sent to the chemical Examiner to the State Government.

61. *Disposal of poppy capsules and poppy seeds.*—(1) Confiscated capsules of the poppy (*Papa ver somniferum* L) whether or not in their original form, crushed or powdered and whether or not juice has been extracted therefrom, if not required by the Ayurvedic, Unani and Tabi Medical Practitioners licensed in Himachal Pradesh to be possessed for the preparation of the medicines included in their respective systems of medicines, after rescuing the poppy-seed (Khash Khash) therefrom, shall, after obtaining the orders of the Deputy Commissioner of the district, in this regard to be destroyed by burning in the presence of the Excise and Taxation Officer of the district concerned.

(2) The poppy-seeds (Khash Khash) thus rescued shall be disposed of in accordance with the orders of the Excise Commissioner.

62. *Disposal of other articles or things.*—The articles or things, other than those mentioned in rule 59 to 61 of these rules, confiscated under the Act shall be disposed of by the Deputy Commissioner of the district concerned after ascertaining their legal utility in consultation with the Drug Controller of Himachal Pradesh in case of manufactured drugs, and in the case of other articles or things in consultation with the Excise Commissioner.

63. *Grant and payment of rewards.*—Rewards in relation to offences under the Act or

rules thereunder may be granted and paid to the following persons :—

- (i) to an informer, after a successful raid or after the result of the trial or appeal where the Deputy Commissioner is satisfied that the case was genuine and its detection took place on the information supplied by him. A statement of the informer shall however, be recorded by the Officer receiving information before the raid is conducted and it shall be kept in the custody of the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer, as the case may be, who shall verify it at the time of the disbursement of the reward;
- (ii) to the Government officers or officials other than of the Excise and Taxation, Police and Drug Control Departments who render active assistance to the Excise and Taxation Department in the detection a conviction of a case. Before paying a reward to a Government official, the Deputy Commissioner of the district shall ascertain from the Head of the Department to which the Government official belongs if he has any objection to the payment of such reward; and
- (iii) to the Excise Officers or officials for their conduct displaying extraordinary address, acuteness, industry, fidelity or course in a case.

64. *Authorities competent to grant/sanction the rewards.*—The rewards under rule 63 may be granted :—

- (i) by the Deputy Commissioner of the district where the amount of reward payable to a person in a case does not exceed rupees two hundred ;
- (ii) by the Excise Commissioner, where the amount of reward payable to a person in a case exceeds rupees two hundred :

Provided that where the amount of such a reward exceeds one thousand rupees, the reward shall be granted with the prior approval of the State Government:

Provided further that where a reward is proposed for an official of the status higher in rank than that of a Naib-Tehsildar or Sub-Inspector of Police or Excise and Taxation Inspector and the amount of reward payable to such a person in a case exceeds rupees one thousand, it shall be granted in consultation with the State Government in the Finance Department.

65. *Disbursement of reward to an informer.*—Any reward payable to any informer whose state is in the custody of the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer may be disbursed upon the receipt of the Deputy Commissioner of the district without requiring attendance of the actual payee or a receipt from him.

66. *Establishment of excises outposts.*—The Excise Commissioner, may establish excise outposts at such place or places as he may think fit, on any road or at any ferry for the prevention of the smuggling of any narcotic drug or psychotropic substance and may depute Excise Inspectors or higher officer to be incharge of such out-posts.

67. *Search and detention.*—The driver of any vehicle or laden animal arriving at an excise outpost shall stop his vehicle or animal until the Excise Officer has conducted his search. The Excise Officer will proceed with the search forthwith. The Excise Officer incharge of the outpost shall permit the vehicle or animal to proceed normally unless he has reason to exercise any of the powers under section 43 of the Act or any other provisions of the same and the rules made thereunder.

68. *Complaints of wrongful detention.*—Complaints of wrongful detention may be recorded by the Excise Officer in a book kept for the purpose. This book will be submitted to the District Magistrate at the end of each month for his inspection of the complaints, if any.

CHAPTER VIII

[Rules made under sections 78 (2) (c) of the Act]

APPEAL, REVISION AND REVIEW

69. *Appeal*.—(1) An appeal shall lie from an order of an Excise Officer to:—

- (a) the Deputy Excise and Taxation Commissioner when the order is made by an Excise Officer below the rank of Deputy Excise and Taxation Commissioner and is under the latter's charge ;
- (b) the Excise Commissioner when the order is made by a Deputy Excise and Taxation Commissioner :

Provided that—

- (i) when an original order is confirmed on first appeal, a further appeal shall not lie; and
- (ii) when any such order is modified or reversed by the Deputy Excise and Taxation Commissioner the order made by the Excise Commissioner on further appeal if any, shall be final.

(2) An appeal from an original order of the Excise Commissioner shall lie to the Financial Commissioner, appointed by the Government for the purpose, whose order shall be final.

70. *Period of limitations and memorandum of appeal*.—Every memorandum of appeal shall be—

- (a) presented within 30 days from the date of the order appealed against; and
- (b) accompanied, by the order appealed against in original, or by an authenticated copy of such order unless the omission to produce such an order or the copy thereof is explained to the satisfaction of the appellate authority. The time spent in obtaining an authenticated copy of such order shall be excluded from the period of limitation prescribed under sub-rule (1).

71. *Revision*.—(1) The Excise Commissioner may, *suo moto* at any time, or on an application made to him, call for the record of any proceeding which are pending before, or have been disposed of by an officer subordinate to him for the purpose of satisfying as to the legality or propriety of such proceeding or of any order made therein and may pass such order in relation thereto as he may deem fit:

Provided that the application shall be made within a period of 90 days of the date of taking of the proceedings or of passing the order, as the case may be.

(2) The Financial Commissioner may *suo moto* at any time or on an application made to him within a period of ninety days from the date of passing the order call for the record of any case decided under sub-rule (1) and if in his opinion the final order contains an erroneous decision on any question of law he may pass such order on the case as he may deem fit:

Provided that an opportunity of being heard shall be afforded to both the parties before passing such an order.

72. *Review*.—(1) The Financial Commissioner or the Excise Commissioner or the Deputy Excise and Taxation Commissioner may on an application made by any person considering himself aggrieved by an order passed by him, as the case may be, review such order and on so reviewing, modify, reverse or confirm any order passed by himself or any of his predecessors in office

under these rules, provided that—

- (a) an application for review of an order shall not be entertained unless it is made within thirty days from the date of the order, or unless the applicant satisfies the reviewing officer that he had sufficient cause for not making the application within that period;
- (b) an order shall not be modified or reversed unless reasonable notice has been given to the parties affected thereby to appear and be heard in support of the order;
- (c) an order against which an appeal has been preferred shall not be reviewed:

Provided also that no licence, pass or permit shall be cancelled by way of review of the order granting it.

(2) No appeal shall lie from an order refusing to review or confirming on review a previous order.

73. *Correction of mistakes.*—Every officer, appellate authority, revisional authority may, in his order, correct clerical mistakes.

74. *Repeal and savings.*—(1) The Punjab Opium Orders, 1937, the Punjab Opium License Permit and Pass Rules, 1939, the Punjab Opium Auction and Miscellaneous Rules, 1939, the Punjab Opium Confiscation and Reward Rules, 1934, the Himachal Pradesh Manufactured Drugs Rules, 1965, the Punjab Manufacture and Possession of Prepared Opium Orders, 1933, as applicable in the area comprised in Himachal Pradesh immediately prior to 1st November, 1966, and the Punjab Opium Orders, 1956, the Punjab Opium Prohibition Rules, 1959, the Punjab Manufactured Drugs Rules, 1959, the Punjab Opium Confiscation and Reward Rules, 1954 as applicable in the areas merged into Himachal Pradesh on 1st November, 1966 under section 5 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966) and any order or direction issued under the Opium Act, 1857 (13 of 1857), the Opium Act, 1878 (1 of 1878) and the Dangerous Drugs Act, 1930 are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken or purported to have been done or taken under any of these rules, orders or directions repealed by sub-rule (1) shall, in so far as it is not inconsistent with the provisions of the Act, and such thing or action taken shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these rules.

S. S. SIDHU,
Secretary (Excise and Taxation),
to the Government of Himachal Pradesh.

FORM OP-I

[See rule 5 (2)]

Permit No.....

PERMIT FOR THE POSSESSION OF OPIUM FOR PERSONAL CONSUMPTION IN THE STATE OF HIMACHAL PRADESH

A. Particulars of permit holder—

- (1) Name of the permit holder
- (2) Father's/husband's name
- (3) Apparent age
- (4) Address in full
- (5) Occupation

B. Reference to medical certificate if any—

- (1) Name and address of the Medical Board or the Medical Officer who recommended the grant of the certificate
- (2) Date of certificate
- (3) Quantity of opium recommended per month
- (4) Personal identification marks of the permit holder as verified by the Medical Board or the Medical Officer

This permit is granted under and subject to the provisions of the Himachal Pradesh Narcotic, Drugs and Psychotropic Substances Rules, 1989 to Shri, resident of tehsil district (hereinafter referred to as 'the permit holder') on payment of fee of Rs. authorising him to purchase, possess, transport and consume opium subject to the following conditions:—

CONDITIONS

1. This permit shall remain in force with effect from to (both days inclusive).
2. (1) The permit-holder shall not purchase during a month opium exceeding grams;

Provided that this quantity may be reduced during the currency of the permit.

- (2) The permit-holder shall not possess at a time more than grams of opium.

3. (i) The permit-holder shall not obtain his supplies of opium from any place except from a depot established under rule 18 of the Himachal Pradesh Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Rules, 1989.

(2) The permit-holder shall get the details of the purchase entered on the reverse of the permit by the Chief Medical Officer or the officer-in-charge of the depot, as the case may be, before he removes the opium purchased by him from the depot.

(3) No opium other than that obtained under this permit shall be transported, possessed, or consumed by the permit holder.

4. The opium purchased under this permit shall neither be used by any person other than the permit holder, nor shall it be used by the permit holder for any purpose other than that for which this permit is granted.

5. The privileges of purchase, transport and possession of opium granted under this permit shall extend only so far as they are incidental to its consumption by the permit-holder.

6. The permit shall be non-transferable and may be suspended or cancelled due to the breach of any of its conditions or on any other ground to be stated in writing by the Excise Commissioner.

7. If the permit is cancelled during its currency or is not renewed on its expiry, the whole of the unconsumed stock of opium shall be surrendered forthwith to the Chief Medical Officer concerned or the officer authorised by him in this behalf, and he shall not be entitled to any compensation therefor.

Granted this day of 19.

*Signature or left hand thumb-impression of the
permit holder*

*Signature and designation of the
authority granting the permit.*

(REVERSE OF THE PERMIT)

Details of purchases of opium made by the permit holders from.....
to.....

Date	Total quantity of opium permitted to be purchased in the current month	Quantity of opium pur- chased	Running total of the quantity of opium pur- chased since the first day of the current month	Difference between the quantity of purchased in the current month and the running total (column 4)	Signature of the officer- in-charge of the depot and name of the depot
1	2	3	4	5	6

FORM OP-II

(See rule 21)

Daily sales and stock account register of opium to be maintained at the Government managed depot, situated at.....(place), Tehsil....., District.....

Date	Opening balance		Stock received		Total		Category, number & date of permit	Quantity of opium issued under each permit (grams)	Total issues made during the day		Closing balance		Signature of the officer-in-charge of the depot
	Kilo-grams	Grams	Kilo-grams	Grams	Kilo-grams	Grams			Kilo-grams	Grams	Kilo-grams	Grams	
1	2		3		4		5	6	7		8		9

FORM OP-II

(See rule 21)

Daily sales and stock account register of opium to be maintained at the Government managed depot, situated at.....(place), Tehsil....., District.....

Date	Opening balance		Stock received		Total		Category, Number and date of each permit	Quantity of opium issued under each permit (grams)	Total issues made during the day		Closing balance		Signature of the officer-in-charge of the depot
	Kilo-grams	Grams	Kilo-grams	Grams	Kilo-grams	Grams			Kilo-grams	Grams	Kilo-grams	Grams	
1	2		3		4		5	6	7		8		9

(See rule 21)

Monthly statement, showing receipts, sale and balance of opium at the Government managed depot situated at
 (place)..... Tehsil..... District
 for the month of to be sent to the Assistant Excise and Taxation Commissioner,
 or the Excise and Taxation Officer-in-charge of the, (District)

Opening balance		Stock received		Total		Opium issued from the depot during the month to permit holders in Form OP-I	Closing bal- ance	Signature of the officer-in- charge of the depot	Remarks
Kilograms	Grams	Kilo- grams	Grams	Kilo- grams	Grams				
1		2		3		4	5	6	7

Signature and designation
of the Officer-in-charge
of the depot.

FORM OP-IV

[See rule 8 (1)]

PASS FOR THE TRANSPORT OF OPIUM

1. Pass number
2. Date
3. Name and address of the person authorised to transport opium
4. Number of packages, quantity and description of opium to be transported
5. Place from which the opium is to be transported
6. Place to which the opium is to be transported
7. Name of consignee and his full address
8. Route by which the opium is to be transported
9. Period for which the pass is to remain in force
10. Remarks

Place.....
Dated the.....

Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer in charge of the
(District).

Note.—The consignment shall not be broken in transit.

FORM OP-V

[See rule 8 (2)]

PASS FOR THE TRANSPORT OF OPIUM FROM GOVERNMENT TREASURIES TO OTHER GOVERNMENT MANAGED DEPOTS

1. Pass number
2. Date
3. Name and designation of the person authorised to transport opium
4. Quantity of opium to be transported
5. Name and location of the treasury from which transported
6. Name and location of the depot to which transported
7. Period of the validity of the pass
8. Remarks

Place.....
Dated the.....

Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer in-charge of the
(District).

Note.—The consignment shall not be broken in transit.

FORM OP-VI

[See rule 13 (b)]

FORM OF AUTHORITY

I, hereby, appoint Shri.....to purchase, possess and transport opium, on my behalf, on my permit No.....

Identification marks of the agent.

- 1.....
- 2.....

Signature or thumb-impression of the agent.

Signature or thumb-impression of the person giving the authority.

Signature or thumb-impression of the agent taken in the presence of the Chief Medical Officer concerned or the officer authorised to grant the permit.

Approval

Signature of the Chief Medical Officer or the Officer authorised to grant the permit.

Place.....

Date.....

FORM MD-I

(See rule 42)

APPLICATION FOR PERMIT TO IMPORT INTER-STATE/TRANSPORT OF MANUFACTURED DRUGS OTHER THAN PREPARED OPIUM INTO HIMACHAL PRADESH

1. Name and address of applicant
2. The above named being—
 - (1) (a) a licensed druggist/a licensed chemist in the.....

District licensed to possess:—

 - (i) Medicinal cannabis,
 - (ii) Medicinal opium,
 - (iii) Coca derivatives,
 - (iv) Opium derivatives,
 - (v) Poppy straw concentrate,
 - (vi) Other manufactured drugs.....(name),
 - (b) a Government servant, that is to say.....requiring the manufactured drugs other than prepared opium in his official capacity;
 - (2) and having in hand manufactured drugs as follows:—
 - (i) Medicinal cannabis

- (ii) Medicinal opium
- (iii) Coca derviatives
- (iv) Opium derivatives
- (v) Poppy straw concentrate.....
- (vi) Other manufactured drugs(name),
- (3) desires to import inter-State/transport by land from Messrs in the
 licensed to sell such drugs at District or State of manufactured drugs other
 than prepared opium as follows:—
- (i) Medicinal cannabis
- (ii) Medicinal opium
- (iii) Coca derviatives
- (iv) Opium derivatives
- (v) Poppy straw concentrate
- (vi) Other manufactured drugs(name).

The19 .

Signature.....
 (Applicant)

Notes.—This application should be submitted to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer in-charge of the district in duplicate. The Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and taxation officer-in-charge of the district, after verifying paragraph 2 (1), and if he thinks necessary paragraph 2 (2) also, shall sign the endorsement and forward both copies to the Deputy Excise and Taxation Commissioner. One of these shall be returned with the permit and shall be filed in the office of the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer as the case may be.

Office of the Assistant Excise and
 Taxation Commissioner/Excise and
 Taxation Officer.....District.

Memo No.....8 Dated the

The application above is submitted to the Deputy Excise and Taxation Commissioner
Zone for the grant of permit.

Assistant Excise and Taxation
 Commissioner/Excise and Taxation
 Officer.....District.

Office of the Deputy Excise and Taxation Commissioner

No..... Dated the

Permit No.....for the inter-State import/transport of manufac-
 tured drugs, other than prepared opium, as detailed in the application above is forwarded here-
 with to(District).
 Deputy Excise and Taxation Commissioner

FORM MD-II

(See rule 43)

(ORIGINAL FOIL)

(To be retained in the office of issue)

Permit and pass (on the reverse) for the Inter-State import/transport of manufactured drugs, other than prepared opium, into Himachal Pradesh.

Before the drugs covered by the permit are exported from any State, the permit must be presented to the Collector of the district of export and the export pass on the reverse must be completed and signed by such officer.

Permit No. _____ for the Inter-State import/transport of—
Medicinal opium

Medicinal cannabis

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug (name)

Permit granted to (a) _____

Inter-State import/transport by land from (v) _____ into _____

Medicinal opium

Medicinal cannabis

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug (name)

to the amount of _____ as specified below viz.,

Description of each class of drugs	Weight of quantity			Remarks
	Kg.	gm.	mg.	

This permit must be used within two months of the date of its issue.

One copy of the permit and pass on the reverse shall be delivered on arrival of the consignment of—

Medicinal opium

Medicinal cannabis

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug (name)

at its destination to

(c)

The bulk of the consignment shall not be broken in transit.

Dated 19

Deputy Excise and Taxation
Commissioner

(a) Here state the name and designation of the consignee.

(b) Here state the locality and district.

(c) Here state the official designation of the persons to whom the pass is to be delivered.

(FORM MD-II (Reverse))

(See rule 43)

(ORIGINAL)

Pass for the export Inter-State of—
Opium

Medicinal cannabis

Medicinal opium

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug (name).

This pass is to remain in force

from (a)

to (a)

The opium

Medicinal cannabis

Medicinal opium

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug.....(name), covered by it shall be transported
by (b) _____

in charge of (c) _____

in (d) _____

Dated _____ 19 _____ Collector of _____

Collector,

District.

(a) Here specify date and hour.

(b) Here state route and mode of conveyance.

(c) Here give name of person, if any.

(d) Here state number and description of packages.

FORM MD-II

(See rules 43 and 48)

DUPLICATE

(To be given to the Importer)

Permit and pass (on the reverse) for the Inter-State import/transport of manufactured drugs, other than prepared opium, in to Himachal Pradesh.

Before the drugs covered by the permit are exported from any State, the permit must be presented to the Collector of the district of export and the export pass on the reverse must be completed and signed by such officer.

Permit No _____ for the Inter-State import/transport of _____
Medicinal opium

Medicinal cannabis

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug.....(name)

Permit granted to (a) _____
to Inter-State import/transport by land from (b) _____ into _____

Medicinal opium

Medicinal cannabis

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug ————— (name)

to the amount of ————— as specified below viz.,

Description of each class of drug	Weight or quantity			Remarks
	Kg.	gm.	mg.	

This permit must be used within two months of the date of its issue.

One copy of the permit and pass on the reverse shall be delivered on arrival of the consignment of —————

Medicinal opium

Medicinal cannabis

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug ————— (name)

at its destination to —————

(c)

The bulk of the consignment shall not be broken in transit.

Date ————— 19 .

Deputy Excise and Taxation Commissioner

(a) Here state the name and designation of the consignee.

(b) Here state the locality and district.

(c) Here state the official designation of the persons to whom the pass is to be delivered.

FORM MD-II (REVERSE)

(See rules 43 and 48)

(DUPLICATE)

Pass for the export Inter-State of —————

Opium

Medicinal cannabis

Medicinal opium

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug.....(name)

This pass is to remain in force

from (a)

to (a)

The opium—

Medicinal cannabis

Medicinal opium

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug.....(name), covered by it [shall] be transported by (b)

in charge of (c)

in (d)

Dated _____ 19 .

Collector of Customs
Collector,
District.

(a) Here specify date and hour.

(b) Here state route and mode of conveyance.

(c) Here give name of person, if any.

(d) Here state number and description of packages.

FORM MD-II

(See rule 43)

(TRIPLICATE)

(To be sent to the Collector of the exporting district)

Permit and pass (on the reverse) for the Inter-State import/transport of manufactured drugs, other than prepared opium, into Himachal Pradesh.

Before the drugs covered by the permit are exported from any State, the permit must be presented to the Collector of the district of export and the export pass on the reverse must be completed and signed by such officer.

Permit No _____ for the Inter-State import/transport of _____
Medicinal opium

Medicinal cannabis

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug.....(name)

Permit granted to (a) _____ to Inter-State/transport by land from
(b) _____ into _____

Medicinal opium

Medicinal cannabis

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug _____ (name)

to the amount of _____ as specified below viz.

Description of each class of drug	Weight or quantity			Remarks
	Kg.	gm.	mg.	

This permit must be used within two months of the date of its issue.

One copy of the permit and pass on the reverse shall be delivered on arrival of the consignment of—

Medicinal opium

Medicinal cannabis

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug _____ (name)

at its destination to _____

(c) _____

The bulk of the consignment shall not be broken in transit.

Dated _____ 19 .

Deputy Excise and Taxation Commissioner _____

(a) Here State the name and designation of the consignee.

(b) Here state the locality and district.

(c) Here state the official designation of the persons to whom the pass is to be delivered.

FORM MD-II (REVERSE)

(See rule 43)

(TRIPLICE)

Pass for the export Inter-State of—
Opium

Medicinal cannabis

Medicinal opium

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug _____ (name)

This pass is to remain in force

from (a) _____

to (a) _____

The opium

Medicinal cannabis

Medicinal opium

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug _____ (name), covered by it shall be transported by

(b) _____

incharge of (c) _____

in (d) _____

Dated _____ 19 _____

Collector of Customs

Collector, _____

District. _____

- (a) Here specify date and hour.
 (b) Here state route and mode of conveyance.
 (c) Here give name of person, if any.
 (d) Here state number and description of packages.

FORM MD-III

(See rule 44)

(ORIGINAL FOIL)

(To be retained in the office)

PASS FOR THE INTER-STATE EXPORT OF MANUFACTURED DRUGS OTHER THAN PREPARED OPIUM

No. _____ Dated _____ 19 _____

Licensed druggist/licensed chemist (a) _____

authorised to possess _____

Medicinal cannabis _____

Medicinal opium _____

Coca derivatives _____

Opium derivatives _____

Poppy straw concentrate _____

Other manufactured drug _____ (name), _____

upto (b) _____ is hereby authorised to inter-State export (b) _____
 of _____ from _____
 his licensed premises at _____
 to the licensed premises of _____
 at _____

This pass shall be carried with the consignment of the drugs, the Inter-State export of which it is intended to cover, and is current uptill _____

One copy of this pass must be filed in the licensed premises.

(Signature and full official designation
 of the officer granting the pass).

- (a) Here specify the name and full address.
 (b) Here specify quantity/weight.

FORM MD-III

(See rule 44)

(DUPLICATE)

(To be given to the exporter)

PASS FOR THE INTER-STATE EXPORT OF MANUFACTURED DRUGS OTHER THAN PREPARED OPIUM

No. _____ Dated _____ 19 _____

Licensed druggist/licensed chemist (a) _____
authorised to possess—

Medicinal cannabis

Medicinal opium

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug _____ (name),

upto (b) _____ is hereby authorised to Inter-State export

(b) _____ of _____
from his licensed premises at _____
to the licensed premises of _____
at _____

This pass shall be carried with the consignment of the drugs. the Inter-State export of which it is intended to cover, and is current uptill _____

One copy of this pass must be filed in the licensed premises.

(Signature and full official designation
of the officer granting the pass).

(a) Here specify the name and full address.

(b) Here specify quantity/weight.

FORM MD-III

(See rule 44)

(TRIPLICATE)

For

(To be sent to the Collector of the district of destination)

PASS FOR THE INTER-STATE EXPORT OF MANUFACTURED DRUGS OTHER THAN PREPARED OPIUM

No. _____ Dated _____ 19 .

Licensed druggist/licensed chemist (a) _____
authorised to possess—

Medicinal cannabis

Medicinal Opium

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug (name),

upto (b) is hereby authorised to Inter-State export (b) of

from his licensed premises at
to the licensed premises of
at

This pass shall be carried with the consignment of the drugs, the Inter-State export of which it is intended to cover, and is current uptill
One copy of this pass must be filed in the licensed premises.

(Signature and full official designation
of the officer granting the pass).

(a) Here specify the name and full address.

(b) Here specify quantity/weight.

FORM MD-IV
(See rule 44)
(ORIGINAL FOIL)

(To be retained in the office)

PASS FOR THE TRANSPORT OF MANUFACTURED DRUGS OTHER THAN PREPARED OPIUM

No Dated 19

Licensed druggist/Licensed chemist (a)
authorised to possess
Medicinal cannabis

Medicinal Opium

Coca derivatives

Opium derivatives

Poppy straw concentrate

Other manufactured drug (name),

upto (b) is hereby authorised to transport (b) of

from his licensed premises at
to the licensed premises of
at

One copy of this pass shall be carried with the consignment of the drugs, the transport

of which it is intended to cover, and is current uptill _____
One copy of this pass must be filed in the licensed premises.

(Signature and full official designation
of the officer granting the pass)

- (a) Here specify the name and full address.
(b) Here specify quantity/weight.

FORM MD-IV
(See rule 44)
(DUPLICATE)

(To be given to the transporter)

PASS FOR THE TRANSPORT OF MANUFACTURED DRUGS OTHER THAN
PREPARED OPIUM

No. _____ Dated _____ 19 _____

Licensed druggist/Licensed chemist (a) _____
authorised to possess _____
Medicinal cannabis _____

Medicinal opium _____

Coca derivatives _____

Opium derivatives _____

Poppy straw concentrate _____

Other manufactured drug _____ (name),
upto (b) _____ is hereby authorised to transport

(b) _____ of _____
from his licensed premises at _____
to the licensed premises _____
at _____

One copy of this pass shall be carried with the consignment of the drugs, the transport
of which it is intended to cover, and is current uptill _____.
One copy of this pass must be filed in the licensed premises.

(Signature and full official designation
of the officer granting the pass)

- (a) Here specify the name and full address.
(b) Here specify quantity/weight.

FORM MD-IV

(See rule 44)

(TRIPLICATE)

(To be sent to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation
Officer Incharge of the district of destination).

PASS FOR THE TRANSPORT OF MANUFACTURED DRUGS OTHER THAN PREPARED OPIUM

No. _____ Dated _____ 19____
 Licensed druggist/Licensed chemist (a) _____
 authorised to possess _____
 Medicinal cannabis _____

Medicinal opium _____

Coca derivatives _____

Opium derivatives _____

Poppy straw concentrate _____

Other manufactured drug _____ (name),
 upto (b) _____ is hereby authorised to transport (b) _____
 of _____

from his licensed premises at _____
 to the licensed premises of _____
 at _____

One copy of this pass shall be carried with the consignment of the drugs, the transport
 of which it is intended to cover, and is current uptill _____.
 One copy of this pass must be filed in the licensed premises.

(Signature and full official designation of
 the office granting the pass)

(a) Here specify the name and full address.

(b) Here specify quantity/weight.

FORM MD-V

(See rule 49)

DRUGGIST'S LICENCE

District _____
 No. of licence _____
 Name and description of licensee _____
 Locality of vend premises _____

The person named above and hereinafter called the licensee is hereby authorised by the
 Excise Commissioner to possess and sell hereinafter referred to as "the drugs", from the date
 of this licence to the 31 st of March, _____
 subject to the following conditions :—

- (1) The licensee shall be bound by the provisions of the Narcotic Drugs and Psycho-
 tropic Substances Act, 1985 and rules framed thereunder.
- (2) The licensee shall be responsible for the acts, omissions of every person employed
 by him in carrying on his business, and of all his servant as if the said acts and
 omissions were his own.
- (3) The licensee shall not permit any of the drug, which he is authorised to sell, to be
 dispensed or handled by any person other than a medical practitioner or a dispens-
 er registered under the Pharmacy Act, 1948 (Act No. VII of 1948).

- (4) The licensee is authorised to sell the following drugs for medicinal purposes only :—
- Medicinal cannabis;
 - medicinal opium;
 - preparations containing medicinal cannabis or medicinal opium.
- (5) The licensee shall not at any time have in his possession the drugs in greater quantities than the following and keep the same in any place except in the premises described above :—

cannabis
opium

Name of drug

Quantity

-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-

- (6) The licensee shall obtain the drugs either from a licensed vendor in Himachal Pradesh or by importation from a licensed vendor in some other State, after obtaining from the Deputy Excise and Taxation Commissioner, the necessary permit in the Form MD-II. The importation of his supplies by post is absolutely prohibited.
- (7) The licensee is authorised to manufacture medicinal opium and to compound any preparation containing medicinal cannabis or medicinal opium from the materials which he is lawfully entitled to possess.
- (8) The licensee shall maintain correct accounts of all transactions. Such accounts shall show in respect of each receipt, the source of supply and the quantity issued each day. Such accounts shall be preserved two years from the date of the last entry in the accounts and shall be signed by such Excise Officer who inspects the licensed premises.
- (9) Any package or bottle containing the drugs shall before sale be marked with the quantity of the drugs in the package or bottle.
- (10) A preparation, admixture, extract or other substance containing the drugs shall be sold only in a package or a bottle plainly marked—
- In the case of a powder, solution or ointment with the total quantity thereof in the package or bottle and the percentage of the drugs in the powder, so solution or ointment; and
 - in the case of tablets or other articles with the quantity of the drugs in each article and the number of articles in the package or the bottle.
- (11) All stocks of the drugs and all accounts and records of transactions under this licence shall be open to inspection by any officer of the Excise and Taxation Department not below the rank of an Excise and Taxation Inspector and any officer of the Drug Control Department not below the rank of a Drugs Inspector.
- (12) The licensee shall on requisition by the Excise Commissioner or by any Officer duly authorised by him in this behalf deliver up his licence for amendment or for the issue of a fresh licence.
- (13) The licensee shall on the first day of every quarter submit a correct quarterly statement, showing the quantity of the drugs received by him and the quantity

- remaining in his possession, to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer Incharge of the district concerned and the Drugs Inspector of the Drugs Control Department, Himachal Pradesh.
- (14) If on the expiry or cancellation of this license, any stocks of opium, medicinal cannabis or medicinal opium remain in the possession of the licensee, he shall at once surrender these stocks to the Excise Commissioner. If any portion of these stocks is declared by the Chief Medical Officer of the district to be unfit for human consumption, the Deputy Excise and Taxation Commissioner, shall forthwith cause that portion to be destroyed and the licensee shall not be entitled to claim any compensation for loss resulting from the destruction of such a portion of the drugs.
 - (15) If any portion of drugs is fit for human consumption, the Deputy Excise and Taxation Commissioner, shall make over such opium, medicinal cannabis or medicinal opium, in any quantity not exceeding that which the transferee is likely to sell within two months, to the becoming licensed vendor, who is taking place of the previous licensee, if the latter has surrendered the drugs in question to the Deputy Excise and Taxation Commissioner to any other licensed vendor of the district.
 - (16) The licensee shall be bound to accept from the Excise Commissioner or the Deputy Excise and Taxation Commissioner, any portion of the drugs, which in the opinion of the Deputy Excise and Taxation Commissioner does not amount to more than two months' supply at such a price as shall be determined by him. This price shall be paid to the previous licensee, if he has surrendered the drugs in question to the Deputy Excise and Taxation Commissioner.

Schedule showing the boundaries of the premises

1. Street and house number or other particulars
2. Bounded on the—
North
East
South
West

Place _____
Dated _____

Excise Commissioner,
Himachal Pradesh.

Note.—One copy of this license shall be given to the licensee and one copy retained by the Deputy Excise and Taxation Commissioner.

FORM MD-VI

(See rule 50)

CHEMISTS' LICENCE

District _____
No. of licence _____
Name and description of licence _____
Locality of vend premises _____

The person named above and hereinafter called the licensee is hereby authorised by the Excise Commissioner to possess and sell—

- (a) coca derivatives,
- (b) phenentherene alkaloids (indicate each),
- (c) diacetylmorphine (heroin),

- (d) all preparations containing more than 0.2 per cent of morphine or containing diacetylmorphine,
- (e) poppy straw concentrate,
- (f) any other narcotic substances preparation, declared by the Central Government, to be manufactured drug,

hereinafter referred to as "the drugs", from the date of this licence to the 31st March, 19—
subject to the following conditions :—

- (1) The licensee shall be bound by the provisions of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 and the rules framed thereunder.
- (2) The licensee shall be responsible for the acts and omissions of every person employed by him in carrying on his business, and of all his servants as if the said acts and omissions were his own.
- (3) The licensee shall not permit any of the drug, which he is authorised to sell, to be dispensed or handled by any person other than a medical practitioner or a dispenser registered under the Pharmacy Act, 1948 (VII of 1948).
- (4) The licensee is authorised to sell the drugs to the following persons in such quantities as they are entitled to possess :—

- (a) a medical practitioner;
- (b) a licenced chemist licensed under these rules or under any rules for the time being in force in any State;
- (c) any person authorised under rule 21 of the Himachal Pradesh Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Rules, 1989 or any other corresponding rules for the time being in force;
- (d) any person holding the prescription of a medical practitioner :

Provided that the drugs shall not be delivered to any person not licensed or otherwise authorised to be in possession of the drugs, who purports to be sent by or on behalf of a person so licensed, or so authorised, unless such a person produces an authority in writing, signed by the person so licensed, or so authorised, to receive the drugs on his behalf, and unless the licensee is satisfied that the authority is genuine.

- (5) The licensee shall not sell or keep the drugs in any place except in the premises described above.
- (6) The licensee shall not at any time have in his possession the drugs in greater quantities than the following :—

- (a) coca derivatives—
- (b) phenentherene alkaloids (indicate each)
- (c) diacetylmorphine (heroin)
- (d) all preparations containing more than 0.2 per cent of morphine or containing diacetylmorphine
(Quantity to be entered here by the Excise Commissioner).

- (e) poppy straw concentrate;
- (f) any other narcotic substance preparation declared by the Central Government to be manufactured drug.
- (7) The licensee shall obtain his supplies of the drugs either by direct importation from another State or from another licensed vendor in Himachal Pradesh, after obtaining from the Deputy Excise and Taxation Commissioner a necessary permit in the Form MD-II. The importation of the drugs by post is absolutely prohibited.
- (8) The licensee is authorised to compound any preparation containing morphine, diacetylmorphine or cocaine, from the materials which he is lawfully entitled to possess.
- (9) The name of person, firm or body corporate dispensing the prescriptions, the address of the premises at which, and the date on which it is dispensed must be entered in the prescription.
- (10) All prescriptions for the dispensing of the drugs shall be written out in the Form MD-VII and the licensee shall be responsible that the prescriptions on the authority of which the drugs are to be sold, are made out in this form.

- (11) (i) The licensee shall sell the drugs in such quantities and for the use of such persons only as may be specified in the prescription.
- (ii) If the prescription does not bear a superscription by any medical practitioner stating that it is to be repeated, and at what interval of time it is to be repeated, and how many times it is to be repeated, he shall sell the drugs once only on such a prescription and shall retain the prescription:

Provided that he shall first warn the person presenting the prescription, unless it bears the requisite superscription it will be retained.

- (iii) If the prescription bears the requisite superscription, he shall enter in the prescription date of sale, and shall sign and seal the prescription, giving particulars as laid down in condition 9:

Provided that, it appears that the drugs have already been sold on the prescription six times, or such number of times as the prescription is required to be repeated or that the interval specified in the prescription, has not elapsed since the prescription was last dispensed, he shall not sell the drugs on such a prescription, unless it has further been superscribed by the medical practitioner.

- (12) In the case of every sale, otherwise than on a prescription, the licensee shall obtain a pass in the Form MD-III or MD-IV as the case may be to cover the export or the transport of the consignment to its destination.
- (13) The licensee shall maintain correct account of all transactions. Such accounts shall show in respect of each receipt, the source of supply, and the quantity received, and in respect of each issue the quantity issued, and the name and address of the person to whom it is issued. He shall file in support of his accounts of receipts the export or transport passes, and in respect of his account of issues, the original prescription on which they have been made up and in the case of issue made otherwise than on a prescription, receipts from the person to whom the issues were made. Such accounts and documents shall be preserved for at least for two years from the date of the last entry in the accounts.
- (14) (a) In the case of preparations containing cocaine, morphine, or diacetylmorphine, the bottles, phials, packages, or other containers of these preparations of the labels affixed to them, shall either plainly show the actual quantity of the drugs present in each container, or give sufficient particulars to admit of the ready calculation of such quantity.
- (b) A package or bottle containing the drugs shall before sale be marked with the quantity of the drugs in the package or bottle.
- (c) A preparation, admixture, extract, or any other substance containing any of these drugs shall be sold only in a package or bottle plainly marked :—
- (i) In the case of a powder, solution or ointment with the total quantity thereof in the package, or bottle, and the percentage of the drugs in the powder, solution or ointment; and
- (ii) in the case of tabloids or other similar forms of preparations with the quantity of the drugs in each tabloid or tother similar forms of preparation, and the number of tabloid or tabloids or other similar forms of preparation in the package or bottle.
- (15) All stocks of cocaine, morphine, or diacetylmorphine and preparations thereof, or, other manufactured drugs and all accounts and records of transaction under the license shall be open to inspection by any other officer of the Excise and Taxation Department not below the rank of an Inspector and any officer of the Drugs Control Department not below the rank of a Drugs Inspector.
- (16) The licensee shall on requisition by the Excise Commissioner or by any officer duly authorised by him in this behalf, deliver up his license for amendment or for the issue of fresh licence.
- (17) The licensee shall on the first day of every quarter submit correct quarterly statement showing the quantity of the drugs received by him during the previous quarter,

the quantity sold by him and the quantity remaining in his possession, to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer Incharge of the district concerned and the Drugs Inspector of the Drugs Control Department, Himachal Pradesh.

- (18) If on the expiry or cancellation of this licence any stocks of the drugs remain in the possession of the licensee, he shall at once surrender the stocks to the Deputy Excise and Taxation Commissioner. If any portion of these stocks is declared by the Chief Medical Officer to be unfit for human consumption, the Deputy Excise and Taxation Commissioner, shall forthwith cause that portion to be destroyed and the licensee shall not be entitled to claim any compensation for loss resulting from the destruction of such portion of the drugs.
- (19) If any portion of the drugs is fit for human consumption the Deputy Excise and Taxation Commissioner shall make over such portion of the drugs, in any quantity not exceeding that the transferee is likely to sell within two months, to the incoming licensed vendor, who is taking place of the previous licensee, if the latter has surrendered the drugs in question to the Deputy Excise and Taxation Commissioner or to any other license vendor to the district.
- (20) The licensee shall be bound to accept from the Deputy Excise and Taxation Commissioner any portion of the drug which in the opinion of the Deputy Excise and Taxation Commissioner does not amount to more than two months' supply at such a price as may be determined by him. The price shall be paid to the licensee, who has surrender the drugs in question to the Deputy Excise and Taxation Commissioner.

Schedule showing the boundaries of the premises

1. Street and house number or other particulars.
2. Bounded on the—

North

East

South

West

Place _____
Dated _____

Excise Commissioner,
Himachal Pradesh

Note.—One copy of this license shall be given to the licensee and one copy retained by the Deputy Excise and Taxation Commissioner.

FORM MD-VII

(See rule 49 and 50)

FORM OF PRESCRIPTION TO BE USED BY THE MEDICAL PRACTITIONER

*Not to be repeated.....days.

*To be repeated at intervals of.....days.

1. Name and description of the person to whom the prescription is issued.....

2. Description of drug to be supplied.....
 3. Amount of drug to be supplied.....

.....
 Full name, qualification and
 signature of the medical
 practitioner.

Address.....

Date.....

*Cross out one of the two alternatives, on the authority of this prescription the drug must not be supplied the holder of this prescription more than six times.

Name of the person (or firm) who.....
 dispenses the prescription.....
 Address of premises.....
 Date.....

FORM MD-VIII

(See rule 47)

Form of register to be maintained by a medical practitioner permitted to possess manufactured drugs.

Date and month	Name and address of the licensee from whom the drug was purchased	Quantity purchased	Quantity of drug administered	Name and address of the patient	Balance	Remarks
1	2	3	4	5	6	7

N.B.:—For each class of the drug separate page shall be allotted.

TO BE MAINTAINED BY THE ASSISTANT EXCISE AND TAXATION COMMISSIONER OR THE EXCISE AND TAXATION OFFICER INCHARGE OF THE DISTRICT

FORM MD-IX

[See rule 45 (3)]

Register showing particulars of medical practitioners, registered with the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer of.....

district, for the possession of manufactured drugs other than prepared opium for use in his practice and not for sale.

Registration No. allotted to the medical practitioner by the Ex-cise and Taxation Department	Name, address and other particulars of the medical practitioner	Medical registration number	Name of the bazar/ street/ Mo-halla in which shop is located	Name of the village/ town/city in which shop is situated	Name of Tehsil and district	Remarks
1	2	3	4	5	6	7

FORM MD-X

[See rule 45 (3)]

“REGISTRATION CERTIFICATE” TO BE ISSUED TO A MEDICAL PRACTITIONER

Certified that—

- (1) Shri
- (2) Son of
- (3) Locality
- (4) Medical Registration No.

has been registered in this district in accordance with the provisions of the Himachal Pradesh Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Rules, 1989 and his registration No. is in the district register prescribed in Form MD-IX.

Assistant Excise and Taxation Commissioner/the Excise and Taxation Officer,
District

Seal :

N.B.—This certificate shall be produced by the medical practitioner, for inspection on demand by an Excise Officer.

नियन्त्रक, मृदण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।